www.dainikjayantnews.com
देहरादून (गैरसैंण),
सोमवार : 18 मई 2026
वर्षः 17
अंकः 26 पृष्ठः 6
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

20 हजार टन एलपीजी लेकर गुजरात पहुंचा अपना 'सिमी'

- 13 मई को पार किया था होर्मुज, अब तक 15 जहाज पहुंचे

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव के बीच 20 हजार टन एलपीजी लेकर 'सिमी' कैरियर कांडला के दीनदयाल पोर्ट पर सुरक्षित रूप से पहुंच गया है। इस जहाज ने 13 मई को होर्मुज स्ट्रेट को पार किया था। इस जहाज पर 21 क्रू सदस्य सवार हैं, जिनमें आठ यूक्रेनी और 13 फिलिपीनी हैं। मौजूदा निगरानी वाले ऑपरेशन्स में होर्मुज स्ट्रेट को पार करने

वाला 'सिमी' 11वां एलपीजी टैंकर था। अधिकारियों के मुताबिक, डीजी शिपिंग और विदेश मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय और पेट्रोलियम- प्राकृतिक गैस मंत्रालय के बीच करीबी तालमेल से इतनी सुरक्षा मुमकिन हो पाई। ये जहाज ऐसे समय में आया है जब पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर दबाव बना हुआ है। पिछले कुछ महीनों में भारत का कच्चा तेल भंडार तेजी से घटा है। भंडार में लगभग 15 फीसदी की गिरावट आई है। कमोडिटी एनालिटिक्स फर्म के आंकड़ों के अनुसार, भारत का कुल कच्चा तेल भंडार फरवरी के अंत में दर्ज 107 मिलियन बैरल से घटकर 91 मिलियन बैरल रह गया है। यह वही समय था जब संघर्ष शुरू हुआ था।

बिहार में 60000 करोड़ का निवेश करेंगे अडानी

- छपरा में किया ऐलान, बताया इनवेस्टमेंट का प्लान

छपरा (एजेंसी)। अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी ने रविवार को कहा कि हमारा लक्ष्य अगले तीन से चार वर्षों में बिहार राज्य के इन्फ्रास्ट्रक्चर पर 50 हजार करोड़ रुपए से लेकर 60000 करोड़ रुपए तक का निवेश करना है। उन्होंने सारण के मस्तीचक में अखंड ज्योति आई हॉस्पिटल- अडानी सेंटर फॉर आई डिजीज के उद्घाटन के दौरान बिहार को लेकर अडानी ग्रुप की प्रोजेक्ट्स का जिक्र करते हुए कहा कि हमने भागलपुर जिले के पीरपैंती में 2400 मेगावाट

पावर प्रोजेक्ट्स का शिलान्यास किया है। इस प्रोजेक्ट्स पर तेजी से काम चल रहा है। साथ ही रोड प्रोजेक्ट पर भी काम चल रहा है। गौतम अडानी ने आगे कहा कि हमारा लक्ष्य बिहार की प्रगति और इन्फ्रास्ट्रक्चर पर अगले तीन से चार वर्षों में बिहार राज्य के इन्फ्रास्ट्रक्चर पर 50 हजार करोड़ रुपये से लेकर 60 हजार करोड़ रुपए तक का निवेश करना है। गौतम अडानी ने कहा कि बिहार की ग्रोथ का समय आ गया है। बिहार में इन्फ्रास्ट्रक्चर की काफी आवश्यकता है। साथ रोड, इन्फ्रास्ट्रक्चर और औद्योगिकीकरण की भी काफी जरूरत है। इस समय का बिहार की जनता को पूरा लाभ उठाना चाहिए। अडानी ग्रुप के चेयरमैन सारण के मस्तीचक में अखंड ज्योति आई हॉस्पिटल- अडानी सेंटर फॉर आई डिजीज के उद्घाटन और नए परिसर के भूमिपूजन के लिए बिहार पहुंचे थे।

सुबह से गूंजे शंख और जयकारे, उमड़ी भीड़

धार भोजशाला में शुरू हुई पूजा-अर्चना, बदला-बदला था माहौल

धार (एजेंसी)। ऐतिहासिक भोजशाला में रविवार सुबह का माहौल पूरी तरह बदला हुआ नजर आया। सुबह होते ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु भोजशाला पहुंचने लगे। कई लोग अपने हाथों में मां वाग्देवी के चित्र लेकर आए थे। परिसर में प्रवेश करते ही श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना शुरू कर दी। सुबह से ही यहां मंत्रोच्चार, शंखध्वनि और जयकारों की आवाज सुनाई देती रही। एएसआई की ओर से जारी गाइडलाइन के बाद पहली बार इस तरह सुबह से धार्मिक गतिविधियां खुलकर दिखाई दीं।

विशेष रूप से सजाया गया गर्भगृह

भोजशाला के गर्भगृह को विशेष रूप से सजाया गया था। यहां रंगोली बनाई गई और पूजा से पहले पूरे स्थान को गोमूत्र से शुद्ध किया गया। इसके बाद ज्योति मंदिर में प्रज्वलित अखंड ज्योत को भी गर्भगृह तक लाया गया। सुबह सूर्योदय के साथ ही धार्मिक अनुष्ठान शुरू हो गए थे। परिसर में मौजूद श्रद्धालु भजन-कीर्तन करते नजर आए। कई लोग खुशी में झूमते और नाचते दिखाई दिए।

पुलिस बल भी रहा तैनात

भोजशाला में पूजा-अर्चना के दौरान प्रशासनिक अधिकारी भी पहुंचे। धार कलेक्टर राजीव रंजन मीना और एसपी सचिन शर्मा ने व्यवस्थाओं का जायजा लिया। दोनों अधिकारियों ने परिसर का निरीक्षण किया। पूरे क्षेत्र में पुलिस बल को तैनात किया गया है ताकि किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो। इस दौरान केन्द्रीय राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर भी भोजशाला पहुंचीं। उन्होंने यहां पूजा-अर्चना की और श्रद्धालुओं से मुलाकात की। उनके साथ मांडू के संत महामंडलेश्वर निसर्ग दास जी महाराज भी मौजूद रहे। सावित्री ठाकुर ने कहा कि पहले शुक्रवार को यहां तनाव की स्थिति बनती थी लेकिन अब माहौल सामान्य है। उन्होंने कहा कि अब लोग बिना किसी डर के यहां दर्शन कर पा रहे हैं।

गर्मी से बुरा हाल, जीना हुआ मुहाल

आसमान से बरस रही आग, आठ राज्यों में पारा 40 डिग्री पार

महाराष्ट्र का अमरावती-वर्धा देश में सबसे गर्म, तापमान 46 डिग्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम में राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र-विदर्भ से लेकर मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश समेत 8 राज्य भीषण गर्मी की चपेट में हैं। इन इलाकों में पारा लगातार 40 डिग्री से ऊपर चल रहा है। दिन के साथ रातें भी गर्म हो रही हैं। शनिवार को महाराष्ट्र के अमरावती और वर्धा देश के सबसे गर्म शहर रहे। दोनों शहरों का तापमान 46 डिग्री रिकॉर्ड हुआ। यूपी के बांदा, मध्य प्रदेश का नौगांव और खंडवा में भी पारा 44 से ज्यादा रहा। इधर, गुजरात के एकता नगर में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के पास बनी जंगल सफारी (सरदार पटेल जूलॉजिकल पार्क) में जानवरों और पक्षियों के लिए एसी, कूलर और स्प्रिंकलर लगाए गए हैं। वडोदरा के सायाजीबाग जूलॉजिकल पार्क ने जानवरों और पक्षियों को गर्मी से बचाने के लिए ठंडक के कई इंतजाम किए हैं। इनमें पानी का छिड़काव शामिल है।

राजस्थान के 8 जिलों में हीटवेव की चेतावनी

प्रदेश के बीकानेर, चूरू, बाड़मेर, जैसलमेर में अधिकतम तापमान 40 से 43 डिग्री के बीच दर्ज हुआ। सीकर, हनुमानगढ़, जालोर, सिरोही में तापमान 40 से नीचे रहा। मौसम विभाग ने राज्य में अगले हफ्ते से गर्मी तेज हो सकती है। वहीं, सोमवार को 8 जिलों में हीटवेव का यलो अलर्ट है।

एमपी के 15 शहरों में पारा 43 डिग्री पार

प्रदेश में भीषण गर्मी पड़ रही है। इंदौर और उज्जैन संभाग में सबसे ज्यादा गर्मी है। शनिवार को नौगांव और खंडवा में पारा 44 डिग्री के पार रहा। वहीं, 15 शहरों में तापमान 43 या इससे ज्यादा दर्ज किया गया। रतलाम में इतनी तेज धूप थी कि मोबाइल बंद हो गया।

छत्तीसगढ़ में 3 दिन आंधी-बारिश का अलर्ट

पिछले 24 घंटों में उत्तर और मध्य छत्तीसगढ़ के कई इलाकों में तेज आंधी, गरज-चमक और हल्की से मध्यम बारिश हुई। शनिवार रात रायपुर में ओले भी गिरे। अगले 3 दिनों तक प्रदेश में तेज हवा के साथ बारिश की संभावना है। इस दौरान हवा की रफ्तार 40 से 50 किमी प्रतिघंटा तक पहुंच सकती है। हिमाचल प्रदेश में आज से गर्मी का प्रकोप बढ़ेगा। राज्य में 21 मई तक मौसम साफ रहने का पूर्वानुमान है। इससे तापमान में चार से पांच डिग्री का उछाल आएगा। इस बार मई माह में सामान्य से ज्यादा बारिश-ओलावृष्टि के कारण अधिकांश शहरों का पारा सामान्य से नीचे गिरा रहा। बीते 24 घंटे के दौरान भी ज्यादातर शहरों का पारा सामान्य से नीचे दर्ज किया गया। हरियाणा में गर्मी लगातार तेवर दिखा रही है। रविवार को प्रदेश के 7 शहरों में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार दर्ज किया गया।

2 कोच में लगी आग, गार्ड ने लोको पायलट को दी सूचना

धू-धू कर जलने लगी त्रिवेंद्रम दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस

15 मिनट में 68 यात्रियों को बाहर निकाला, सभी सुरक्षित

कोटा (एजेंसी)। कोटा मंडल में त्रिवेंद्रम-हजरत निजामुद्दीन राजधानी एक्सप्रेस (12431) के 2 कोच में आग लग गई। हादसा रविवार सुबह करीब 5.15 बजे कोटा मंडल के लूणी रीछा-विक्रमगढ़ आलोट (मध्य प्रदेश) स्टेशन के बीच हुआ। आग ट्रेन के कोच नंबर बी-1 और उसके पीछे लगे सेकेंड लगेज कम गार्ड वैन में लगी थी। हादसे की जानकारी के बाद कोटा जंक्शन पर हूटर बजने लगे। राहत और बचाव टीम मौके के लिए रवाना हुई। सीनियर डिवीजनल कॉमर्शियल मैनेजर सौरभ जैन ने बताया कि कोच में 68 यात्री सवार थे। आग लगने की

8 से ज्यादा ट्रेनों के शेड्यूल पर असर

कोटा मंडल के डीआरएम अनिल कालरा ने बताया कि इस घटना के कारण 8 से 10 गाड़ियां प्रभावित हुई हैं। सुबह 9.30 बजे फिर से ट्रैफिक शुरू कर दिया गया था।

खबर गार्ड ने सबसे पहले लोको पायलट को दी थी। इसके बाद ट्रेन को रुकवाया गया। पैसेंजर्स को बाहर निकाला। करीब 15 मिनट में पूरा कोच खाली कराया गया। कुछ मिनटों में ही आग पूरे कोच में फैल गई थी। हालांकि, हादसा होने से बच गया।

कोटा पहुंचने से पहले हादसा

त्रिवेंद्रम राजधानी रविवार सुबह करीब 3.45 बजे मध्य प्रदेश के रतलाम जंक्शन से रवाना हुई थी। इसका अगला स्टॉप सुबह 6.45 बजे कोटा जंक्शन था। राजस्थान में एंट्री से पहले विक्रमगढ़ आलोट स्टेशन के पास एसी कोच में आग लग गई। कुछ मिनटों बाद आगे पीछे के लगेज कोच तक पहुंच गई। यहां रखा पैसेंजर्स का सामान आग में जल गया। इस कोच में कोई यात्री नहीं था।

कानपुर-सागर हाईवे पर भीषण सड़क हादसा

कार-ट्रक की टक्कर में महिला समेत 4 की मौत

हमीरपुर (एजेंसी)। हमीरपुर जिले के कानपुर-सागर नेशनल हाईवे पर रविवार को दोपहर तेज रफ्तार ट्रक और कार की टक्कर में महिला समेत चार लोगों की पर मौत हो गई, जबकि कार सवार एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद नेशनल हाईवे पर जाम लग गया। सूचना पाते ही पुलिस मौके पर पहुंची और कार में फंसे सभी को एम्बुलेंस से नजदीक के अस्पताल भेजा गया है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर जांच भी शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक, कानपुर महानगर के नवाबगंज के सिग्नेचर सिटी निवासी नरेंद्र कुमार 55 वर्ष, रेखा 52 वर्ष पत्नी नरेंद्र कुमार, मीना 54 वर्ष पत्नी राजकपूर व राजकपूर 56 वर्ष कार से बागेश्वरधाम दर्शन गए थे! कार लखनऊ निवासी आयुष चौहान 25 वर्ष चला रहा था। दर्शन के बाद सभी लोग कार से आज वापस कानपुर जा रहे थे। जैसे ही का मौदहा के छिरका गांव के पास पहुंची तो सामने कबरई महोबा जा रहे तेज रफ्तार ट्रक कार से टकरा गई।

सीएम बनते ही संकट में घिर गए थलापति विजय

'खरीद-फरोख्त' पर सीबीआई जांच वाली धमकी

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में ऐतिहासिक जीत हासिल करने के बाद सत्ता में आए विजय थलापति और उनकी पार्टी के ऊपर गंभीर आरोप लग रहे हैं। तमिलनाडु की क्षेत्रीय पार्टी अम्मा मक्कल मुनेत्र कड़गम (प्रमुख दिनाकरन ने विजय और उनकी पार्टी के ऊपर हॉर्स ट्रेडिंग (विधायकों की खरीद-फरोख्त) के आरोप लगाए हैं। उन्होंने दावा किया कि तमिलनाडु की सत्ता हासिल करने के लिए तमिलगा वेट्री कझगम ने हॉर्स ट्रेडिंग की है। उन्होंने कहा कि अगर विजय ने एएमएमके से गए विधायक को मंत्री पद दिया, तो फिर वह इस मामले की सीबीआई जांच की मांग करेंगे। तिरुचिरापल्ली में मीडिया से बात करते हुए दिनाकरन ने विजय

और उनकी पार्टी की पूरी राजनीति पर ही सवाल उठा दिया। उन्होंने कहा कि टीवीके की पूरी राजनीति ही हॉर्स ट्रेडिंग पर आधारित है। उन्होंने सीएम विजय पर तंज कसते हुए कहा, विजय कहते हैं कि वह घोड़े की रफ्तार से काम करेंगे, लेकिन उन्होंने घोड़ा ही मोलभाव करके खरीदा है। दरअसल, यह पूरा मामला विजय और उनकी सरकार द्वारा पास किए गए फ्लोर टेस्ट के दौरान का है। एएमएमके ने तमिलनाडु विधानसभा में एक सीट हासिल की थी। लेकिन फ्लोर टेस्ट के पहले ही उसके एकमात्र विधायक एस. कामराज ने विजय की पार्टी को समर्थन देने का ऐलान कर दिया। इसके बाद पार्टी ने अपने एकमात्र विधायक को निष्कासित कर दिया।

देश को एक वैचारिक राष्ट्र में बदलने की हो रही कोशिश

अरशद मदनी बोले-मुसलमान न कभी झुका है और न कभी झुकेगा

लखनऊ (एजेंसी)। जमीयत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष अरशद मदनी ने कहा है कि देश को योजनाबद्ध तरीके से एक वैचारिक राष्ट्र में बदलने की कोशिश की जा रही है। मदनी ने कहा कि पहले केवल मुसलमान निशाने पर थे। अब इस्लाम को भी निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुसलमान न कभी झुका है और न कभी झुकेगा। अरशद मदनी ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जमीयत उलमा-ए-हिंद की कार्यसमिति की दो दिवसीय बैठक का घोषणापत्र जारी किया। मदनी ने कहा, देश के वर्तमान हालात, बढ़ती सांप्रदायिकता, संवैधानिक संस्थाओं की चुप्पी, मुसलमानों और इस्लामी प्रतीकों के खिलाफ बढ़ते कदम तथा नफरत आधारित राजनीति अत्यंत चिंताजनक है। हालांकि मुसलमान न कभी झुका है और न कभी झुकेगा। वह प्रेम से झुक सकता

है, लेकिन ताकत, धमकी और अत्याचार के सामने उसे कभी झुकाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा- सत्ता प्राप्ति के लिए अमन और एकता के साथ खतरनाक खिलवाड़ किया जा रहा है, जिसके परिणामस्वरूप धार्मिक उन्माद और नफरत लगातार बढ़ रही है, जबकि कानून के रखवाले मूकदर्शक बने हुए हैं। हालिया चुनावों के बाद कुछ राजनीतिज्ञों में नफरत के आधार पर सत्ता हासिल करने का चलन और बढ़ गई है। बहुसंख्यक समुदाय को अल्पसंख्यकों के विरुद्ध खड़ा करने के लिए धार्मिक भावनाओं को भड़काया जा रहा है, जबकि सरकारें भय और धमकी से नहीं बल्कि न्याय और इंसाफ से चलती हैं।

सिर्फ हिंदुओं के लिए काम करेंगे, यह गलत धारणा

अरशद मदनी ने पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के बयान का जिक्र किया। मदनी ने कहा, पश्चिम बंगाल के नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री का यह बयान कि वे सिर्फ हिंदुओं के लिए काम करेंगे संवैधानिक और लोकतांत्रिक मूल्यों के पूरी तरह विरुद्ध है, क्योंकि हर मुख्यमंत्री शपथ लेकर सभी नागरिकों के साथ न्याय करने का संकल्प लेता है। सत्ता में बैठे लोगों की जिम्मेदारी हर नागरिक के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा करना है, न कि किसी विशेष वर्ग के खिलाफ नफरत और विभाजन की राजनीति करना। इसके साथ ही, मदनी ने एक्स पोस्ट में कहा, देश को योजनाबद्ध तरीके से एक वैचारिक राष्ट्र में बदलने की कोशिश की जा रही है। समान नागरिक संहिता, वंदे मातरम को अनिवार्य बनाना, मस्जिदों और मदरसों के खिलाफ कार्रवाइयां व एसआईआर की आड़ में वास्तविक नागरिकों को मताधिकार से वंचित करने जैसे कदम इसी सिलसिले की कड़ियां हैं।

सीएम धामी ने किया सितारगंज में 11.41 करोड़ की लागत से बनने वाले सीसी पुल का शिलान्यास

9 किलोमीटर घटेगी दूरी, 50 हजार लोगों को मिलेगा सीधा लाभ

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को सितारगंज के शक्तिफार्म को सिडकुल क्षेत्र से जोड़ने हेतु सिसौना नदी पर लगभग 11 करोड़ 41 लाख रुपये की लागत से निर्मित होने वाले 150 मीटर स्पान सीसी पुल का शिलान्यास किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि इस महत्वपूर्ण पुल के निर्माण से क्षेत्र के लगभग 50 हजार लोगों को सीधा लाभ मिलेगा तथा सिडकुल सितारगंज एवं विकासखंड कार्यालय सिसौना तक पहुंचने के लिए लगभग 9 किलोमीटर की दूरी कम हो जाएगी। उन्होंने कहा कि यह पुल क्षेत्र में सुगम आवागमन सुनिश्चित करने के साथ–साथ आर्थिक एवं सामाजिक विकास को भी नई गति प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उत्तराखंड विकास और समृद्धि के नए आयाम स्थापित कर रहा है। राज्य सरकार शहरों से लेकर सुदूर पर्वतीय क्षेत्रों तक सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि ऊधमसिंह नगर जनपद एवं शक्तिफार्म–सितारगंज क्षेत्र के विकास हेतु अनेक महत्वाकांक्षी परियोजनाएं संचालित की जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि शक्तिफार्म में पीपीपी मॉडल के माध्यम से मिल्क पाउडर, आइसक्रीम एवं चीज निर्माण से संबंधित आधुनिक डेयरी प्रसंस्करण इकाई स्थापित की जा रही है। इसके साथ ही प्रह्लाद पलसिया में लगभग 54 करोड़ रुपये की लागत से एक्वा पार्क का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है, जिसका लगभग 75 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। क्षेत्रवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पीएचसी को 30 बेड के सीएचसी में उच्चीकृत किया गया है। साथ ही सितारगंज–टनकपुर फोरलेन सड़क, आधुनिक ड्रेनेज प्रणाली, विभिन्न मोटर मार्गों और मल्टी स्टोरी पार्किंग के निर्माण कार्य भी प्रगति पर हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनपद ऊधमसिंह नगर में किच्छा में लगभग 351 करोड़ रुपये की लागत से 100 एकड़ भूमि पर अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के सैटेलाइट सेंटर का निर्माण कार्य प्रगति पर है। पंतनगर में अंतरराष्ट्रीय स्तर के हवाईअड्डे के निर्माण की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त गदरपुर एवं खटीमा बाईपास, खटीमा और किच्छा बस अड्डों, खेल स्टेडियमों, साइकिलिंग ट्रैक, एथलेटिक्स ट्रैक तथा औद्योगिक परियोजनाओं के माध्यम से क्षेत्र को नई पहचान दी जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार जमरानी बांध बहुउद्देशीय परियोजना को पुनः प्रारंभ कर तराई क्षेत्र की पेयजल एवं सिंचाई संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति की दिशा में ऐतिहासिक कार्य कर रही है।

पानी सप्लाई देख रहे जल संस्थान कर्मी से मारपीट

देहरादून। मयूर विहार चौकी क्षेत्र के सोमनाथ कॉलोनी (नीलू बस्ती) में पानी की लाइन और आपूर्ति व्यवस्था देखने गए जल संस्थान के वॉल्वमैन के साथ मारपीट की गई। जल संस्थान के आईटी पार्क कार्यालय में कार्यरत वॉल्वमैन सौपाल सिंह ने पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि वह जेई रोबिन के निर्देश पर अपने सहकर्मी दीपक और सचिन के साथ सोमनाथ कॉलोनी गए थे। वे स्थानीय लोगों से पानी की आपूर्ति को लेकर बातचीत कर रहे थे। तभी वहां रहने वाले शहजाद के बच्चों ने उनकी गाड़ियों और उन पर कीचड़ फेंक दिया। वह बच्चों को पकड़कर समझा रहे थे तभी शहजाद घर से बाहर निकल आया। उसने सौपाल के साथ गाली–गलौज शुरू कर दी और मारपीट की। इस घटना से जल आपूर्ति के सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न हुई। एसओ रायपुर संजीत कुमार ने बताया कि सौपाल के शनिवार को केस दर्ज कर जांच की जा रही है।

संक्षिप्त समाचार

शराब पीकर वाहन चलाने वाले 47 गिरफ्तार

देहरादून। शनिवार रात शराब पीकर सड़क पर वाहन चलाने वालों के खिलाफ पुलिस का शिकंजा कसा। इस दौरान 47 लोगों को गिरफ्तार कर पुलिस हवालात लेकर पहुंची। एसएसपी प्रमेंद्र डोबाल के निर्देश पर जिलेभर में अभियान चला। इस दौरान सार्वजनिक स्थानों और वाहनों में बैठकर शराब पीने वाले 73 लोगों को हिरासत में लिया। इन सभी को थाने लाकर सख्त हिदायत दी गई और पुलिस एक्ट के तहत इनका चालान किया गया। वहीं सड़कों पर शराब पीकर वाहन चलाने वाले 47 चालकों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। ड्रंक एंड ड्राइव, रेश ड्राइविंग और यातायात नियमों की घोर अनदेखी करने पर 67 वाहनों को मौके पर ही सीज कर दिया गया।जिला पुलिस की अलग–अलग टीमों ने नियमों के उल्लंघन पर 92 वाहनों का एमवी एक्ट में चालान करते हुए 47,500 रुपये और 81 पुलिस एक्ट के तहत 83 लोगों से 26,500 रुपये का नकद जुर्माना वसूला। साथ ही 62 वाहनों के कोर्ट चालान भी किए गए।

फैक्ट्री में पत्थरबाजी करने वाले 10 उपद्रवी गिरफ्तार

देहरादून। औद्योगिक क्षेत्र सेलाकुई में श्रमिक आंदोलन के दौरान उपद्रव और पत्थरबाजी करने के आरोप में पुलिस ने ऑपरेशन प्रहार के तहत रविवार को 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार किए गए आरोपियों पर श्रमिकों की आड़ में कानून व्यवस्था बिगाड़ने, फैक्ट्री परिसर और पुलिस पर पथराव करने तथा श्रमिकों को भड़काने के आरोप हैं। बीते शनिवार को डिक्सन फैक्ट्री में श्रमिक अपनी विभिन्न मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे। इसी दौरान कुछ उपद्रवी तत्वों ने फैक्ट्री परिसर और पुलिस बल पर पत्थरबाजी कर दी थी। पुलिस के मुताबिक सूचना मिली थी कि कुछ लोग संगठित होकर कंपनियों और मोहल्लों में जाकर श्रमिकों को भड़का रहे थे और काम पर जाने वाले कर्मचारियों के साथ जबरदस्ती और मारपीट का प्रयास कर रहे थे।इनमें कुछ लोग पूर्व में हुई पत्थरबाजी की घटना में भी शामिल बताए गए हैं। थानध्यक्ष लोकपाल परमार ने बताया कि पत्थरबाजी करने के आरोप में गिरफ्तार आरोपियों में रिजवान, विकास, रोहित, कैफ, फरदीन, समीर, अभिषेक गुप्ता, मोहम्मद कैफ, सुजान और हाशिम को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों में कुछ उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के अलग अलग जनपदों के रहने वाले हैं।

पंतनगर में कॉलोनी के पास दिखा तेंदुआ, लोगों में दहशत

रुद्रपुर। जीबी पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय क्षेत्र स्थित चीफ हाउस कॉलोनी की तारबाड़ के पास शनिवार रात करीब नौ बजे तेंदुआ दिखाई देने से हड़कंप मच गया। कॉलोनी के कुछ लोगों ने तारबाड़ के पास तेंदुए को खड़ा देखा, जिसके बाद तत्काल पंतनगर सुरक्षा विभाग को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही सुरक्षा कर्मी मौके पर पहुंच गए। सुरक्षा टीम एवं स्थानीय लोगों ने वाहन के हॉर्न बजाकर और शोर मचाकर तेंदुए को वहां से भगाने का प्रयास किया। काफी देर तक हल्ला होने के बाद तेंदुआ जंगल की ओर चला गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह के जंगली जानवर समय–समय पर कॉलोनी के आसपास दिखाई देते रहते हैं, जिससे क्षेत्र में भय का माहौल बना रहता है। लोगों ने वन विभाग और प्रशासन से इलाके में गश्त बढ़ाने की मांग की है।वन विभाग की सतर्क रहने की अपील: रविवार सुबह वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और ग्रामीणों व स्थानीय लोगों से पूछताछ की।

पिल्ला गैंग पर कनखल पुलिस का शिकंजा, एक और आरोपी गिरफ्तार

हरिद्वार। कनखल पुलिस ने पिल्ला गैंग के खिलाफ कार्रवाई तेज करते हुए एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी गैंग को नशा, पैसा और हथियार उपलब्ध कराने का काम करता था। गैंग का नेटवर्क भूपतवाला से लेकर लक्सर तक फैला बताया जा रहा है। इस मामले में अब तक 10 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। कनखल थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि जगजीतपुर, पीठ पुलिया, फुटबॉल ग्राउंड और गुरुकुल कांगड़ी क्षेत्र में सादे कपड़ों में पुलिस टीमें निगरानी कर रही थीं। चार मई को प्रणव शर्मा निवासी कनखल ने मारपीट के संबंध में मुकदमा दर्ज कराया था। घटना जगजीतपुर स्थित रॉयल हट में हुई थी, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने शनिवार को सोनू पाल निवासी कुम्हारगढ़ा, कनखल को गिरफ्तार कर लिया।

पांच हजार पर्यटकों ने लच्छीवाला नेचर पार्क का उठाया आनंद

ऋषिकेश। भीषण गर्मी के बीच लच्छीवाला नेचर पार्क सैलानियों के लिए राहत का सबसे बड़ा ठिकाना बनकर उभरा है। बीते कुछ दिनों से पार्क में लगातार पर्यटकों की संख्या बढ़ रही है। रविवार को ही यहां पांच हजार से अधिक पर्यटक पहुंचे, जिससे पूरे दिन पार्क परिसर गुलजार रहा। ठंडे प्राकृतिक जलस्रोतों में स्नान, घने वन क्षेत्र में सैर और परिवार के साथ समय बिताने के लिए लोग दूर–दराज से डोईवाला के लच्छीवाला नेचर पार्क पहुंच रहे हैं। पार्क परिसर में सुरक्षा और व्यवस्थाओं को लेकर प्रशासन के साथ–साथ वन विभाग की टीम भी पूरी तरह मुस्तैद है।

हाइपरटेंशन से बचना है तो खाए ताजे फल सब्जी

देहरादून। ग्राफिक एरा हॉस्पिटल में विशेषज्ञों ने हाइपरटेंशन से बचाव, उसके दुष्प्रभावों और स्वस्थ जीवनशैली की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि उच्च रक्तचाप (हाइपरटेंशन) को नियंत्रित रखने के लिए कम नमक वाला पोटेशियम युक्त आहार, डिब्बाबंद भोजन से परहेज, वजन नियंत्रण, पर्याप्त नींद और ताजे फल–सब्जियों का सेवन आवश्यक है। ग्राफिक एरा हॉस्पिटल में वर्ल्ड हाइपरटेंशन डे के अवसर पर हाइपरटेंशन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विशेषज्ञों ने कहा कि अनियंत्रित उच्च रक्तचाप हृदय, किडनी, मस्तिष्क समेत शरीर के कई महत्वपूर्ण अंगों को गंभीर रूप से प्रभावित कर सकता है। उच्च रक्तचाप से बचाव के लिए पोटेशियम युक्त आहार लेना, जंक एवं प्रोसेस्ड फूड से परहेज करना और नियमित शारीरिक गतिविधि अपनाना जरूरी है।

धूम्रपान व शराब जैसी आदतों से दूरी बनाकर हाइपरटेंशन के खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है। विशेषज्ञों ने हाइपरटेंशन को 'साइलेंट किलर' बताते हुए कहा कि कई बार इसके लक्षण देर से दिखाई देते हैं इसलिए नियमित ब्लड प्रेशर की जांच कराने आवश्यक है। विशेषज्ञों ने लोगों को दवाइयों का सेवन समय पर करने और अचानक सिरदर्द, चक्कर, थकान एवं सांस फूलने जैसे लक्षणों को नजरअंदाज न करने की सलाह दी। कार्यक्रम में मरीजों एवं उनके परिजनों ने हाइपरटेंशन से जुड़े विभिन्न सवाल विशेषज्ञ डॉक्टरों के सामने रखे, जिनका उन्होंने सरल और विस्तारपूर्ण तरीके से जवाब दिया।

164 लोगों की शिविर में पेंशन सत्यापित, 30 मई तक मौका

देहरादून। डीएम सविन बंसल के निर्देश पर समाज कल्याण विभाग की ओर से पेंशन योजनाओं के वार्षिक भौतिक सत्यापन के लिए नगर निगम के वार्ड संख्या 96 नवादा बद्रीपुर में एक विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में पहुंचे लाभार्थियों के दस्तावेजों की जांच कर आवश्यक औपचारिकताएं पूरी की गईं। शिविर के दौरान कुल 164 लाभार्थियों का मौके पर भौतिक सत्यापन किया गया। इसमें सबसे अधिक 120 वृद्धावस्था पेंशन, 12 दिव्यांग पेंशन और 32 विधवा पेंशन के लाभार्थी शामिल रहे। जिला समाज कल्याण अधिकारी दीपांकर घिड़ियाल ने बताया कि जनपद में पेंशन प्राप्त कर रहे सभी लाभार्थियों के लिए वार्षिक भौतिक सत्यापन कराना अनिवार्य है।
इसकी अंतिम तिथि 30 मई निर्धारित की गई है। तय समय सीमा के भीतर सत्यापन न कराने वाले लाभार्थियों की पेंशन रुक सकती है। क्षेत्रीय पार्षद वीरेंद्र वालिया का भी सहयोग रहा।

डीजल–पेट्रोल की बढ़ी कीमतों पर कांग्रेसियों का प्रदर्शन

रुद्रपुर। डीजल–पेट्रोल के दामों में वृद्धि के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर पुतला फूंका। कांग्रेसियों ने मूल्य वृद्धि के लिए केंद्र सरकार की नीतियों को जिम्मेदार ठहराया। रविवार को बड़ी संख्या में कार्यकर्ता नगर कांग्रेस कार्यालय से जुलूस की शक्ल में डीडी चौक पहुंचे। यहां पूर्व पालिकाध्यक्ष दर्शन कोली ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार द्वारा डीजल–पेट्रोल के दाम बढ़ाए जाने से जनता में भारी आक्रोश है। उन्होंने सरकार से डीजल–पेट्रोल के बढ़े दाम वापस लेने की मांग की। वहीं, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष गुलशन सिंधी ने चेतावनी दी कि यदि केंद्र सरकार ने जल्द कीमतें कम नहीं कीं तो कांग्रेस पूरे प्रदेश में आंदोलन करेगी। इसके बाद कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए केंद्र सरकार का पुतला फूंका। इस दौरान ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष गुलशन सिंधी, सुनील ठाकुर, कलावती सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्रभारी मंत्री की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई जिला योजना की बैठक

चमोली। जनपद चमोली के समग्र एवं संतुलित विकास को गति देने के उद्देश्य से माननीय मंत्री, ग्राम्य विकास, लघु एवं सूक्ष्म मध्यम उद्यम, खादी एवं ग्रामोद्योग तथा जनपद के प्रभारी मंत्री भरत सिंह चौधरी की अध्यक्षता में रविवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला योजना की बैठक आयोजित की गई।बैठक से पूर्व जिलाधिकारी गौरव कुमार ने मा. प्रभारी मंत्री जी को पुष्पगुच्छ देकर और शॉल भेटकर उनका स्वागत किया। बैठक में वित्तीय वर्ष 2026–27 की वार्षिक जिला योजना के अंतर्गत कुल 74 करोड़ 23 लाख 70 हजार रुपये के परिव्यय को अनुमोदित किया गया। प्रभारी मंत्री ने जिला प्रशासन द्वारा सभी जनप्रतिनिधियों के प्रस्तावों को जिला योजना में शामिल किए जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि पिछले वर्ष जनपद में अनेक विकासपरक एवं जनहितकारी कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हुए हैं तथा आगामी वर्ष की योजना भी जनपद के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। बैठक के दौरान विभागवार लोक निर्माण विभाग, ग्रामीण निर्माण विभाग, पेयजल, कृषि, उद्यान, पशुपालन, मत्स्य, सिंचाई, उरेड़ा, पर्यटन, खेल एवं युवा कल्याण, स्वास्थ्य, उद्योग, पंचायती राज, शिक्षा एवं बाल विकास विभाग की प्रस्तावित योजनाओं की विस्तार से समीक्षा की गई। प्रभारी मंत्री ने निर्देश दिए कि योजनाओं को क्लस्टर आधारित दृष्टिकोण के साथ लागू किया जाए तथा केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं के बेहतर समन्वय से अधिकतम लाभ आमजन तक पहुंचाया जाए। उन्होंने अधूरे एवं गतिमान कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश भी दिए। कृषि क्षेत्र को सशक्त बनाने पर जोर देते हुए उन्होंने कृषि विभाग को किसानों को अच्छी क्वालिटी के कृषि उपकरण सब्सिडी पर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही फसलों को जंगली जानवरों से सुरक्षित रखने के लिए चैन लिंक फेंसिंग (घेरबाड़) को प्राथमिकता देने को कहा। उद्यान विभाग को निर्देशित किया गया कि जनपद में कीवी उत्पादन की संभावनाओं को देखते हुए बड़े क्लस्टर विकसित किए जाएं तथा उत्पादन, मार्केटिंग एवं पैकेजिंग व्यवस्था को मजबूत किया जाए ताकि किसानों को बेहतर आर्थिक लाभ मिल सके। प्रभारी मंत्री ने पशुपालन विभाग को पहाड़ों की अर्थव्यवस्था के लिए ह्लगेम चेंजरह्व बताते हुए जिला योजना के माध्यम से बड़े एवं प्रभावी कार्य किए जाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि पशुपालन से ऑर्गेनिक फार्मिंग को बढ़ावा मिलेगा तथा स्थानीय स्तर पर रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर विकसित होंगे। साथ ही अच्छी नस्ल के पशुओं को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। उन्होंने मत्स्य पालन, डेयरी एवं सहकारिता जैसे क्षेत्रों को भी ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूती के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए इन क्षेत्रों में अधिक कार्य करने पर जोर दिया। इस वर्ष जिला योजना में कृषि, उद्यान, पशुपालन, डेयरी, मत्स्य पालन जैसे आजीविका आधारित क्षेत्रों में विशेष रूप से नवाचार और उत्पादन परक कार्य रखे हैं , जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन को बढ़ावा मिलेगा तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।

पेट्रोलियम पदार्थों की बढ़ती कीमतों के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन, फूंका पुतला

अल्मोड़ा। पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की लगातार बढ़ती कीमतों के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने रविवार को अल्मोड़ा, सोमेश्वर, ताकुला और हवालबाग क्षेत्रों में प्रदर्शन कर केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने पुतला दहन किया और दोपहिया वाहनों को धक्का लगाकर विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह भोज ने कहा कि भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों के कारण आम जनता महंगाई की मार झेलने को मजबूर है। उन्होंने कहा कि पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस के लगातार बढ़ते दामों से गरीब, मजदूर, किसान और मध्यम वर्ग सबसे अधिक प्रभावित हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि एक ओर लोग बेरोजगारी और आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं, वहीं दूसरी ओर केंद्र सरकार करों में बढ़ोतरी कर जनता पर अतिरिक्त बोझ डाल रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा जनता के मुद्दों को उठाती रही है और आगे भी महंगाई के खिलाफ संघर्ष जारी रहेगा।

वेटर से मारपीट, तलवार से काटने की धमकी दी

रुद्रपुर। रम्पुरा क्षेत्र में पार्टी से लौट रहे एक वेटर के साथ मारपीट और तलवार से काटने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने कोतवाली रुद्रपुर में तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। भदईपुरा वार्ड नंबर–14 निवासी राशिद पुत्र नबी अहमद ने बताया कि 15 मई की रात वह अपने दोस्त अशोक के साथ रम्पुरा क्षेत्र में एक पार्टी में वेटर का काम करने गया था। काम समाप्त होने के बाद करीब एक बजे दोनों घर लौट रहे थे। आरोप है कि रास्ते में रम्पुरा वार्ड नंबर–23 निवासी पंकज उर्फ खरगोश पुत्र कांती कोली और उसके साथी अवि, राज समेत अन्य लोगों ने उन्हें रोक लिया और बिना किसी कारण मारपीट शुरू कर दी। आरोपियों ने उसके साथ बुरी तरह मारपीट की और गाली–गलौज की।

3 घंटे तक 8 की बजाय 55 किमी दौड़ाया ट्रैफिक

ऋषिकेश। वीकेंड पर रविवार को उमड़े सैलानियों और चारधाम यात्रियों के वाहनों के दबाव से ऋषिकेश में ट्रैफिक बेपटरी हो गया। सुबह दस बजे से रात आठ बजे तक नेपालीफार्म से ऋषिकेश के बीच वाहन रेंगते रहे। हालात इतने बिगड़े कि पुलिस को ट्रैफिक प्लान–बी लागू करना पड़ा, जिसके तहत हरिद्वार की ओर से आने वाले वाहनों को नेपालीफार्म फ्लाईओवर से डायवर्ट कर भानियावाला–रानीपोखरी होते हुए ऋषिकेश भेजा गया। इससे यात्रियों को आठ किलोमीटर की दूरी तय करने के लिए करीब 55 किलोमीटर अतिरिक्त सफर करना पड़ा। दरअसल, वीकेंड पर रविवार सुबह से दिल्ली, पंजाब, हरियाणा समेत अन्य प्रदेशों से सैलानी ऋषिकेश पहुंचने लगे। इसके चलते सड़कों पर वाहनों का दबाव काफी बढ़ गया। दिन में श्यामपुर रेलवे फाटक पर ट्रेनों की आवाजाही ने स्थिति और बिगाड़ दी। फाटक बंद होते ही वाहनों की लंबी कतार नेपालीफार्म तक पहुंच गई। दोपहर तक ऋषिकेश–हरिद्वार हाईवे पर कई जगह वाहन घंटों फंसे रहे। जाम में फंसे पर्यटक, चारधाम यात्री और स्थानीय लोग गर्मी और धूल के बीच परेशान होते दिखे। पुलिस का डायवर्जन प्लान भी राहत नहीं दे सका।

धरना स्थल पहुंचे एसडीएम–तहसीलदार

हरिद्वार। पीली पड़ाव ग्राम पंचायत में बंदोबस्त प्रक्रिया के विरोध में किसानों एवं खातेदारों का धरना रविवार को तीसरे दिन भी जारी रहा। किसान ग्राम पंचायत भवन परिसर स्थित ब्रह्मदेवता पीपल वृक्ष के नीचे एकत्र होकर लगातार विरोध–प्रदर्शन कर रहे हैं। उनका कहना है कि वे अपनी ग्राम पंचायत में बंदोबस्त प्रक्रिया को किसी भी रूप में आगे बढ़ाए जाने के पक्ष में नहीं हैं। धरने के तीसरे दिन एसडीएम हरिद्वार जितेंद्र कुमार और तहसीलदार हरिद्वार सचिन कुमार बंदोबस्त टीम के साथ धरनास्थल पहुंचे और किसानों से वार्ता की। इस दौरान ग्रामीणों की ओर से अधिकारियों को ज्ञापन भी सौंपा गया। हालांकि किसानों ने वार्ता को बेनतीजा बताते हुए आंदोलन जारी रखने की बात कही। ज्ञापन में ग्रामीणों ने कहा कि गांव का कोई भी व्यक्ति बंदोबस्त प्रक्रिया नहीं चाहता। उन्होंने उल्लेख किया कि पूर्व में हुई चकबंदी से जुड़े विवाद आज भी न्यायालय में लंबित हैं।

हरिद्वार को बम से उड़ाने की धमकी, एजेंसियां अलर्ट

हरिद्वार। पुलिस कंट्रोल रूम पर कॉल कर चार दिन के भीतर हरिद्वार में बम विस्फोट करने की धमकी मिलने से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस और खुफिया एजेंसियां सतर्क हो गईं। मामले में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर नंबर के आधार पर उसकी तलाश शुरू कर दी गई है। रविवार तड़के डायल 112 के माध्यम से थाना मोबाइल की एमडीटी पर सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति मोबाइल फोन से लगातार अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए हरिद्वार को बम से उड़ाने की धमकी दे रहा है। कॉल करने वाला व्यक्ति पुलिस और प्रशासन के अलावा देश और प्रदेश के उच्च पदाधिकारियों के खिलाफ भी आपत्तिजनक टिप्पणियां कर रहा था। मामले की जांच रात्रि अधिकारी एएस–।आई दिनेश कुमार को सौंपी गई।

सरकार शीशमबाड़ा प्लांट को लेकर जनता को गुमराह कर रही : उक्रांद

विकासनगर। रविवार को कर्णा देवी मंदिर के पास हुई यूकेडी (उत्तराखंड क्रांति दल) की बैठक में वक्ताओं ने प्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि शीशमबाड़ा कूड़ा निस्तारण प्लांट के मुद्दे पर जनता को गुमराह किया जा रहा है। वक्ताओं का कहना था कि चुनाव के दौरान सत्ताधारी दल के नेता प्लांट को हटाने का वादा करते हैं, लेकिन चुनाव खत्म होते ही इस विषय पर चुप्पी साध लेते हैं। यह बयान स्थानीय लोगों की नाराज़गी को दर्शाता है, क्योंकि कूड़ा निस्तारण प्लांट से जुड़ी समस्याएँ लंबे समय से जनता के लिए चिंता का कारण बनी हुई हैं। ऐसे मुद्दे अक्सर चुनावी राजनीति में बड़े वादों के रूप में सामने आते हैं, लेकिन बाद में ठोस कार्रवाई की कमी लोगों को निराश करती है।

एक नजर

यात्रा रूट पर खराब पड़ा हैंडपंप

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : चारधाम यात्रा के प्रमुख पड़ाव श्रीनगर में हाईवे स्थित भक्तियाना क्षेत्र में एसएसबी गेट के सामने जल संस्थान की ओर से लगाया गया हैंडपंप दो दिनों से खराब पड़ा है। भीषण गर्मी के बीच हैंडपंप बंद होने से स्थानीय लोगों, राहगीरों और चारधाम यात्रा पर आने–जाने वाले यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय नीरज व सूरज का कहना है कि यात्रा सीजन शुरू होने के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर यात्रियों और वाहनों की आवाजाही लगातार बढ़ गई है। ऐसे में सड़क किनारे लगा यह हैंडपंप राहगीरों और पैदल यात्रियों के लिए सहारा था। मगर अब यह दो दिनों से खराब है। स्थानीय निवासी गजेंद्र मैठाणी ने बताया कि चिलचिलाती गर्मी में हैंडपंप बंद होने से समस्या बन गई है। वहीं जल संस्थान के सहायक अभियंता अर्पित मित्तल ने बताया कि दो दिन के भीतर हैंडपंप को ठीक करा दिया जाएगा।

क्षतिग्रस्त पड़ी नाली की स्लैब, दुर्घटनाओं का खतरा

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः रोडवेज बस अड्डे की पार्किंग के प्रवेश और निकासी मार्ग पर बने सीमेंट व सरिया के नाली स्लैब क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। स्लैब टूटने और गहरे गड्ढे होने से वाहनों की आवाजाही प्रभावित हो रही है और वाहन चालकों के सीधे नाली में गिरने व दुर्घटना का खतरा बना हुआ है। कई जगहों पर सरिया बाहर निकल आई है और एक स्थान पर की गई मिट्टी भरने की अस्थायी व्यवस्था भी बरसात या दबाव पड़ने पर धंस जाती है। रोडवेज बस अड्डे के प्रभारी अशोक काला ने बताया कि यह स्लैब पहले नगर निगम ने बनाए थे। समस्या को लेकर नगर निगम अधिकारियों को अवगत करा दिया गया है। वहीं नगर निगम के जेई सूरज ने बताया कि रोडवेज से शिकायत प्राप्त हुई है और मामले का जल्द समाधान निकालने का प्रयास किया जाएगा।

500 पदों के लिए 20 से लगेगा रोजगार मेला

रुद्रप्रयाग। जिला सेवायोजन कार्यालय की ओर से 20 मई को रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। रोजगार मेला सुबह 10 बजे से जिला सेवायोजन कार्यालय परिसर में होगा जिसमें छह निजी कंपनियां और संस्थान प्रतिभाग करेंगे। रोजगार मेले में कुल 500 पदों पर भर्ती प्रक्रिया होगी। इसमें अप्रेंटिसशिप, ट्रेनी, तकनीशियन, ईएमटी, ड्राइवर, होटल प्रबंधन, जॉब ट्रेनी सहित विभिन्न पदों के लिए चयन किया जाएगा। टाटा मोटर्स, मुंजाल शोवा लिमिटेड, एकम्स ड्रग्स फार्मा लिमिटेड, 108 आपातकालीन सेवा, टाटा स्ट्राइव कौशल विकास केंद्र और युवा शक्ति फाउंडेशन भर्ती प्रक्रिया में शामिल होंगे। मेले में 8वीं, 10वीं, 12वीं, बीएससी, एमएससी, आईटीआई, डिप्लोमा, बीकॉम, बीफार्मा, डीफार्मा, एएनएम और जीएनएम योग्यता वाले अभ्यर्थी प्रतिभाग कर सकते हैं। अभ्यर्थियों की आयु 18 से 40 वर्ष निर्धारित है। चयनित युवाओं को 12 हजार से 20 हजार रुपये तक मासिक वेतन दिया जाएगा।

भीड़ प्रबंधन और श्रद्धालुओं को सुगम दर्शन कराने के निर्देश

रुद्रप्रयाग। पुलिस महानिरीक्षक राजीव स्वरूप ने रविवार को केदारनाथ धाम पहुंचकर यात्रा व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मंदिर परिसर, आस्था पथ, लाइन व्यवस्था तथा श्रद्धालुओं की एंट्री और एग्जिट व्यवस्था का जायजा लिया। आईजी ने भीड़ प्रबंधन, लाइनों में प्रतीक्षा समय कम करने और व्यवस्थित दर्शन व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि केदारनाथ यात्रा में सेवा देना सौभाग्य की बात है और पुलिस कर्मियों को श्रद्धालुओं की भावनाओं का सम्मान करते हुए उनकी हरसंभव सहायता करनी चाहिए। आईजी ने ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों से संवाद किया और उनका मनोबल बढ़ाया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक निहारिका तोमर भी मौजूद रहीं।

केदारनाथ हेलिपैड के पास बिगड़ी महिला यात्री की तबीयत

रुद्रप्रयाग। पुलिस की तत्परता से एक बीमार महिला तीर्थयात्री को समय पर इलाज मिल पाया। रविवार को शाहगंज, आगरा उत्तर प्रदेश से केदारनाथ दर्शनों को आई वर्षा देवी (57) पत्नी संदीप कुमार की अचानक तबीयत बिगड़ गई। महिला केदारनाथ हेलिपैड कैंटीन के समीप थी। सूचना मिलते ही ड्यूटी पर तैनात हेड कांस्टेबल सुशील थपलियाल, कांस्टेबल राजेश कुमार और कांस्टेबल अनुज कुमार मौके पर पहुंचे और महिला को नजदीकी अस्पताल ले गए। चिकित्सकों ने महिला का प्राथमिक उपचार किया जिसके बाद उनकी हालत में सुधार आया। उपचार के बाद पुलिस टीम ने महिला को परिजनों के साथ सुरक्षित गौरीकुंड के लिए रवाना किया। गंभीर मरीज एयर एम्बुलेंस से एम्स रेफरः केदारनाथ में भर्ती एक गंभीर मरीज को बेहतर उपचार के लिए एयर एंबुलेंस के माध्यम से सीधे एम्स ऋषिकेश रेफर किया गया। जानकारी के अनुसार रिटन दास (33) विवेकानंद चिकित्सालय केदारनाथ में भर्ती थे और उनकी हालत गंभीर होने के कारण उन्हें वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया था।

सैनिक स्कूल भवन का काम पूरा कर संचालन की उठी मांग

चमोली। बहुगुणा विचार मंच के गढ़वाल/कुमाऊं संयोजक व वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश पुजारी ने गढ़वाल सांसद अनिल बलूनी को ज्ञापन सौंपकर रुद्रप्रयाग जनपद के जखोली में निर्माणाधीन सैनिक स्कूल भवन का निर्माण कार्य पूरा कर इसके संचालन की मांग उठाई है। उन्होंने कहा कि जखोली में वर्ष 2015 से सैनिक स्कूल की स्थापना को केंद्र व प्रदेश सरकार की स्वीकृति मिली थी। इसके निर्माण पर करोड़ों रुपये भी खर्च कर दिए गए हैं मगर अभी तक इसका संचालन शुरू नहीं हो पाया है। इसकी स्थापना के लिए 10 करोड़ रुपये भी आवंटित किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि सैनिक स्कूल के निर्माण के लिए ग्रामीणों ने अपनी 1700 नाली भूमि भी दान दी है। प्रभारी मंत्री भरत सिंह चौधरी ने भी स्कूल के संचालन के लिए काफी प्रयास किए लेकिन आज भी स्थिति जस की तस बनी है। उन्होंने शीघ्र भवन का निर्माण पूरा कर स्कूल का संचालन शुरू करवाने की मांग की।

विधायक ने मुख्यमंत्री को योजनाओं की प्रगति से कराया अवगत

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ विधायक आशा नौटियाल ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात कर विधानसभा क्षेत्र से जुड़े विकास कार्यों पर चर्चा की। बैठक में आशा नौटियाल ने क्षेत्र में सड़क, पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा और पर्यटन से जुड़ी योजनाओं की प्रगति से मुख्यमंत्री को अवगत कराया।

12 वर्ष बाद भी नहीं बन पाया पालीटेक्निक कालेज का भवन

रिखणीखाल के अंतर्गत ग्राम बड़खेत में अधर में लटका पालीटेक्निक कालेज

रिखणीखाल के ग्राम बड़खेत में प्रस्तावित किया गया था कालेज

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः पहाड़ में बेहतर शिक्षा व्यवस्था के दावे हो रहे हैं। लेकिन, हकीकत यह है कि आज भी युवा शिक्षा के लिए पहाड़ से पलायन को मजबूर हो रहा है। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण रिखणीखाल के अंतर्गत ग्राम बड़खेत में देखने को मिल रहा है। जहां 12 वर्ष बाद भी पालीटेक्निक कालेज का भवन अधर में लटका हुआ है। लगातार शिकायत के बाद भी सरकारी सिस्टम समस्या को लेकर लापरवाह बना हुआ है। जबकि, पूर्व में कालेज निर्माण के लिए स्थानीय ग्रामीण प्रदर्शन भी कर चुके हैं। वर्ष–2012 में रिखणीखाल के बड़खेत में राजकीय पालीटेक्निक कालेज खोलने की घोषणा की गई। इसके लिए बकायदा ग्रामीणों ने कई नाली भूमि दान में दी। दो मंजीला भवन निर्माण का कार्य उत्तर प्रदेश निर्माण निगम को दिया गया। लेकिन, 12 वर्ष बाद भी भवन निर्माण कार्य अधर में लटका हुआ है। भवन के भीतर निर्माण सामग्री रखी हुई है। जो पूरी तरह बर्बाद हो चुकी है। भवन के ऊपर केवल एक टीन शेड पड़ा हुआ है। ग्राम प्रधान विनीता ध्यानी ने बताया कि पानी की कमी की बात कहकर निर्माण कार्य करवा रही संस्था कार्य को अधर में छोड़कर चली गई। इसके बाद मल्ला बड़खेत के ग्रामीणों ने डबराल पेयजल लाइन बिछाने का अनापत्ति पत्र भी शासन को दिया था। लेकिन, इसके बाद भी कार्य को आगे बढ़ाने की सुध नहीं ली गई। कुछ माह पूर्व विधायक दिलीप सिंह रावत ने समस्या के जल्द निराकरण का आश्वासन दिया था।

पलायन को मजबूर युवा

क्षेत्र में पालीटेक्निक कालेज नहीं होने के कारण युवाओं को शिक्षा के लिए देहरादून सहित अन्य शहरों की ओर पलायन करना पड़ रहा है। इससे अभिभावकों की भी जेब ढीली हो रही है। यही नहीं गरीब परिवार के बच्चे तो शिक्षा से वंचित रह रहे हैं। जल्द पालीटेक्निक कालेज का निर्माण कर संचालन के लिए ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन को भी पत्र भेजा है।

विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों ने मोहा दर्शकों का मन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारःभगवंत ग्लोबल विश्वविद्यालय में वार्षिकोत्सव एवं सह-विदाई समारोह धूमधाम से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। गढ़वाली, गुजराती, पंजाबी और राजस्थानी लोकगीतों पर प्रस्तुत रंगारंग कार्यक्रम आकर्षण का केंद्र रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि पीएल शाह, कुलपति प्रो. एके शर्मा तथा प्रतिकुलपति प्रो. पीएस राणा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इसके बाद छात्राओं ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के दौरान नंदा देवी राजजात यात्रा पर आधारित प्रस्तुति को विशेष सराहना मिली। मुख्य अतिथि पीएल शाह ने विद्यार्थियों को मेहनत और अनुशासन का महत्व बताते हुए कहा कि कठिन परिश्रम के बल पर ही जीवन में सफलता प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित कार्यक्रमों की प्रशंसा भी की। समारोह में श्रद्धा को मिस फेयरवेल और करन चुना गया।

वहीं संजना को मिस स्पार्क तथा अनुराग को मिस्टर स्पार्क का खिताब मिला। कुमारी ज्योति नेगी को फैकल्टी ऑफ द ईयर और कुसुम रानी को स्टाफ ऑफ द ईयर सम्मान से नवाजा गया। कार्यक्रम के अंत में अंतिम वर्ष के छात्र–छात्राओं को उज्वल भविष्य की शुभकामनाओं के साथ भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर लक्ष्मी, डा. सर्वानन, अरूण खंतवाल, हर्षिता शर्मा, श्वेता डोबरियाल, विकास पाल, गुरजंत सिंह, शशि, शिवानी नेगी, राहुल, मुकेश और विकास कुमार मौजूद रहे।

नाटक की प्रस्तुति ने मोहा दर्शकों का मन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः एचएनबी गढ़वाल विवि के लोक कला एवं संस्कृति निष्पादन केंद्र की ओर से आयोजित बाल रंग यात्रा का शुभारंभ ऐतिहासिक नाटक दास्तान-ए- दिल्ली के भव्य मंचन के साथ किया गया। शहर के मार्शल पब्लिक स्कूल के बाल कलाकारों के अभिनय, संवाद अदायगी को दर्शकों ने खूब सराहा।

कार्यक्रम का उद्घाटन प्रो. डीआर पुरोहित, मार्शल स्कूल के मैनेजिंग डायरेक्टर जलेश सब्रवाल एवं प्रधानाचार्या प्रिया सब्रवाल ने किया। नाटक में दिल्ली के इतिहास को विभिन्न कालखंडों में घटित घटनाओं को प्रस्तुत किया गया। नाटक की शुरुआत महाभारत, सम्राट पृथ्वीराज चौहान और मोहम्मद गौरी के युद्ध दृश्य से हुआ। शब्दभेदी बाण का दृश्य विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। इसके बाद रजिया सुल्तान का दरबार, तुगलक की नीतियां, अकबर की धार्मिक सहिष्णुता और शाहजहां के शाही वैभव को प्रभावशाली ढंग से मंचित किया गया। देशभक्ति गीतों और क्रांतिकारी नारों के साथ प्रस्तुति का समापन हुआ। कार्यक्रम का निर्देशन एमए रंगमंच के दिनेश एवं उपासना भट्ट ने किया। मौके पर मीनाक्षी कर्नाटक, केंद्र के निदेशक गणेश खुगशाल, उपनिदेशक डॉ. संजय पांडे तथा सहायक निदेशक महेंद्र सिंह पंवार आदि मौजूद रहे। नाटक में अग्रिम, अर्पित, इशिका, आशीष, शिवम, काजल, अंशिका आदि ने अभिनय किया।

महंगाई पर कांग्रेस का रोष, फूंका पुतला

सरकार का पुतला दहन करते कांग्रेसी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः महानगर कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पेट्रोल-डीजल और आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती कीमतों के विरोध में प्रदर्शन करते हुए भाजपा सरकार का पुतला दहन किया। कार्यकर्ताओं ने कहा कि लगातार बढ़ती महंगाई से आम जनता का जीवन प्रभावित हो रहा है। साथ ही नीट पेपर लीक प्रकरण को युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ बताया गया। महानगर अध्यक्ष मीना बछुवाण के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ता पार्टी कार्यालय में एकत्र हुए। इसके बाद कार्यकर्ताओं ने भाजपा सरकार की नीतियों के खिलाफ नारेबाजी करते हुए झंडाचौक तक प्रदर्शन किया और वहां पुतला दहन किया। वक्ताओं ने कहा कि पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगातार वृद्धि के कारण रोजमर्रा की जरूरत की वस्तुएं भी महंगी होती जा रही हैं, जिससे आम आदमी पर आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। उन्होंने केंद्र सरकार की नीतियों को जनविरोधी बताते हुए महंगाई पर नियंत्रण लगाने की मांग की।

कार्यकर्ताओं ने नीट पेपर लीक मामले को गंभीर मुद्दा बताते हुए कहा कि इससे लाखों युवाओं का भविष्य प्रभावित हुआ है। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शन में प्रवीन रावत, सुधा असवाल, गीता नेगी, डा. चंद्रमोहन खर्कवाल, विजय माहेश्वरी, अंकुश घिल्डियाल, कमलेश्वरी देवी, दमयंती रावत, सोनिका नेगी, जानकी बुडाकोटी, शहनाज शम्सी, राजीव कपूर, महावीर सिंह रावत, धर्मेंद्र सिंह और गोपाल गुसांई मौजूद रहे।

लैंसडौन में भी फूंका पुतला

लैंसडौन में महानगर कांग्रेस कमेटी ने गांधी चौक पर महंगाई का पुतला फूंका। सरकार का पुतला जलाने वालों में नगर कांग्रेस के अध्यक्ष रोशन शाह, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष जयहरीखाल विक्रांत खंतवाल, सौरभ नेगी, संजय कन्नौजिया, पूर्व नगर अध्यक्ष गंभीर रावत, राजेश अग्रवाल, सतेश्वर सिंह आदि मौजूद रहे।

गुरु गोरखनाथ पर्यावरण संरक्षण समिति की मासिक बैठक में वृक्षारोपण अभियान पर जोर

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः गुरु गोरखनाथ पर्यावरण संरक्षण समिति की मासिक बैठक रविवार को समिति कार्यालय में अध्यक्ष आर.पी. पंत की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक का संचालन उमानन्द बडोला एवं आर.पी. पंत द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

बैठक में समिति की पूर्व बैठकों में लिए गए निर्णयों पर शीघ्र प्रभावी कार्यवाही करने पर सहमति बनी। साथ ही आगामी बरसात के मौसम में वृक्षारोपण अभियान चलाने के लिए पोखड़ा ब्लॉक एवं कल्जीखाल ब्लॉक में दो नई जगहों का चयन किया गया। कोषाध्यक्ष द्वारा आय-व्यय का विवरण प्रस्तुत किया गया, जिस पर सदस्यों ने समिति की आय बढ़ाने के लिए युद्ध स्तर पर प्रयास करने का निर्णय लिया। बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने नवीनीकरण शुल्क एवं सहयोग राशि भी जमा की। बैठक में अशोक नेगी, एस.एन. पोखरियाल, बहादुर सिंह मेहरा, आनन्द सिंह बिष्ट, सुनील नेगी, जगदीश जोशी, मोहन सिंह नेगी, बलवीर सिंह बिष्ट, प्रमोद कुमार डोबरियाल, डी.आर. बौढ़ियाल, प्रकाश हेमदान एवं दिनेश घिल्डियाल सहित कई सदस्यों ने अपने विचार रखे। बैठक से पूर्व सतीशचन्द्र शर्मा का जन्मदिवस सादगी एवं उत्साह के साथ मनाया गया।

बच्चों के सर्वांगीण विकास को लेकर की चर्चा

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः हेमनदास सरस्वती शिशु मंदिर में आयोजित अभिभावक सम्मेलन में बच्चों के उज्ज्वल भविष्य और उनके सर्वांगीण विकास पर चर्चा की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य महेंद्र गौड़ तथा शिक्षक दर्शन सिंह मनराल ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

सम्मेलन में शिक्षकों ने अभिभावकों से बच्चों को मोबाइल फोन के अत्यधिक उपयोग से दूर रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि मोबाइल की लत बच्चों की पढ़ाई और मानसिक विकास पर नकारात्मक प्रभाव डालती है। साथ ही यह भी बताया कि बच्चों के संस्कार और व्यवहार में परिवार, विशेषकर मां की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। अभिभावकों ने भी बच्चों की शिक्षा और अनुशासन को लेकर अपने विचार एवं सुझाव शिक्षकों के साथ साझा किए। विद्यालय प्रबंधन ने भरोसा दिलाया कि विद्यार्थियों के बेहतर भविष्य और सर्वांगीण विकास के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इस अवसर पर प्रयाग दत्त चमोली, मनोज जोशी, अंचल कुमार अग्रवाल, योगेश नेगी, गीता रावत, सुनीता पंत, अंजू चमोला और श्रेया चौधरी सहित कई शिक्षक मौजूद रहे।

राज्य आंदोलनकारियों को कर्मियों के समान पेंशन देने की मांग

नई टिहरी। उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी मंच के जिला सम्मेलन में राज्य आंदोलनकारियों को राजकीय कर्मचारियों की भांति पेंशन देने, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की तर्ज पर राज्य आंदोलनकारियों का चिह्नीकरण करने का प्रस्ताव पारित किया गया। आम सहमति के बाद संगठन की पुरानी जिला कार्यकारिणी भंग कर डॉ. राकेश भूषण गोदियाल को नया जिलाध्यक्ष चुना गया।बौराड़ी स्थित सामुदायिक मिलन केंद्र में आयोजित सम्मेलन का शुभारंभ संगठन के प्रदेश महामंत्री रामलाल खंडूरी और प्रदेश प्रवक्ता प्रदीप कुकरेती ने किया। कार्यक्रम में उत्तराखंड राज्य आंदोलन के दौरान शहीद हुए आंदोलनकारियों को श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके योगदान और बलिदान

को याद किया गया। राज्य के अतिथि गृहों में आंदोलनकारियों को निशुल्क ठहरने की सुविधा उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया। संगठन को और सक्रिय बनाने के लिए प्रत्येक दो माह में नियमित बैठक आयोजित करने और ब्लॉक स्तर पर बैठकें तथा कार्यक्रम संपादित करने का निर्णय लिया गया।

राज्य पुरस्कार प्राप्त स्काउट–गाइड और शिक्षक सम्मानित

रुद्रप्रयाग। भारत स्काउट एवं गाइड्स रुद्रप्रयाग की वार्षिक योजना बैठक रविवार को ब्लॉक सभागार अगस्त्यमुनि में हुई। बैठक में जिला संस्था में लंबे समय से रिक्त पदों पर सर्वसम्मति से जिला कमिश्नर गाइड पद पर हेमलता बिष्ट को नियुक्त किया गया जबकि जिला काउंसलर पदों पर अतुल कठैत, उमा दत्त सेमवाल, शंभू ओडियाल, उषा दुमागा, मीना बिष्ट और बीना देवी को मनोनीत किया गया। वहीं राज्य पुरस्कार प्राप्त स्काउट एवं गाइड्स तथा एएलटी कोर्स उत्तीर्ण करने वाले शिक्षक शीशपाल रावत, धनंजय भंडारी, प्रेम सिंह रावत और राजेश बिष्ट को प्रमाणपत्र एवं ब्रीड पहनाकर सम्मानित किया गया। बैठक में मुख्य शिक्षा अधिकारी एवं संस्था के मुख्य आयुक्त अजय कुमार चौधर, शीशपाल पंवार, शोभा डोभाल, सुधा उनियाल और बीएस कठैत आदि मौजूद रहे।

सुलभ शौचालय का काम छह माह से अधूरा

नई टिहरी। नगर पंचायत चमियाला की सुस्त कार्यशैली का खामियाजा व्यापारियों, स्थानीय लोगों और चारधाम यात्रा मार्ग से गुजरने वाले यात्रियों को भुगतना पड़ रहा है। बाजार क्षेत्र में निर्माणाधीन सुलभ शौचालय का कार्य बीते छह माह से धीमी गति से चल रहा है। तय समय सीमा बीतने के बावजूद निर्माण पूरा नहीं होने से लोगों में नगर पंचायत के प्रति नाराजगी बढ़ती जा रही है। नगर पंचायत चमियाला की ओर से बाजार क्षेत्र में करीब 20 लाख रुपये की लागत से सुलभ शौचालय का निर्माण शुरू कराया गया था। इसका उद्देश्य व्यापारियों, गांवों से खरीदारी के लिए बाजार पहुंचने वाले ग्रामीणों और चारधाम यात्रा पर आने–जाने वाले यात्रियों को सुविधा उपलब्ध कराना था। निर्माण कार्य को मार्च 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया था लेकिन निर्धारित समय बीतने के दो माह बाद भी शौचालय अधूरा पड़ा है।चमियाला में पहले से मौजूद दूसरा शौचालय बाजार क्षेत्र से काफी दूरी पर स्थित है। ऐसे में दुकानदारों, महिलाओं, बुजुर्गों और यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। बाजार आने वाले ग्रामीणों को भी काफी दिक्कत झेलनी पड़ रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि चारधाम यात्रा सीजन के दौरान बाजार में आवाजाही बढ़ने के बावजूद शौचालय निर्माण में तेजी नहीं लाई जा रही है जिस धीमी गति से शौचालय का निर्माण चल रहा है उस स्थिति में कार्य पूरा होने में दो से तीन माह का वक्त और लग सकता है। लोगों ने नगर पंचायत से निर्माण कार्य में तेजी लाकर जल्द शौचालय शुरू कराने की मांग की है।

भगवान मद्महेश्वर की भोग मूर्तियां सभा मंडप में विराजमान

रुद्रप्रयाग। द्वितीय केदार मद्महेश्वर मंदिर के कपाट खुलने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। रविवार को शीतकालीन गद्दी स्थल ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ में भगवान मद्महेश्वर की भोग मूर्तियों को गर्भगृह से सभा मंडप में विराजमान किया गया। इस दौरान स्थानीय हक–हकूकधारियों ने भगवान को नए अनाज का भोग (छाबड़ी) अर्पित किया।

रविवार सुबह साढ़े आठ बजे रावल भीमाशंकर लिंग की मौजूदगी में भगवान मद्महेश्वर की भोग मूर्तियों को गर्भगृह से बाहर लाया गया। इस दौरान मंदिर के वेदपाठी विश्वमोहन जमलोकी, नवीन मैठाणी और केदार लिंग ने वैदिक मंत्रोच्चारण किया और ओंकारेश्वर मंदिर के पुजारी शिवलिंग और वागेश लिंग ने भोग मूर्तियों को सभा मंडप में विराजमान कराया। रावल भीमाशंकर लिंग ने मद्महेश्वर के मुख्य पुजारी शिवशंकर लिंग को छह माह की पूजा का संकल्प दिलाया। इसके बाद सभा मंडप में पंच गौंडार की मौजूदगी में पुजारी शिवशंकर लिंग ने भगवान को भोग

अर्पित कर आरती कराई। वहीं ओंकारेश्वर मंदिर परिसर में उदयपुर, मस्तोली, ब्राह्मणखोली और डंगवाड़ी की महिलाओं ने नए अनाज से तैयार छाबड़ी भगवान को अर्पित की। मद्महेश्वर की भोग मूर्तियां सोमवार को भी सभा मंडप में विराजमान रहेंगी।

त्यूंखर गांव में शराबबंदी, 21 हजार लगेगा जुर्माना

रुद्रप्रयाग। ब्लॉक के दूरस्थ गांव त्यूंखर में महिला मंगल दल ने बैठक कर शादी और सार्वजनिक कार्यक्रमों में शराब परोसने व बेचने पर पूर्ण पाबंदी लगाने का निर्णय लिया। ग्राम प्रधान माधुरी बुटोला की अध्यक्षता में हुई बैठक में ग्रामीणों ने यह प्रस्ताव पारित किया। तय किया गया कि मेहंदी रस्म, विवाह समारोह व सामूहिक कार्यक्रम में शराब परोसने वाले पर 21 हजार रुपये का आर्थिक जुर्माना लगाया जाएगा। इसके साथ ही अवैध रूप से शराब बेचने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। बैठक में ग्राम प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य प्रिया बुटोला, महिला मंगल दल की अध्यक्ष आशा देवी पवार ने कहा कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य गांव में स्वस्थ समाज की स्थापना करना है। शराब के बढ़ते प्रचलन से परिवार टूट रहे हैं। बैठक में कावरी देवी, सजवाण आदि ग्रामीण उपस्थित थे।

यात्रा मार्गों पर अतिरिक्त पुलिस बल है तैनात

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ से लौटने के बाद लोनिवि के विश्राम गृह ऊखीमठ में आयोजित पत्रकार वार्ता में गढ़वाल परिक्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक राजीव स्वरूप ने कहा कि इस वर्ष चारधाम यात्रा में रिकॉर्ड संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं जिसके मद्देनजर सुरक्षा और यातायात व्यवस्थाओं को और मजबूत किया गया है। यात्रा मार्गों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है और संवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। चारधाम यात्रा मार्ग को 149 सेक्टरों में विभाजित किया गया है। प्रत्येक 10 किलोमीटर की दूरी पर मेडिकल किट के साथ पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। आपदा की दृष्टि से 48 संवेदनशील स्थानों को चिह्नित किया गया है जहां मानसून से पहले अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया जाएगा।

संपादकीय

बेबस मूक लाचार तंत्र

अभी कुछ समय पहले ही उत्तराखंड के पुलिस महानिदेशक ने एक बैठक के दौरान निर्देश दिए थे कि सड़कों पर प्रदर्शन और जुलूस निकालने पर कार्रवाई की जाएगी और सड़क जाम करने वालों पर कार्रवाई की जाएगी, लेकिन पुलिस मुखिया के इन आदेशों का ना तो कोई असर तब से नजर आया और ना ही विभिन्न संगठनों को ऐसे आदेशों से कुछ लेना देना है। राजधानी में वीकेंड के अवसर पर देहरादून की घंटाघर में बजरंग दल वालों का आंदोलन न केवल स्थानीय लोगों के लिए बल्कि पर्यटकों के लिए भी भारी मुसीबत का कारण बन गया। लोग जाम में फंसकर कड़कती धूप में परेशान होती रही क्योंकि बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने जगह–जगह पर बैरियर डालकर रास्ता बंद कर दिया था। अब सवाल यह उठता है कि रविवार का दिन ही क्यों चुना और क्यों वीकेंड पर जहां लोग घूमने निकलते हैं वहां प्रदर्शन का यह तरीका देखकर पुलिस लाचार और बेबस खड़ी नजर आई। छात्र और बेरोजगार संगठनों पर लाठियां बरसाने की कुशल हस्त पुलिस क्या इन चंद गिनती के प्रदर्शनकार्यों को नहीं खदेड़ पाई??? भरी दोपहरी में लोगों की परेशानियों से ना तो प्रशासन का मतलब था और ना ही इन प्रदर्शनकार्यों को। भले ही उनके अपने भी इस जाम का शिकार बने होंगे लेकिन जब संवेदना शून्य हो जाए तो फिर कुछ कहना बेकार होगा।

आखिर किसने दी बजरंग दल को भी शहर के रास्ते को बंद कर लोगों को परेशान करने की इजाजत? क्यों लाचार और मूक बनाकर खड़ी रही पूरी पुलिस ?? क्या उत्तराखंड पुलिस के पास अब इतना भी दमखम नहीं रह गया कि वह आम जनता को राहत देने के लिए बल प्रयोग कर सके? कोई भी ऐसा दल या संगठन जो एक विशेष धर्म की सोच रखने वाली सरकार का अनुसरण करता हो उनके प्रदर्शन के आगे ऐसी लाचारी क्या तंत्र की विफलता नहीं है। विडंबना तो यह है कि आम जनता को राहत प्रदान करने के बजाय पूरा पुलिस तंत्र प्रदर्शनकार्यों के लिए शहर का सबसे महत्वपूर्ण और व्यस्ततम चौराहा ट्रैफिक विहीन कराने पर लगा रहा। सिर्फ ट्रैफिक बंद करके पुलिस कौन सी व्यवस्था बनाने चली थी???? अगर प्रदर्शनकारियों का ही साथ देना है तो जिला पुलिस और प्रशासन एक दिन पहले एडवाइजरी जारी कर दे कि समाज के कथित रक्षक समाज को बचाने के लिए प्रदर्शन करेंगे लिहाजा अमुक घंटे तक सड़क पर वाहन लेकर निकलने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। देहरादून और मसूरी या फिर देहरादून से अन्य स्थानों को जाने वाले पर्यटकों ने शायद तौबा कर ली होगी कि दोबारा लौट कर रुख नहीं करेंगे। जो लोग मसूरी, सहस्त्रधारा या दूसरे जगह घूमने आए होंगे उन्होंने इस शहर की क्या छवि बनाई होगी?? और बजरंग दल ऐसा कौन सा ऐसा मुद्दा लेकर सड़क पर उतरा थे जिस पर अब से पहले दल ने प्रदर्शन नहीं किया ।जब राज्य सरकार खुद 'लव जिहाद और लैंड जेहाद" को लेकर कड़ी कार्रवाई के संकेत दे चुके हैं तो फिर क्या आप अपनी ही सरकार से संतुष्ट नहीं हो?? प्रदर्शन किसके खिलाफ कर रहे हो, अपनी ही सरकार के खिलाफ? पुलिस प्रशासन को यह सुनिश्चित करना होगा कि ऐसे प्रदर्शनों के कारण आम जनता परेशान ना हो और जो लोग इस तरह से रास्ते बंद करते हैं तो कम से कम कभी तो अपनी लाठियां और बल का प्रयोग जनता के हित में भी कर लो। यह प्रदर्शन केवल और केवल अपनी ताकत का प्रदर्शन और लोगों को परेशान करने की मंशा से जुड़ा हुआ था, लेकिन शासन प्रशासन की लाचारी और मूक दर्शक बनकर खड़े रहना वाकई आम जनता के हितों के साथ एक भद्दा मजाक नजर आया।

हमारे शहरों के असली हीरो : सफाई कर्मचारी

डॉ. सत्यवान सौरभ

किसी भी शहर की पहचान उसकी ऊँची इमारतों, चौड़ी सड़कों या चमकती रोशनियों से नहीं, बल्कि उसकी स्वच्छता और व्यवस्था से होती है। जब कोई व्यक्ति किसी शहर में प्रवेश करता है, तो सबसे पहले उसकी नजर वहाँ की साफ-सफाई, वातावरण और नागरिक अनुशासन पर जाती है। स्वच्छ शहर केवल सुंदर नहीं दिखते, बल्कि वे बेहतर स्वास्थ्य, सुरक्षित जीवन और सभ्य समाज का प्रतीक भी होते हैं। लेकिन इस स्वच्छता के पीछे जिन लोगों का सबसे बड़ा योगदान होता है, वे अक्सर समाज की चर्चा और सम्मान से दूर रह जाते हैं। ये लोग हैं हमारे सफाई कर्मचारी – वे अनदेखे, अनसुने और उपेक्षित नायक, जिनके श्रम पर पूरे शहर की व्यवस्था टिकी होती है।

हाल ही में विभिन्न नगरों में सफाई कर्मचारियों की हड़ताल ने लोगों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि यदि ये कर्मचारी अपना काम बंद कर दें, तो शहरों का जीवन कितनी जल्दी अस्त-व्यस्त हो सकता है। कुछ ही दिनों में सड़कों पर कचरे के ढेर लग गए, नालियाँ जाम हो गईं, बदबू फैलने लगी और बीमारियों का खतरा बढ़ गया। लोगों को पहली बार महसूस हुआ कि जिन सफाई कर्मचारियों को वे सामान्य कर्मचारी समझते हैं, वास्तव में वही शहर की धड़कन हैं।

विडंबना यह है कि हम आधुनिकता और विकास के बड़े-बड़े दावे तो करते हैं, लेकिन नागरिक जिम्मेदारियों के मामले में अभी भी बहुत पीछे हैं। हमारे शहरों में बड़ी संख्या में लोग सार्वजनिक स्थानों पर कचरा फेंकना, प्लास्टिक सड़क पर छोड़ देना और गंदगी फैलाना सामान्य बात समझते हैं। घर के भीतर सफाई रखने वाले लोग भी घर का कचरा बाहर सड़क पर डालकर अपनी जिम्मेदारी समाप्त मान लेते हैं। यही कारण है कि सफाई कर्मचारियों की अनुपस्थिति में शहर कुछ ही दिनों में कूड़े के ढेर में बदलने लगते हैं।

यह स्थिति केवल प्रशासनिक कमजोरी नहीं, बल्कि हमारी कमजोर civic sense का प्रमाण भी है। विकसित देशों में नागरिक स्वयं स्वच्छता के प्रति जागरूक रहते हैं। वहाँ लोग सड़क पर कचरा फेंकना सामाजिक अपराध मानते हैं। लेकिन हमारे यहाँ स्वच्छता को अब भी केवल सफाई कर्मचारियों और नगर निगम की जिम्मेदारी समझा जाता है। जब तक समाज स्वयं स्वच्छता को अपनी संस्कृति और आदत का हिस्सा नहीं बनाएगा, तब तक किसी भी सरकारी अभियान की सफलता अधूरी रहेगी।

सफाई कर्मचारियों का जीवन संघर्षों से भरा होता है। वे सुबह-सुबह तब काम शुरू कर देते हैं जब अधिकांश लोग नींद में होते हैं। तेज गर्मी, कड़ाके की सर्दी, बरसात या महामारी – हर परिस्थिति में वे सड़कों, गलियों और नालियों की सफाई करते हैं। कई बार उन्हें बिना पर्याप्त सुरक्षा उपकरणों के बेहद अस्वास्थ्यकर परिस्थितियों में काम करना पड़ता है। सीवर की सफाई करते समय जहरीली गैसों के कारण हर वर्ष कई कर्मचारियों की मृत्यु हो जाती है। इसके बावजूद समाज उन्हें वह सम्मान नहीं देता जिसके वे वास्तव में अधिकारी हैं।

कोविड-19 महामारी के दौरान जब पूरा देश घरों में बंद था, तब डॉक्टरों, पुलिसकर्मियों और सफाई कर्मचारियों ने अपनी जान जोखिम में डालकर समाज को सुरक्षित रखने का कार्य किया। उस समय लोगों ने ताली और थाली बजाकर उनका सम्मान तो किया, लेकिन समय बीतने के साथ हम फिर उन्हें भूल गए। आज भी अनेक सफाई कर्मचारी अस्थायी नौकरी, कम वेतन और असुरक्षित कार्य परिस्थितियों में काम करने को मजबूर हैं।

समाज का एक बड़ा वर्ग अब भी सफाई कार्य को हीन दृष्टि से देखता है। यह मानसिकता केवल गलत ही नहीं, बल्कि अमानवीय भी है। कोई भी काम छोटा या बड़ा नहीं होता। यदि सफाई कर्मचारी एक दिन काम बंद कर दें, तो पूरे शहर की व्यवस्था ठप पड़ सकती है। इसलिए उनका कार्य केवल नौकरी नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य और सामाजिक जीवन की रक्षा का कार्य है।

इस पूरी स्थिति का सबसे पीड़ादायक दृश्य तब दिखाई देता है जब सड़कों पर फैले कचरे में गायों को भोजन खोजते देखा जाता है। भारतीय समाज में गाय को माता का दर्जा दिया जाता है, लेकिन वास्तविकता यह है कि वही गायें प्लास्टिक, सड़ा भोजन और जहरीला कचरा खाने को मजबूर हैं। यह दृश्य हमारी सामाजिक संवेदनहीनता को उजागर करता है। श्रद्धा केवल शब्दों और नारों से नहीं, बल्कि व्यवहार से सिद्ध होती है। यदि हम सचमुच गाय को पूजनीय मानते हैं, तो हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि वह कचरे में भोजन तलाशने के लिए मजबूर न हो।

आज शहरों में बढ़ती प्लास्टिक समस्या ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। लोग बिना सोचे-समझे प्लास्टिक का उपयोग करते हैं और उसे खुले में फेंक देते हैं। यही प्लास्टिक नालियों को जाम करती है, पर्यावरण को प्रदूषित करती है और जानवरों के लिए जानलेवा बन जाती है। सफाई कर्मचारी प्रतिदिन इस गंदगी से जूझते हैं, लेकिन समस्या की जड़ नागरिकों की लापरवाही में छिपी हुई है।

सरकारें समय-समय पर स्वच्छता अभियान चलाती हैं। ह्लस्वच्छ भारत अभियानह्व ने लोगों में जागरूकता पैदा करने का प्रयास किया, लेकिन केवल अभियान चलाने से स्थायी परिवर्तन नहीं आता। जब तक नागरिक स्वयं जिम्मेदारी नहीं निभाएँगे, तब तक स्वच्छता केवल सरकारी पोस्टरों और नारों तक सीमित रहेगी।

हमें यह समझना होगा कि सफाई केवल नगर निगम की जिम्मेदारी नहीं है। हर नागरिक का यह कर्तव्य है कि वह अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखे। कचरा अलग-अलग श्रेणियों में बाँटना, प्लास्टिक का कम उपयोग करना, सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी न फैलाना और दूसरों को भी जागरूक करना – ये छोटी-छोटी आदतें बड़े परिवर्तन ला सकती हैं।

साथ ही सफाई कर्मचारियों के अधिकारों और सम्मान की रक्षा भी उतनी ही आवश्यक है। उन्हें उचित वेतन, स्थायी रोजगार, स्वास्थ्य सुविधाएँ और सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। सीवर सफाई जैसी खतरनाक प्रक्रियाओं में मशीनों का अधिक उपयोग होना चाहिए ताकि मानव जीवन जोखिम में न पड़े।

शिक्षा व्यवस्था में भी स्वच्छता और नागरिक जिम्मेदारी को व्यवहारिक रूप में शामिल करने की आवश्यकता है। बच्चों को केवल किताबों में स्वच्छता का पाठ पढ़ाने से काम नहीं चलेगा, बल्कि उन्हें व्यवहार में इसे अपनाने की प्रेरणा देनी होगी। जब नई पीढ़ी स्वच्छता को आदत बनाएगी, तभी समाज में वास्तविक परिवर्तन संभव होगा।

मीडिया और समाज को भी सफाई कर्मचारियों की समस्याओं और योगदान को प्रमुखता से सामने लाना चाहिए। आमतौर पर लोग उन्हें तभी याद करते हैं जब हड़ताल होती है या शहर में गंदगी फैलती है। लेकिन उनके दैनिक संघर्षों, मेहनत और योगदान पर बहुत कम चर्चा होती है। यदि समाज उन्हें सम्मान देगा, तो यह न केवल उनके आत्मविश्वास को बढ़ाएगा बल्कि स्वच्छता के प्रति सामूहिक चेतना को भी मजबूत करेगा। हमें यह भी समझना होगा कि स्वच्छता केवल सौंदर्य का विषय नहीं, बल्कि स्वास्थ्य और सभ्यता का प्रश्न है। गंदगी से मच्छर, मक्खियाँ और अनेक बीमारियाँ फैलती हैं। अस्वच्छ वातावरण बच्चों, बुजुर्गों और गरीब वर्ग के लिए सबसे अधिक खतरनाक होता है। इसलिए सफाई कर्मचारियों का कार्य सीधे-सीधे समाज के स्वास्थ्य से जुड़ा हुआ है।

आज आवश्यकता केवल सफाई कर्मचारियों की हड़ताल समाप्त कराने की नहीं, बल्कि अपनी सोच बदलने की है। हमें यह स्वीकार करना होगा कि शहरों को स्वच्छ रखने की जिम्मेदारी केवल कुछ कर्मचारियों पर नहीं डाली जा सकती। जब तक नागरिक स्वयं जिम्मेदार नहीं बनेंगे, तब तक गंदगी और अव्यवस्था की समस्या बनी रहेगी।

एचआईवी वैक्सीन की खोज: चुनौतियों के बीच चमकती उम्मीद

योगेश कुमार गोयल

पूरी दुनिया में एचआईवी एक खतरनाक वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या के रूप में उभर रहा है। एचआईवी मानव शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली पर हमला करता है और उपचार नहीं किए जाने पर एड्स में बदल सकता है। एड्स पहली बार 1981 में अमेरिका में रिपोर्ट किया गया था और देखते ही देखते यह एक विश्वव्यापी महामारी बन गया। एड्स ऐसी स्थिति होती है, जो संक्रमण से लड़ने की शरीर की क्षमता को बेहद कमजोर कर देती है। ऐसे व्यक्ति को तपेदिक, विभिन्न संक्रमण और कैंसर जैसी बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार विश्वभर में इस समय चार करोड़ से भी ज्यादा लोग एचआईवी से प्रभावित हैं। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक 2021 में साढ़े छह लाख लोग एचआईवी से संबंधित कारणों से मारे गए और 15 लाख लोगों को एचआईवी हुआ। डब्ल्यूएचओ का कहना है कि एचआईवी दुनियाभर में 4.01 करोड़ लोगों की मौत का कारण बन चुका है और अभी भी सभी देशों में एचआईवी संचरण देखा जा रहा है तथा कुछ देश तो नए मामलों में वृद्धि भी रिपोर्ट कर रहे हैं।

यही कारण है कि एचआईवी को आज भी सबसे गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौतियों में से एक माना जाता है। एचआईवी संक्रमण का हालांकि अभी तक कोई कारगर इलाज नहीं है लेकिन आवश्यक और प्रभावी उपचार तथा देखभाल एचआईवी से पीड़ित लोगों को लंबा और स्वस्थ जीवन जीने में मदद कर सकती है। लाइलाज मानी जाने वाली इस बीमारी के लिए टीका विकसित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डालने के लिए 18 मई को 'विश्व एड्स वैक्सीन दिवस' मनाया जाता है, जिसे 'एचआईवी वैक्सीन जागरूकता दिवस' भी कहा जाता है। वास्तव में यह उन वैज्ञानिकों और शोधकताओं के काम का सम्मान करने का अवसर है, जो लंबे समय से एचआईवी की रोकथाम के लिए टीका बनाने के लिए प्रयासरत हैं।

पहली बार 'विश्व एड्स वैक्सीन दिवस' अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति बिल क्लिंटन के भाषण का सम्मान करते हुए 18 मई 1998 को मनाया गया था। दरअसल बिल क्लिंटन ने 18 मई 1997 को मैरीलैंड में मॉर्गन स्टेट यूनिवर्सिटी में दिए अपने भाषण में इस घातक बीमारी को रोकने और उन्मूलन में टीकाकरण के महत्व पर जोर देते हुए एचआईवी का एक ऐसा टीका विकसित करने के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी के उपयोग को बढ़ाने की आवश्यकता को रेखांकित करते हुए कहा था कि एक प्रभावी एचआईवी टीका ही एचआईवी के प्रसार को नियंत्रित करने और उन्मूलन में मदद करेगा और एचआईवी से लड़ने की लोगों की क्षमता में सुधार करेगा। तभी से वैश्विक स्तर पर कई समूहों द्वारा लोगों को एड्स निवारक उपाय करने, एड्स संबंधी शिक्षा का प्रसार करने, शोधकताओं को प्रोत्साहित करने तथा इस कार्य में आम आदमी की पूर्ण भागीदारी का आश्वासन देने के लिए विश्व एड्स वैक्सीन दिवस मनाया जाता है। विभिन्न बीमारियों के उपचार और रोकथाम के लिए टीके मानवता की सबसे बड़ी सार्वजनिक स्वास्थ्य उपलब्धियों में से एक हैं, जो मानव शरीर को वायरस अथवा बैक्टीरिया के कमजोर या निष्क्रिय रूप में उजागर करके अपना काम करते हैं और प्रतिरक्षा प्रणाली को एंटीबॉडी विकसित करने के लिए उत्तेजित करते हैं ताकि शरीर भविष्य के संक्रमण से भी लड़ सके। इसीलिए एक सफल एचआईवी टीका बनाने के लिए भी दुनियाभर के शोधकर्ता प्रयासरत हैं, जिससे वायरस के प्रसार को रोकते हुए लाखों लोगों की जान बचाने में मदद मिल सके। हालांकि पिछले कुछ वर्षों में एड्स के टीके की खोज की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है लेकिन एक कारगर सार्वभौमिक एचआईवी वैक्सीन की राह में अभी भी काफी चुनौतियां बरकरार हैं।

एचआईवी का वर्तमान में कोई सुरक्षित इलाज नहीं है, एक बार जब वायरस शरीर में प्रवेश कर जाता है तो इसे हटाया नहीं जा सकता है लेकिन हाल के वर्षों में जीवन-रक्षक एंटीरेट्रोवायरल उपचारों के आगमन ने लाइलाज मानी जाने वाली एड्स की बीमारी को लेकर स्थिति को काफी बदल दिया है और इन उपचार पद्धतियों से इलाज कराकर लोग अब लंबा तथा स्वस्थ जीवन जी सकते हैं। एंटीरेट्रोवायरल थैरेपी (एआरटी) प्रतिरक्षा प्रणाली को होने वाले नुकसान को रोक सकती है अथवा उलट सकती है। यदि रोगी एआरटी का पालन करते हैं तो ऐसे अधिकांश मरीज स्वस्थ रहते हैं। फिलहाल व्यापक रूप से तटस्थ एंटीबॉडी (बीएनएबीएस) की खोज भी एचआईवी उपभेदों की विस्तृत श्रृंखला को प्रभावी ढ़ंग से बेअसर करने में अहम भूमिका निभा रही है। इन एंटीबॉडीज ने एक ऐसी सार्वभौमिक एचआईवी वैक्सीन के विकास की आशा को प्रेरित किया है, जो वायरस के खिलाफ व्यापक सुरक्षा प्रदान करने में सक्षम है। एमआरएनए तथा वायरल वेक्टर प्रौद्योगिकियों जैसे वैक्सीन वितरण प्लेटफार्मों में प्रगति ने भी वैक्सीन विकास प्रयासों को तेज कर दिया है और सफलता की संभावनाएं काफी बढ़ गई है।

1987 में अमेरिका के मैरीलैंड में राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान (एनआईएच) में वैज्ञानिकों ने एड्स वैक्सीन पर शोध करना शुरू किया था। इस शोध प्रक्रिया को कोविड-19 वैक्सीन पर हुए शोध ने गति देने में मदद की है। जिस एम-आरएनए तकनीक का इस्तेमाल कोविड वैक्सीन में किया गया, स्क्रिप्स रिसर्च इंस्टीट्यूट के इम्यूनोला/जिस्ट अब उसी तकनीक का उपयोग एड्स वैक्सीन पर भी कर रहे हैं। बहरहाल, एक कारगर सार्वभौमिक एड्स वैक्सीन की खोज का रास्ता लंबा और कठिन भले ही माना जा रहा है लेकिन इस दिशा में अभी तक हुई प्रगति को देखते हुए एड्स वैक्सीन की खोज में आगे आने वाली चुनौतियों के बावजूद तीव्र प्रगति संभव है और वैज्ञानिकों का मानना है कि आने वाले दशकों में एड्स मुक्त दुनिया हमारी पहुंच में है।

खंडहरों की गवाही ने लौटाया भोजशाला में वाग्देवी का सम्मान

मनोज कुमार अग्रवाल

रविवार को भोजशाल में भव्य पूजा अर्चना का कार्यक्रम चल रहा है। सुबह 6:30 बजे भक्तों ने मां वाग्देवी के चित्र को गर्भग्रह में स्थापित किया। दिनभर हवन-पूजन होगा। धार स्थित भोजशाला परिसर में पूजा-अर्चना शुरू हो गई। धार कलेक्टर राजीव रंजन मीणा और एसपी सचिन शर्मा भी पूजा-अर्चना में शामिल हुए। मुस्लिम पक्ष ने कहा है कि वे हाई कोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देंगे।

एक विध्वंस के अवशेष एक मां के मंदिर का सम्मान वापिस लौटाने के लिए गवाह बन गए।मध्यप्रदेश हाई कोर्ट की इंदौर बेंच ने भोजशाला-कमाल मौला मस्जिद विवाद पर ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए भोजशाला को वाग्देवी मंदिर मान लिया है। हाई कोर्ट ने हिंदू पक्ष को पूजा-अर्चना का अधिकार भी दे दिया। कोर्ट के इस फैसले के एक दिन बाद आज, रविवार को भोजशाला में पूजा-अर्चना और हवन हो रहा है। धार के कलेक्टर राजीव रंजन मीणा और पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा भोजशाला परिसर में पूजा-अर्चना में शामिल हुए। कोर्ट ने हिंदू पक्ष की मूर्ति स्थापना की मांग को भी स्वीकार कर लिया है।

हाल ही में हाई कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा था कि राजा भोज के काल में यह शिक्षा का प्रमुख केंद्र था, इसलिए यहां मूर्ति स्थापना की जा सकती है। अदालत ने पुरातात्विक व ऐतिहासिक साक्ष्यों, पुरातत्व सर्वेक्षण भारत की रिपोर्ट, पुरातत्व संरक्षण एक्ट के प्रावधानों और अयोध्या मामले के फैसले को आधार बनाया है। इस फैसले के बाद आज 17 मई को भोजशाला मंदिर में मां वाग्देवी की प्रतीकात्मक प्रतिमा को विराजित कर दिया गया है।

आपको बता दें कि लंबे समय से विवादों में रहे मध्य प्रदेश के धार जिले के भोजशाला-कमाल मौला मस्जिद परिसर को उच्च न्यायालय की इंदौर पीठ ने शुक्रवार को मंदिर करार दिया। पीठ ने कहा कि पुरातात्विक और ऐतिहासिक तथ्यों, भारतीय पुरातत्व विभाग (एएसआई) की सर्वे रिपोर्ट पर विचार करने के बाद वह इस नतीजे पर पहुंची है कि संरक्षित स्थान देवी सरस्वती का मंदिर है। पीठ ने एएसआई द्वारा 2003 में पारित उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसके तहत मुसलमानों को परिसर में नमाज पढ़ने की अनुमति दी गई थी। उच्च न्यायालय की इंदौर पीठ के न्यायमूर्ति विजय कुमार शुक्ला और न्यायमूर्ति आलोक अवस्थी ने इस मामले से संबंधित पांच याचिकाओं और एक रिट अपील पर पुरातात्विक व ऐतिहासिक तथ्यों, एएसआई की अधिसूचनाओं व उसके वैज्ञानिक सर्वेक्षण और कानूनी प्रावधानों की रोशनी में फैसला सुनाया। उच्च न्यायालय ने अपने निर्णय में अयोध्या के राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद विवाद के मुकदमे में शीर्ष अदालत के फैसले में निर्धारित सिद्धांतों का भी उल्लेख किया। खंडपीठ ने सामाजिक संगठन हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस और कुलदीप तिवारी व अन्य लोगों की दायर दो अलग-अलग जनहित याचिकाएं मंजूर करते हुए कहा, भोजशाला परिसर और कमाल मौला मस्जिद के विवादित क्षेत्र का धार्मिक स्वरूप वाग्देवी (सरस्वती) के मंदिर वाली भोजशाला के रूप में तय किया जाता है। भोजशाला को लेकर विवाद शुरू होने के बाद एएसआई ने 7 अप्रैल, 2003 को एक आदेश जारी किया था। इसमें हिंदुओं को प्रत्येक मंगलवार भोजशाला में पूजा करने की अनुमति दी गई थी, जबकि मुस्लिमों को हर शुक्रवार इस जगह नमाज अदा करने की इजाजत दी गई थी। इस फैसले को मुस्लिम पक्ष ने उच्चतम न्यायालय में चुनौती देने की घोषणा की है। दूसरी ओर हिंदू पक्ष के एक याची जितेंद्र सिंह बिसेन की तरफ से शुक्रवार को ही उच्चतम न्यायालय में कैविएट दाखिल की गई जिसमें अनुरोध किया गया कि भोजशाला परिसर विवाद मामले में मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ किसी भी अपील पर कोई भी आदेश उसका पक्ष सुने बिना पारित नहीं किया जाए।

गौरतलब है कि एएसआई ने भोजशाला परिसर का 98 दिनों तक सर्वे कर उसकी रिपोर्ट हाईकोर्ट में पेश की थी। इसमें कई अहम तथ्य सामने आए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक खोदाई में मूर्तियां, सिक्के और कई ऐतिहासिक अवशेष मिले हैं। इसमें कहा गया कि परमारकालीन भवन की नींव के पत्थरों पर बाद में निर्माण किया गया। सर्वे में मिले स्तंभों और वास्तुकला से संकेत मिलता है कि ये पहले मंदिर का हिस्सा रहे होंगे, जिन्हें बाद में मस्जिद निर्माण में इस्तेमाल किया गया। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि परिसर में चारों दिशाओं में 106 खड़े व 82 आड़े स्तंभमिले, यानी कुल 188 स्तंभ पाए गए। इनकी बनावट से संकेत मिलता है कि वे मूल रूप से मदिर स्थापत्य का हिस्सा थे। साथ ही रिपोर्ट में कहा गया कि स्तंभों पर बनी देवी-देवताओं और मानव आकृतियों को बाद में औजारों से क्षतिग्रस्त किया गया था। सर्वे में दो ऐसे स्तंभ भी मिले हैं, जिन पर ओम सरस्वत्यै नमः लिखा हुआ है। सर्वे रिपोर्ट के पेज नंबर 148 में उल्लेख किया गया है कि स्तंभों की वास्तुकला यह दर्शाती है कि वे पहले मंदिर का हिस्सा थे और मस्जिद निर्माण के दौरान बेसाल्ट के ऊंचे चबूतरों पर उनका दोबारा उपयोग किया गया। एक स्तंभपर देवी-देवता की आकृति मौजूद है।अपने 242 पृष्ठों के फैसले में अदालत ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई), जो 1952 से इस स्मारक का प्रबंधन कर रहा है। उसको परिसर के संरक्षण और आवागमन के नियमन का प्रभार सौंपा। अदालत ने यह भी कहा कि मुसलमानों को अब इस स्थल पर नमाज अदा करने की अनुमति नहीं होगी और राज्य सरकार को इसके लिए धार जिले में वैकल्पिक भूमि आवंटित करने पर विचार करने का निर्देश दिया।

आपको पता है अतीत में हिन्दुओं के धार्मिक स्थानों पर हमला कर कब्जा करना विदेशी आक्रमणकारियों के लिए आम बात थी। उनका लक्ष्य हिन्दुओं की धार्मिक भावनाओं को चोट पहुंचाना और उन्हें नीचा दिखाना ही था। स्वतंत्रता के पश्चात चाहिए तो यह था कि भारत सरकार स्वयं आगे आकर देश के बहुमत हिन्दू समाज की भावनाओं का आदर करते हुए आक्रमणकारियों द्वारा तोड़े गए धार्मिक व ऐतिहासिक स्थानों को चिन्हित कर उनका पुनरुत्थान करती, लेकिन धर्मनिरपेक्षता की आड़ में जो तुष्टिकरण की नीति सत्ताधारियों ने अपनाई उसके कारण समय बीतने के साथ धार्मिक व ऐतिहासिक स्थानों को लेकर देश में तनाव पैदा होने लगा।

समस्या यह है कि मुस्लिम समाज का एक वर्ग अपने आप को विदेशी हमलावरों का वंशज मान हिन्दुओं के विरुद्ध खड़ा होने लगा। परिणामस्वरूप मामले न्यायलयों में जाने लगे। भोजशाला परिसर भी उनमें से एक है। समय की मांग है कि मुस्लिम समाज हिन्दुओं की भावनाओं का सम्मान करते हुए धार्मिक स्थानों के मामले में उदारता दिखाए और विवादों को संवाद द्वारा सुलझाने को प्राथमिकता दे। यह कदम समाज व देश, दोनों के लिए हितकारी होंगे।

शनिवार को परिसर के नक्काशीदार पत्थर के स्तंभों पर गेंदे के फूलों की मालाएं लटकी हुई थीं। श्रद्धालु नंगे पैर मेहराबों के नीचे कतार में खड़े होकर पूजा कर रहे थे, तस्वीरें ले रहे थे और काले पत्थर के फर्श पर फूलों की पंखुड़ियां बिखेर रहे थे। उन्होंने हनुमान चालीसा का पाठ किया और 'माँ वाग्देवी' की प्रार्थना की। एक गुप्त कक्ष में काली दीवार पर लगी एक नक्काशी के नीचे फूलों को 'ओम' के प्रतीक के रूप में सजाया गया था। हिंदुओं का मानना है कि यहां कभी देवी सरस्वती की मूर्ति स्थापित थी।

रविवार को भोजशाल में भव्य पूजा अर्चना का कार्यक्रम चल रहा है। सुबह 6:30 बजे भक्तों ने मां वाग्देवी के चित्र को गर्भग्रह में स्थापित किया। दिनभर हवन-पूजन होगा। धार स्थित भोजशाला परिसर में पूजा-अर्चना शुरू हो गई। धार कलेक्टर राजीव रंजन मीणा और एसपी सचिन शर्मा भी पूजा-अर्चना में शामिल हुए। मुस्लिम पक्ष ने कहा है कि वे हाई कोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देंगे। लेकिन जमीनी स्तर पर यह आदेश पहले ही प्रभावी होना शुरू हो गया है। राज्य के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भी इसका समर्थन कर रहे हैं। बहरहाल ऐसे मामलों में दोनों पक्षों को आपसी सद्भाव के साथ थोड़ा दरियादिली दिखाना चाहिए और विवाद को लंबा कानूनी पेचीदगी से बचना चाहिए।

कांग्रेस का केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन

ऋषिकेश। देश में बढ़ती महंगाई को लेकर कांग्रेस ने रोष जताया है। इसके विरोध में कांग्रेसियों ने रविवार को ऋषिकेश में केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। उन्होंने सरकार से पेट्रोल और अन्य चीजों के टैक्स में कटौती कर जनता को राहत देने की मांग की। रेलवे रोड स्थित कांग्रेस भवन के समक्ष एकत्रित होकर कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर नारेबाजी की। महानगर अध्यक्ष राकेश सिंह ने कहा कि आज देश का आम नागरिक महंगाई जैसी सबसे बड़ी समस्या से जूझ रहा है। रसोई गैस से लेकर पेट्रोल–डीजल, खाद्य पदार्थों से लेकर शिक्षा और इलाज तक हर चीज आम आदमी की पहुंच से दूर होती जा रही है। सरकार बड़े–बड़े विकास के दावे करती है, लेकिन आम जनता पूछ रही है कि यदि विकास हो रहा है तो फिर लोगों की जेब खाली क्यों हो रही है। बेरोजगारी और महंगाई ने युवाओं और आम परिवारों की परेशानियों को और बढ़ा दिया है। पीसीसी सदस्य जयेंद्र रमोला ने कहा कि भाजपा सरकार ने जनता से अच्छे दिनों का वादा किया था, लेकिन आज

हालत यह है कि मध्यम वर्ग और गरीब परिवार अपने घर का बजट संभालने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। गैस सिलेंडर की बढ़ती कीमतों ने रसोई का खर्च बढ़ा दिया है, पेट्रोल–डीजल महंगा होने से हर वस्तु की कीमत पर असर पड़ा है। दाल, तेल, सब्जियां और रोजमर्रा की जरूरत का सामान लगातार महंगा होता जा रहा है। महानगर अध्यक्ष एससी प्रकोष्ठ सूरत सिंह कोहली ने कहा कि सरकार टैक्स में कटौती करे, पेट्रोल–डीज़ल के दाम कम करे और महंगाई से परेशान लोगों को राहत दे। क्योंकि देश की ताकत उसकी जनता होती है, और जब जनता आर्थिक दबाव में होती है तो देश की प्रगति भी प्रभावित होती है।

दास्तान–ए–दिल्ली नाटक के मंचन ने बांधा समां

श्रीनगर गढ़वाल। एचएनबी गढ़वाल विवि के लोक कला एवं संस्कृति निष्पादन केंद्र की ओर से आयोजित बाल रंग यात्रा का शुभारंभ ऐतिहासिक नाटक दास्तान–ए–दिल्ली के भव्य मंचन के साथ किया गया। शहर के मार्शल पब्लिक स्कूल के बाल कलाकारों के अभिनय, संवाद अदायगी को दर्शकों ने खूब सराहा। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रो. डीआर पुरोहित, मार्शल स्कूल के मैनेजिंग डायरेक्टर जलेश सब्रवाल एवं प्रधानाचार्या प्रिया सब्रवाल ने किया। नाटक में दिल्ली के इतिहास को विभिन्न कालखंडों में घटित घटनाओं को प्रस्तुत किया गया। नाटक की शुरुआत महाभारत, सम्राट पृथ्वीराज चौहान और मोहम्मद गौरी के युद्ध दृश्य से हुआ। शब्दभेदी बाण का दृश्य विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। इसके बाद रजिया सुल्तान का दरबार, तुगलक की नीतियां, अकबर की धार्मिक सहिष्णुता और शाहजहां के शाही वैभव को प्रभावशाली ढंग से मंचित किया गया। देशभक्ति गीतों और क्रांतिकारी नारों के साथ प्रस्तुति का समापन हुआ। कार्यक्रम का निर्देशन एमए रंगमंच के दिनेश एवं उपासना भट्ट ने किया।

फूलों और लाइटों से सजाया जा रहा हेमकुंड साहिब

चमोली। हेमकुंड साहिब के कपाट खुलने को लेकर गुरुद्वारा प्रबंधन की ओर से तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। इसको लेकर गुरुद्वारे को फूलों और एलईडी लाइटों से सजाया जा रहा है। हेमकुंड साहिब गुरुद्वारे के मुख्य द्वार और पालकी को करीब साढ़े तीन क्विंटल फूलों से सजाया जाएगा। हेमकुंड साहिब के कपाट 23 मई को खोले जाएंगे। 20 मई को ऋषिकेश गुरुद्वारे से पहला जत्था पंच प्यारों की अगुवाई में हेमकुंड साहिब के लिए रवाना होगा। वहां से ज्योतिर्मठ, गोविंदघाट गुरुद्वारे में आने के बाद बैंड बाजों की धुन के साथ जत्था घांघरिया के लिए रवाना होगा। कपाट खुलने की प्रक्रिया को भव्य बनाने के लिए गुरुद्वारा प्रबंधन की ओर से तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। इसके लिए यात्रा पड़ावों से लेकर हेमकुंड साहिब तक गुरुद्वारे को फूलों और लाइटों से सजाने का काम शुरू हो गया है।

गुरुद्वारा प्रबंधक सेवा सिंह ने बताया कि कपाट खुलने से पूर्व श्रीनगर, ज्योतिर्मठ, गोविंदघाट, घांघरिया और हेमकुंड साहिब गुरुद्वारे को सजाना शुरू कर दिया गया है।

एक नजर

तहसीलदार ने छह प्रगणकों को जारी किया नोटिस

नई टिहरी। जनगणना के तहत इन दिनों चल रहे भवन गणना (एचएलबी) कार्यों में धीमी प्रगति और लेटलतीफी पर धनोल्टी तहसील प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। धनोल्टी के तहसीलदार मो. शादाब ने निर्धारित समय सीमा तक कार्य पूरा न करने पर छह प्रगणकों का स्पष्टीकरण तलब किया है। संबंधित प्रगणकों को दो दिन के भीतर जवाब देने के निर्देश दिए गए हैं। तहसीलदार शादाब ने बताया कि भवन गणना कार्य में तेजी लाने के उद्देश्य से सभी सुपरवाइजर और प्रगणकों की बैठक कर उन्हें तय समय के भीतर कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए थे। कार्यक्रम के तहत 17 मई तक सभी एचएलबी कार्य पूरे किए जाने थे लेकिन समीक्षा में पाया गया कि निर्धारित तिथि तक धनोल्टी तहसील क्षेत्र में महज करीब 50 प्रतिशत कार्य ही पूरा हो पाया है। उन्होंने इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए संबंधित प्रगणकों से जवाब मांगा गया है। बताया कि गोरण क्षेत्र के प्रगणक यशवत सिंह, स्यालीस के अमित अरोड़ा, दाबली के महावीर सिंह, फिडोगी की हेमा पेटवाल, भैम की आशा असवाल और नौघर के खजान सिंह को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा गया है। सभी को दो दिन के भीतर अपना पक्ष प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। संबंधित कार्मिकों के विभागाध्यक्षों को भी इस संबंध में पत्र भेजा जा रहा है।

बंदरों और गोवंश ने बढ़ाई नैनबाग के लोगों की परेशानी

नई टिहरी। नैनबाग बाजार में बंदरों और गोवंश की बढ़ती संख्या से लोगों की परेशानियां भी बढ़ती जा रही है। घरों के बहार कोई सामान रखना और छत पर कपड़े सुखाने मुश्किल हो गए हैं। पूर्व ग्राम प्रधान गंभीर सिंह रावत, देशपाल सिंह पंवार, नागेंद्र चौहान का कहना है कि बंदरों को भगाने पर वह कटाने दौड़ते हैं। बंदरों के उत्पात के कारण लोग परेशान है। दूसरी ओर बाजार में गोवंश की संख्या प्रति दिन बढ़ती जा रही है। गोवंश के कारण बाजार में हर समय दुर्घटना का भय बना रहता है। ग्रामीण क्षेत्र के लोग रात को अपने गोवंश को नैनबाग बाजार में छोड़ देते हैं, जिससे गोवंश की संख्या बढ़ती जा रही है। उन्होंने तहसील प्रशासन से शीघ्र बंदरों और गोवंश की समस्या से निजात दिलाने की मांग की है।

पूर्व ब्लॉक प्रमुख रमोला ने सुनी लोगों की समस्याएं

नई टिहरी। प्रतापनगर के पूर्व ब्लॉक प्रमुख प्रदीप चंद रमोला की जन आशीर्वाद यात्रा क्षेत्र के डांग, खरोली, मिश्रवाणगांव, हलेथ, देवल, कुड़ियाल गांव, मांजफ, सिलवाल गांव, खोलगढ़, भलुंता और खेत गांव पहुंची। जन आशीर्वाद यात्रा का ग्रामीणों ने स्वागत किया। उन्होंने घर–घर जाकर लोगों से संपर्क कर उनकी समस्याओं को सुना। कहा कि वह हर समय क्षेत्र की जनता के साथ खड़े हैं। उनकी यात्रा प्रतापनगर के भविष्य की नई दिशा दशा तय करने का काम करेंगी। उन्होंने क्षेत्र में स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और बढ़ते पलायन पर चिंता जताई। इस मौके पर राकेश रमोला, आशीष राणा, सोबन चंद रमोला, गंभीर राणा, लोकेंद्र सेमवाल, संजय रमोला, रमेश सिंह आदि मौजूद थे।

कानून सभी के लिए समान, शिविर का उठाएं लाभ

चमोली। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने देवाल में बहुउद्देशीय जागरूकता एवं साक्षरता शिविर का आयोजन किया। इसका शुभारंभ जिला जज विंध्याचल सिंह ने किया। उन्होंने जिला जज बिंध्याचल सिंह ने कहा कि कानून सभी के लिए समान है और इस शिविर का उद्देश्य लोगों को जागरूक करना है इस दौरान हिमालयन पब्लिक स्कूल और कन्या हाईस्कूल की छात्राओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत किए। हिमालयन कल्चर समिति ने वनों को आग से बचाने और नशाबंदी पर नुक्कड़ नाटक का मंचन किया। बाल विकास विभाग ने मुख्यमंत्री महालक्ष्मी किट वितरित किए और सभी लोगों ने वनों को बचाने की शपथ ली। पूर्णा के सरपंच गोविंद सोनी और ग्राम प्रधान सीमा देवी ने देवाल बाजार में रोडवेज बस स्टैंड, कूड़े के ढेर से प्रदूषण, सड़क निर्माण और बहुउद्देशीय भवन जैसी समस्याओं के समाधान की मांग उठाई। विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने ग्रामीणों को वित्तीय साक्षरता, श्रम विभाग की योजनाओं, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना, सुरक्षा बीमा योजना, सुकन्या समृद्धि और अटल पेंशन जैसी जानकारियां साझा कीं।

डॉक्टरों ने शिविर में की ग्रामीणों के स्वास्थ्य की जांच

नई टिहरी। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन अभियान के तहत भिलंगना ब्लॉक की बासर पट्टी के सेमा गांव में स्वास्थ्य शिविर आयोजित हुआ। शिविर में डॉक्टरों ने ग्रामीणों के स्वास्थ्य जांच कर निशुल्क दवा देने के साथ आवश्यक परामर्श भी दिए। प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ उषा भट्ट ने बताया क्षेत्र में राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत 100 दिवसीय टीबी मुक्त भारत अभियान चलाया जा रहा है। स्वास्थ्य की टीमें गांव–गांव जाकर लोगों के स्वास्थ्य की जांच कर क्षय रोग के प्रति जागरूक कर रहे हैं। शिविर में टीबी के संभावित मरीजों की जांच के साथ अन्य बीमारियों से पीड़ित लोगों के स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है। शिविर में 90 लोगों के स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस मौके पर सीएचओ रोहित वर्मा, शीतल असवाल, अनिल बिष्ट, ज्योति, शुभम आदि मौजूद रहे।

चार माह बाद खुला बौराड़ी फर्नीचर कॉम्प्लेक्स

नई टिहरी। बौराड़ी फर्नीचर और कवर्ड बाजार में एडीबी परियोजना के तहत चल रहे निर्माण कार्यों का डीएम नितिका खंडेलवाल ने स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निर्धारित समय सीमा के अंतर्गत कार्य पूरा न होने पर नाराजगी जताई। कवर्ड बाजार के अधूरे कार्यो को अगले पांच दिन के अंतर्गत पूरा करने के निर्देश दिए। डीएम से वार्ता के बाद चार महीने से बंद फर्नीचर बाजार को विधिवत खोल दिया गया। वहीं कवर्ड बाजार को 22 मई से खोलने पर सहमति बनी है। एडीबी परियोजना के तहत बौराड़ी फर्नीचर और कवर्ड बाजार एवं बस अड्डा परिसर में लगभग 22 करोड़ की लागत से साज सज्जा का कार्य पिछले चार माह से चल रहा है। तब से फर्नीचर और कवर्ड बाजार की दुकानें बंद चल रही थी। निर्माण कार्य समय पर पूरा न होने, मानकों के अनुरूप कार्य की गुणवत्ता न होने और मुआवाजा भुगतान की मांग को लेकर व्यापारी पिछले चार दिनों से आंदोलनरत थे।

विरोध स्वरूप उन्होंने निर्माण कार्य कराया था। व्यापारियों का आरोप था कि 60 से 65 दिन में काम पूरा करने का वादा किया गया था, लेकिन चार महीने बाद भी बाजार का निर्माण कार्य अधूरा पड़ा है। तीन महिने तक उन्हें दो हजार प्रतिदिन की दर से मुआवजा दिया गया लेकिन चौथे महिने का मुअवाजा भुगतान नहीं किया जा रहा है। रविवार को बाजार में चल रहे निर्माण कार्यो का निरीक्षण के दौरान डीएम ने एडीबी के परियोजना प्रबंधक अमित रूषिया को जो भी अधूरे कार्य शेष हैं, उन्हें अगले पांच दिनों के भीतर हर हाल में पूरा करने को कहा।

बंजारा बस्ती के शोर–शराबे से लोग परेशान

श्रीनगर गढ़वाल। नगर निगम क्षेत्र के न्यू कमलेश्वर मोहल्ले के समीप बनी बंजारा बस्ती हटाने की मांग तेज होने लगी है। मोहल्लेवासियों का आरोप है कि बस्ती में आए दिन झगड़ा, गाली–गलौच और नशाखोरी की घटनाओं से आसपास का माहौल खराब हो रहा है। इस संबंध में स्थानीय लोग दो बार पुलिस प्रशासन को शिकायतीपत्र भी दे चुके हैं लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने से लोगों में नाराजगी है। पार्षद सूरज नेगी, जगमोहन सिंह रावत, दलबीर सिंह, किशन और किशोर पुरी ने बताया कि बस्ती में करीब 10 से 12 परिवार रह रहे हैं। आरोप लगाया कि शाम होते ही यहां झगड़ा और शोर–शराबा शुरू हो जाता है जिससे आसपास रहने वाले लोगों का जीना दूभर हो गया है। कई बार दिन के समय भी आपसी विवाद और मारपीट की स्थिति बन जाती है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से जल्द उचित कार्रवाई की मांग की। वहीं कोतवाली प्रभारी निरीक्षक कुलदीप सिंह ने बताया कि पुलिस टीम को मौके पर भेजकर पहले संबंधित लोगों को समझाया जाएगा।

यातायात नियम तोड़ने पर 186 चालकों के खिलाफ कार्रवाई

अल्मोड़ा। जिले में यातायात नियमों के उल्लंघन पर पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी है। समस्त कोतवाली, थाना और यातायात प्रभारियों द्वारा चलाए गए संयुक्त चेकिंग अभियान के दौरान 186 वाहन चालकों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम के तहत चालानी कार्रवाई की गई, जबकि 12 वाहनों को सीज किया गया। धारानौला क्षेत्र में पुलिस ने सत्यापन अभियान चलाकर बिना पुलिस सत्यापन के मजदूर रखने वाले ठेकेदार अनुज प्रताप सिंह निवासी राजीव कॉलोनी, सुभाषनगर उत्तर प्रदेश के खिलाफ पुलिस अधिनियम की धारा 83 के तहत कार्रवाई करते हुए 10 हजार रुपये का नगद चालान किया। इसके अलावा क्षेत्र में बिना सत्यापन के रह रहे 12 बाहरी व्यक्तियों के खिलाफ भी चालानी कार्रवाई की गई और सभी का मौके पर सत्यापन कराया गया। थाना लमगड़ा क्षेत्र के अंतर्गत चौकी प्रभारी मोरनौला नरेश कोहली की टीम ने सार्वजनिक स्थान पर शराब का सेवन कर रहे पांच व्यक्तियों के खिलाफ पुलिस अधिनियम की धारा 81 के तहत कार्रवाई की। वहीं थाना भतरोंजखान पुलिस ने दो कारों में लगी काली फिल्म मौके पर हटवाते हुए संबंधित चालकों के खिलाफ मोटर वाहन अधिनियम के तहत चालान किया। प्रभारी चौकी धारानौला आनंद बल्लभ कश्मीरा ने बाजार क्षेत्र में चेकिंग के दौरान छह बुलेट मोटरसाइकिलों में रेट्रो साइलेंसर लगे पाए।

मोहान क्षेत्र में बाघ रेस्क्यू के बाद वन विभाग अलर्ट, तीन टीमें कर रहीं निगरानी

अल्मोड़ा। मोहान वन क्षेत्र के अंतर्गत तड़म ग्राम सभा में बाघ के सफल रेस्क्यू के बाद वन विभाग ने क्षेत्र में निगरानी और गश्त बढ़ा दी है। वन विभाग की टीमें क्षेत्र में कैंप कर मानव–वन्यजीव संघर्ष की संभावित घटनाओं की रोकथाम में जुटी हैं। साथ ही ग्रामीणों को जागरूक करने के लिए प्रचार–प्रसार और जागरूकता कार्यक्रम भी चलाए जा रहे हैं। उप संभागीय वनाधिकारी काकुल पुंडीर ने बताया कि विभाग द्वारा क्षेत्र में तीन विशेष टीमों का गठन किया गया है, जो प्रतिदिन प्रभावित इलाके में निगरानी और गश्त कर रही हैं। टीमों को अनाइडर, फॉक्स लाइट, राइफल और गांधी बंदूक जैसे सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराए गए हैं।

ग्रामीणों को सतर्क करने के लिए क्षेत्र में जागरूकता पोस्टर भी लगाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि ट्रैप कैमरों और ड्रोन की मदद से लगातार निगरानी की जा रही है। गश्ती दल बाघ के पदचिह्नों और अन्य गतिविधियों के संकेतों की लगातार तलाश कर रहे हैं। गांव और आरक्षित वन क्षेत्र की सीमा पर वनाग्नि रेखा तैयार करने का कार्य भी जारी है।

पार्किंग में टूटे नाली के स्लैब से हादसे का खतरा

श्रीनगर गढ़वाल। रोडवेज बस अड्डे की पार्किंग के प्रवेश और निकासी मार्ग पर बने सीमेंट व सरिया के नाली स्लैब क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। स्लैब टूटने और गहरे गड्ढे होने से वाहनों की आवाजाही प्रभावित हो रही है और वाहन चालकों के सीधे नाली में गिरने व दुर्घटना का खतरा बना हुआ है। कई जगहों पर सरिया बाहर निकल आई है और एक स्थान पर की गई मिट्टी भरने की अस्थायी व्यवस्था भी बरसात या दबाव पड़ने पर धंस जाती है। रोडवेज बस अड्डे के प्रभारी अशोक काला ने बताया कि यह स्लैब पहले नगर निगम ने बनाए थे। समस्या को लेकर नगर निगम अधिकारियों को अवगत करा दिया गया है। वहीं नगर निगम के जेई सूरज ने बताया कि रोडवेज से शिकायत प्राप्त हुई है और मामले का जल्द समाधान निकालने का प्रयास किया जाएगा।

जिला प्रशासन की टीम ने जीता मैत्री क्रिकेट मैच

उत्तरकाशी। जिला प्रशासन एवं पत्रकार इलेवन के बीच रविवार को मनेरा स्टेडियम में एक रोमांचक मैत्री क्रिकेट मैच खेला गया। अंतिम ओवर तक चले इस बेहद रोमांचक मुकाबले में जिला प्रशासन की टीम ने पत्रकार इलेवन को हराकर जीत दर्ज की।

विजेता टीम के खिलाड़ी अंकेश मैन ऑफ द मैच चुने गए। टॉस जीतकर पत्रकार इलेवन ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। पत्रकार इलेवन ने शानदार खेल का प्रदर्शन दिखाते हुए निर्धारित 15 ओवरों में जिला प्रशासन के सामने 130 रन का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रखा। टीम की ओर से ओपनर बल्लेबाज अतिरिक्त जिला सूचना अधिकारी सुरेश बरसियाटा ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 73 रनों की बेहतरीन पारी खेली। जिला प्रशासन की ओर से भुवनेश भट्ट ने दो विकेट एवं डीएम प्रशांत आर्य एवं कर्मवीर ने एक–एक विकेट लिए। जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी जिला प्रशासन की टीम ने अंतिम ओवर में जीत दर्ज की। जिला प्रशासन की ओर से अंकेश ने 48 रनों की पारी खेली। सरकारी तामझाम और सुविधाओं को छोड़कर डीएम स्वयं मोटर बाइक चलाकर मनेरा स्टेडियम पहुंचे। उनके इस कदम की खेल प्रेमियों और स्थानीय लोगों ने जमकर सराहना की।

जिलाधिकारी ने ली राजस्व विभाग की मासिक बैठक

उत्तरकाशी। जिला सभागार में राजस्व विभाग की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने की। बैठक में राजस्व वसूली की समीक्षा की गई। डीएम ने अधिकारियों को मुख्य और विविध देयों की वसूली में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बड़े बकायेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

बैठक में फार्मर रजिस्ट्री और अंश निर्धारण के लंबित मामलों पर भी चर्चा हुई। डीएम ने इन कार्यों को जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। राजस्व पुलिस क्षेत्र में दर्ज अपराधों और लंबित न्यायालयी मामलों की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने परगना मजिस्ट्रेट न्यायालयों में लंबित फौजदारी वाद, अविवादित विरासत और अन्य मामलों का समय पर निस्तारण करने को कहा। ऑडिट आपत्तियों की स्थिति की भी जानकारी ली गई। बैठक में मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों पर भी चर्चा हुई। डीएम ने अधिकारियों से कहा कि जनता की शिकायतों का त्वरित और समयबद्ध समाधान किया जाए। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि इसमें लापरवाही को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

यूकेडी ने निकाली जन आक्रोश महारैली

अल्मोड़ा। विकासखंड सल्ट में रविवार को उत्तराखंड क्रांति दल की ओर से जन आक्रोश महारैली निकाली गई। महारैली पोखरी से शुरू होकर नपटुआ, शंशीखाल, प्रेमनगर, मोलेखाल, जालीखान, पैसिया, झिमार, डोटियाल, रतखाल, मानिला, सदरा, क्वैराला और इनलू होते हुए डभरा में संपन्न हुई। महारैली के दौरान यूकेडी के केंद्रीय सलाहकार वीरेंद्र सिंह बंगारी ने राज्य सरकार पर भ्रष्टाचार और जन समस्याओं की अनदेखी का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड क्रांति दल गांव–गांव जाकर लोगों को जागरूक करेगा और जनता के मुद्दों को प्रमुखता से उठाएगा। उन्होंने कहा कि दल गैरसैंण को स्थायी राजधानी बनाए जाने, मूल निवास 1950 लागू करने, सशक्त भू–कानून लागू करने और प्रत्येक परिवार को रोजगार उपलब्ध कराने की मांग कर रहा है। इसके अलावा स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार, युवाओं के लिए रोजगार सृजन और पहाड़ों से पलायन रोकने जैसे मुद्दों को भी प्राथमिकता दी जाएगी। महारैली में सैनिक प्रकोष्ठ कुमाऊं प्रभारी शिव सिंह रावत, प्रताप सिंह बसनाल, राकेश बिष्ट, तुला सिंह तड़ियाल, योगेश शर्मा, मदन कठायत, जिला उपाध्यक्ष राज नेगी, केंद्रीय महामंत्री युवा प्रकोष्ठ दीपक भाकुनी, जिला महामंत्री युवा प्रकोष्ठ हरीश रोतैला, जिलाध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ ललित अधिकारी, जिला महामंत्री युवा प्रकोष्ठ गणेश अधिकारी, विधानसभा युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष सल्ट गोपी बिष्ट, आईटी कुमाऊं प्रभारी गोपाल रावत, महेश करगेती सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

चारधाम यात्रा में ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन में भारी भीड़

ऋषिकेश। चारधाम यात्रा में ऋषिकेश में तीर्थयात्रियों की आमद में तेजी से इजाफा हुआ है। रविवार को सर्वाधिक 15,604 यात्रियों का ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन किया गया। चारधाम ट्रांजिट केंद्र में यह पंजीकरण सुबह से लेकर शाम पांच बजे तक किया गया। इसके बाद भी यात्रियों का रजिस्ट्रेशन का क्रम जारी रहा। सिर्फ रजिस्ट्रेशन ही नहीं, संयुक्त रोटेशन यात्रा व्यवस्था समिति की भी यात्रा शुरू होने के बाद सबसे अधिक 55 बसें रविवार को धामों के लिए रवाना हुईं, जिनमें 1,696 यात्री आस्थापथ पर रवाना हुए हैं। यात्रियों की संख्या में यह बढ़ोतरी 15 मई के बाद हुई है। यात्रा प्रशासन संगठन के विशेष कार्याधिकारी डॉ. प्रजापति नौटियाल ने बताया कि यात्रियों की बढ़ती संख्या को लेकर फिलहाल मौजूदा 30 काउंटर पर्याप्त हैं। भीड़ बढ़ने पर अतिरिक्त काउंटर संचालित करने पर भी विचार किया जा सकता है।

उन्होंने बताया कि 30 मोबाइल टीमें भी यात्रों के रजिस्ट्रेशन के लिए तैनात हैं। इन टीमों को आश्रम और सराय में ठहरे यात्रियों के पास जाकर वहीं रजिस्ट्रेशन की जिम्मेदारी दी गई है। ट्रांजिट केंद्र में भी यह टीमें बुजुर्ग यात्रियों के पास जाकर ही उनका पंजीकरण कर रही हैं।

गौचर में राशन कार्ड का सत्यापन आज से

चमोली। नगर पालिका क्षेत्र में 18 मई से राशन कार्ड सत्यापन अभियान शुरू होगा। यह अभियान जिलाधिकारी के निर्देश पर एक सप्ताह तक चलेगा जिसमें सभी वार्डों के उपभोक्ताओं के राशन कार्डों का सत्यापन किया जाएगा। यह अभियान नगर पालिका और खाद्य आपूर्ति विभाग की ओर से चलाया जा रहा है। इसके लिए वार्डवार तिथियां निर्धारित की गई हैं। पालिका के ईओ हेमंत चौहान ने बताया कि अभियान के पहले दिन 18 मई को पनाई वार्ड में सत्यापन होगा। इसके बाद 19 मई को रावलनगर वार्ड और 20 मई को शैल बसंतपुर घली वार्ड में जांच की जाएगी।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा 28, न्यू डिफेंस एन्क्लेव, डांडा नूरीवाला, सहस्रधारा रोड़, देहरादून उत्तराखण्ड से प्रकाशित।
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जिला मुख्यालय देहरादून, उत्तराखण्ड होगा।
CONT. 9412081969
PRGI NO. UTTHIN/2005/16338

संक्षिप्त समाचार

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने वर्जीनिया का चुनावी नक्शा बहाल करने से किया इनकार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को वर्जीनिया की उस अहम अपील को खारिज कर दिया है, जिसमें डेमोक्रेटिक पार्टी को फायदा पहुंचाने वाले चुनावी नक्शे (कांग्रेशनल मैप) को बहाल करने की मांग की गई थी। अदालत के इस बड़े फैसले से हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स (निचले सदन) में डेमोक्रेट्स को चार और सीटें जीतने का जो शानदार मौका मिल रहा था, वह अब पूरी तरह से खत्म हो गया है। यह आदेश अमेरिका में चल रहे चुनाव क्षेत्र परिसीमन (रिडिस्ट्रिक्टिंग) विवाद का एक नया और अहम मोड़ है। इस विवाद की शुरुआत पिछले साल तब हुई थी, जब मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने रिपब्लिकन शासित राज्यों से अपनी चुनावी सीमाएं दोबारा तय करने की अपील की थी। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट द्वारा 'वोटिंग राइट्स एक्ट' को कमजोर करने वाले हालिया फैसले ने रिपब्लिकन पार्टी के लिए जीतने लायक और सीटें खोल दी हैं। हाल के दिनों में सुप्रीम कोर्ट ने अलबामा और लुइसियाना में भी रिपब्लिकन के पक्ष में ही फैसले दिए हैं। हालांकि, वर्जीनिया का यह मामला थोड़ा अलग था। यह विवाद वर्जीनिया सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले के बाद शुरू हुआ था, जिसमें पिछले ही महीने मतदाताओं द्वारा मामूली अंतर से पास किए गए एक संवैधानिक संशोधन को 4-3 के बहुमत से रद्द कर दिया गया था। राज्य की अदालत ने अपनी जांच में पाया था कि डेमोक्रेट-नियंत्रित विधायिका ने वर्जीनिया के आम चुनावों में 'अर्ली वोटिंग' शुरू होने के बाद, अनुचित और गलत तरीके से इस संशोधन को मतपत्र पर रखने की प्रक्रिया शुरू की थी।

क्यूबा के पूर्व राष्ट्रपति राउल कास्त्रो पर शिकंजा, अमेरिका कर रहा अभियोग की तैयारी

हवाना, एजेंसी। अमेरिकी न्याय विभाग क्यूबा के पूर्व राष्ट्रपति राउल कास्त्रो के खिलाफ अभियोग (इंडिक्टमेंट) दायर करने की तैयारी कर रहा है। सूत्रों के मुताबिक, यह संभावित अभियोग 1996 में मियामी स्थित निर्वासित समूह 'ब्रदर्स टू द रेस्क्यू' के चार विमानों को मार गिराने में कास्त्रो की कथित भूमिका से जुड़ा है। उस समय कास्त्रो क्यूबा के रक्षा मंत्री थे। यह कदम ऐसे समय उठाया जा रहा है जब मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने क्यूबा को चेतावनी दी है कि यदि वहां का नेतृत्व अपनी अर्थव्यवस्था को अमेरिकी निवेश के लिए नहीं खोलता है, तो वे संभावित सैन्य कार्रवाई कर सकते हैं।

पूर्व पीएम इमरान खान की बहन ने जेल में अकेले रखे जाने को चुनौती दी, उच्च न्यायालय में याचिका

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की बहन अलीमा खान ने अदियाला जेल में उनके लंबे एकांत कारावास को अवैध बताते हुए उच्च न्यायालय में चुनौती दी है। अलीमा खान ने गुरुवार को याचिका दायर की, जिसमें कहा कि किसी भी अदालत ने खान को एकांत कारावास की सजा नहीं सुनाई है। आरोप है कि जेल अधिकारी उन्हें पिछले छह महीनों से प्रतिदिन करीब 22 घंटे एकांत में रख रहे हैं, जबकि कानूनन यह 14 दिनों से अधिक नहीं हो सकता। याचिका में यह भी कहा गया कि खान की दाहिनी आंख की 85 फीसदी रोशनी चली गई है और उनके इलाज की जानकारी परिवार को नहीं मिली। खान ने बताया कि उनकी पत्नी बुशरा बीबी भी उसी जेल में एकांत में हैं। पीटीआई नेताओं को गुरुवार को खान से मिलने नहीं दिया गया, जबकि उच्च न्यायालय ने सप्ताह में दो बार मिलने की अनुमति दी है।

अमेरिका- लकड़ी मिल में भीषण आग और जोरदार विस्फोट

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के मेन राज्य में शुक्रवार को एक लकड़ी मिल में भीषण आग और जोरदार विस्फोट हो गया। इस हादसे में एक फायरफाइटर की मौत हो गई, जबकि कम से कम 11 लोग घायल हो गए। अधिकारियों के मुताबिक हादसा मेन के मिडकोस्ट इलाके में स्थित रॉबिन्स लंबर मिल में हुआ। जानकारी के अनुसार मिल में लगी आग को बुझाने के लिए बड़ी संख्या में फायर ब्रिगेड और बचाव दल मौके पर पहुंचे थे। इसी दौरान मिल का एक बड़ा साइलो अचानक फट गया, जिससे हालात और गंभीर हो गए। बाद में एक फायरफाइटर का शव घटनास्थल से बरामद किया गया। घायलों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। पोर्टलैंड के मेन मेडिकल सेंटर में 10 लोगों का इलाज चल रहा है, जबकि एक व्यक्ति की हालत गंभीर बताई जा रही है। रॉबिन्स लंबर कंपनी 1881 से चल रही पारिवारिक कंपनी है और मेन राज्य की बड़ी लकड़ी कंपनियों में गिनी जाती है। कंपनी के प्रवक्ता ने इसे परिवार और इलाके के लिए 'बहुत दुखद दिन' बताया है। फिलहाल आग लगने और विस्फोट के कारणों की जांच की जा रही है।

चीन से लौटते ही ट्रंप के डेलीगेशन ने कचरे में फेंके फोन और लैपटॉप, क्यों राष्ट्रपति के खेमे में मचा हड़कंप?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हालिया चीन यात्रा ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है। 13 से 15 मई 2026 तक चली इस राजकीय यात्रा को दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण रिश्तों को स्थिर करने की दिशा में एक बड़े कदम के रूप में देखा जा रहा था। लेकिन यात्रा समाप्त होते ही एक ऐसी दिलचस्प और हैरान कर देने वाली घटना सामने आई जिसने अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा हलकों में हलचल मचा दी है। रिपोर्टों के अनुसार, चीन से वापस लौटते ही अमेरिकी डेलिगेशन के सदस्यों ने अपने मोबाइल फोन, लैपटॉप और यहां तक कि एक्रेडिटेशन कार्ड्स को भी कचरे के डिब्बे में फेंक दिया।

क्यों उठाया गया ऐसा कदम : अमेरिकी सुरक्षाकर्मियों द्वारा उठाया गया यह कदम सीधे तौर पर चीन द्वारा की जाने वाली संभावित जासूसी की आशंका से जुड़ा है। अमेरिकी सुरक्षा एजेंसियों को इस बात का गहरा डर था कि चीन की यात्रा के दौरान इन उपकरणों में गुप्त रूप से जासूसी सॉफ्टवेयर या मैलवेयर प्लांट किए गए हो सकते हैं। यदि इन उपकरणों को वापस अमेरिकी नेटवर्क से जोड़ा जाता, तो वे भविष्य में संवेदनशील सरकारी जानकारी चुराने का जरिया बन सकते थे। यही कारण है कि सुरक्षा एजेंसियों ने डेलिगेशन के सभी सदस्यों को चीन में इस्तेमाल किए गए सामानों को फेंकने का निर्देश दिया।

क्लीन डिवाइस का इस्तेमाल : जानकारी के अनुसार, चीन जाने से पहले ही अमेरिकी डेलीगेशन के लिए सुरक्षा के बेहद सख्त इंतजाम किए गए थे। डेलिगेशन के सदस्य अपने मूल फोन और लैपटॉप अमेरिका में ही सुरक्षित छोड़कर गए थे। इसके बजाय, उन्हें चीन में उपयोग के लिए विशेष रूप से तैयार 'टेंपररी' या 'क्लीन डिवाइस' दिए गए थे। ये उपकरण अस्थाई लैपटॉप और नियंत्रित संचार प्रणालियों से लैस थे। जिन्हें जासूसी, हैकिंग या अवैध डेटा संग्रह के जोखिम को कम करने के लिए विशेष रूप से डिजाइन किया गया था। तकनीकी चुनौतियों का सामना इन कड़े सुरक्षा उपायों के कारण डेलिगेशन को काफी 'सिरदर्दी' और तकनीकी चुनौतियों का सामना करना पड़ा। सामान्य संदेश जो आमतौर पर एन्क्रिप्टेड ऐप्स या सिंक किए गए डिवाइस के जरिए तुरंत पहुंच जाते हैं, उन्हें भेजने के लिए नियंत्रित चैनलों और अस्थायी खातों का सहारा लेना पड़ा।

कई बार गोपनीय संदेशों को व्यक्तिगत रूप से पहुंचाना पड़ा ताकि डिजिटल हैकिंग की किसी भी संभावना को शून्य किया जा सके। अमेरिकी अधिकारी चीन को साइबर सुरक्षा के लिहाज से एक जोखिम भरा देश मानते हैं, इसलिए वहां किसी भी Digital Footprint को छोड़ना खतरनाक माना जाता है।

ट्रंप और शी जिनपिंग के क्या है मायने : लगभग 9 साल के लंबे समय के बाद किसी अमेरिकी राष्ट्रपति की यह पहली चीन यात्रा थी। इस तीन दिवसीय राजकीय दौरे के दौरान डोनाल्ड ट्रंप ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की। दोनों शीर्ष नेताओं के बीच व्यापारिक समझौतों, टैरिफ, ताइवान के मुद्दे, ईरान युद्ध और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी बड़ी वैश्विक चुनौतियों पर चर्चा हुई। इस यात्रा में ट्रंप के साथ अमेरिका की बड़ी टेक कंपनियों के सीईओ भी शामिल थे, जिनमें एलन मस्क प्रमुख थे। हालांकि यह यात्रा मूल रूप से मार्च में होनी थी, लेकिन ईरान संकट के कारण इसे मई में पूरा किया गया।

'विमान में चीन का कुछ भी अलाउड नहीं : अमेरिकी प्रेस पूल के साथ यात्रा कर रहीं 'न्यूयॉर्क पोस्ट' की संवाददाता एमिली गुडिन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर इस बात की पुष्टि की। उन्होंने लिखा, 'विमान में चीन से जुड़ा कुछ भी ले जाने की अनुमति नहीं है। हम जल्द ही अमेरिका के लिए उड़ान भर रहे हैं।' वाशिंगटन लौट रहे ट्रंप प्रशासन या खुद वाइट हाउस की तरफ से सामानों को नष्ट किए जाने की इन रिपोर्ट्स पर अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

इजरायल लेबनान सीजफायर 45 दिनों के लिए बढ़ा, अमेरिकी मध्यस्थता में फैसला

येरुशलम, एजेंसी। इजरायल लेबनान सीजफायर को लेकर मिडिल-ईस्ट से बड़ी खबर आई है। वॉशिंगटन में अमेरिका की मध्यस्थता में चल रही उच्च स्तरीय शांति वार्ता पूरी तरह सफल रही है। दोनों देश अगले 45 दिनों के लिए अपने संघर्ष-विराम को और बढ़ाने पर राजी हो गए हैं। 16 अप्रैल को लागू हुआ यह युद्धविराम रविवार को खत्म होने वाला था, लेकिन सीमा पर हिंसा रोकने के लिए इसे बढ़ाया गया है। लेबनानी सरकार ने उग्रवादी संगठन हिजबुल्लाह के कड़े विरोध के बावजूद इस ऐतिहासिक शांति वार्ता में हिस्सा लिया।

दोनों पक्षों ने की आमने-सामने चर्चा : पिछले कई दशकों में पहली बार दोनों पक्षों के सैन्य और सुरक्षा अधिकारी आमने-सामने बैठे। लेबनान का पूरा जोर इस युद्ध को पूरी तरह से रोकने पर था। वहीं इजरायल ने किसी भी समझौते के लिए हिजबुल्लाह के निशस्त्रीकरण की शर्त रखी है। यह हिंसक तनाव 2 मार्च को शुरू हुआ था जब हिजबुल्लाह ने इजरायल पर मिसाइलें दागी थीं। इसके जवाब में इजरायल ने भी दक्षिणी लेबनान में भीषण हवाई और जमीनी सैन्य अभियान चलाया। इस खूनी युद्ध की वजह से लेबनान के करीब 12 लाख लोगों को विस्थापित होना पड़ा।

ट्रंप की अहम पहल हुआ था सीजफायर : इस भारी तबाही के बीच पिछले महीने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पहल पर पहली बार सीजफायर हुआ था। इस अहम घोषणा से दोनों देशों के बीच खूनी संघर्ष काफी हद तक शांत हुआ। हालांकि, अभी भी दक्षिणी लेबनान में छिटपुट झड़पें लगातार जारी हैं। अमेरिकी प्रवक्ता टॉमी पिगॉट ने बताया कि 16 अप्रैल को लागू सीजफायर 45 दिनों के लिए बढ़ाया जा रहा है। वॉशिंगटन को उम्मीद है कि इससे दोनों देशों के बीच एक स्थायी शांति और सुरक्षा स्थापित होगी। यह संप्रभुता के सम्मान के लिए अहम कदम है।

स्थायी समझौते पर आगे की बातचीत का प्लान : इस सीजफायर को स्थायी समझौते में बदलने के लिए बैठकों का सिलसिला आगे भी जारी रहेगा। 29 मई से पेंटागन में 'सुरक्षा ट्रैक' की एक नई और अहम बातचीत शुरू होने वाली है। इसके बाद 2 और 3 जून को अमेरिकी विदेश विभाग में राजनीतिक वार्ता होगी।

कोलंबो एयरपोर्ट पर 10.8 करोड़ रुपये की कोकीन के साथ भारतीय गिरफ्तार

कोलंबो , एजेंसी। श्रीलंका के कोलंबो हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने शुक्रवार को एक भारतीय नागरिक (60) को भारी मात्रा में नशीले पदार्थों के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से लगभग 2.15 किलोग्राम कोकीन बरामद की गई है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 10.8 करोड़ रुपये (108 मिलियन श्रीलंकाई रुपये) आंकी गई है। अधिकारियों के अनुसार, आरोपी पेशे से भूविज्ञानी है। वह कतर एयरवेज की उड़ान से दोहा होते हुए युगांडा से कोलंबो पहुंचा था। संदिग्ध गतिविधियों के आधार पर जब उसके चेक-इन बैगेज की गहन तलाशी ली गई, तो अधिकारियों को बैग के अंदर बड़ी सफाई से छिपाई गई कोकीन की खेप मिली। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

अमेरिकी किशोर बना बौद्ध भिक्षु शुरू किया आध्यात्मिक सफर : वाशिंगटन, एजेंसी। युद्धरत अमेरिका के मिनेसोटा के 19 वर्षीय जालु दोर्जे बौद्ध भिक्षु बन गए हैं। वह छह महीने पहले तक एक्सबॉक्स पर गेम खेलते और पिज्जा खाते थे, लेकिन अब हिमालय की तलहटी में स्थित मठ में बौद्ध लामा के रूप में लोगों को आशीर्वाद दे रहे हैं। जालु को बचपन में ही दलाई लामा ने एक पुनर्जन्म लामा के रूप में पहचान लिया था। पिछले साल हाई स्कूल की पढ़ाई पूरी कर भारत के मिंडरोलिंग मठ में शामिल हो गए।

इस्राइल : शहीद भारतीय यहूदी सैनिकों को राजदूत ने दी श्रद्धांजलि : येरुशलम, एजेंसी। इस्राइल में भारतीय राजदूत जेपी सिंह ने रिमेंबरेंस डे पर आयोजित कार्यक्रम में शिरकत की। उन्होंने इस्राइल के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले भारतीय यहूदी समुदाय के शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। नेशनल फेडरेशन ऑफ इंडियन ज्यूज द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में राजदूत ने कहा कि यह समुदाय इस्राइल के विकास और भारत-इस्राइल संबंधों को मजबूत करने में एक सेतु की भूमिका निभा रहा है। उधर, नई दिल्ली में इस्राइली राजदूत रूवेन अजर ने दोनों देशों के रिश्तों को प्रगाढ़ बताया।

'सच्चे खजाने' हैं मोदी! यूएई की मंत्री ने बांधे तारीफों के पुल, 200 अरब डॉलर के व्यापार का रखा लक्ष्य

अबुधाबी, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 15 मई 2026 की यूएई यात्रा भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच बढ़ती गहरी रणनीतिक और आर्थिक साझेदारी का एक नया अध्याय है। यूएई की मंत्री रीम अल हाशिमी द्वारा पीएम मोदी के नेतृत्व की सराहना और उनके भव्य स्वागत ने यह साफ कर दिया है कि दोनों देशों के कूटनीतिक संबंध अब और भी मजबूत और प्रभावशाली हो गए हैं।

पीएम मोदी को बताया 'सच्चा खजाना : यूएई की मंत्री रीम अल हाशिमी ने समाचार एजेंसी एएनआई को दिए एक विशेष इंटरव्यू में प्रधानमंत्री मोदी के प्रति गहरा सम्मान व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी यूएई के नेतृत्व और यहां के लोगों के लिए एक सच्चे खजाने की तरह हैं। जब से पीएम मोदी ने पद संभाला है, यूएई और भारत का शीर्ष नेतृत्व साल में कई बार नियमित रूप से एक-दूसरे से मिलते रहे हैं। इसलिए यह दौरा उसी दोस्ती और रिश्ते का हिस्सा होगा। हम उनके यूएई आने को लेकर बहुत उत्सुक और उत्साहित हैं। हाशिमी ने इस बात पर जोर दिया कि जब से पीएम मोदी ने पद संभाला है, दोनों देशों के शीर्ष नेतृत्व के बीच नियमित संवाद बढ़ा है जो इस गहरी दोस्ती का प्रमाण है। उन्होंने यह भी विश्वास जताया कि मजबूत भारत और मजबूत यूएई के बिना एक सुरक्षित भविष्य की कल्पना करना कठिन है। 200 अरब डॉलर के व्यापार का लक्ष्य आर्थिक मोर्चे पर दोनों देशों के बीच सहयोग अब नई ऊंचाइयों को छू रहा है। मंत्री अल हाशिमी ने खुलासा किया कि भारत और यूएई अब 200 अरब डॉलर के व्यापार लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। गौरतलब है कि कुछ साल पहले हुए ऐतिहासिक व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते के बाद 100 अरब डॉलर का लक्ष्य पहले ही पार किया जा चुका है।

ऊर्जा सुरक्षा और क्षेत्रीय शांति पर चर्चा : पीएम मोदी की इस यात्रा के दौरान तेल और एलपीजी को लेकर अत्यंत महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर हुए हैं, जो भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए निर्णायक साबित होंगे। द्विपक्षीय बैठक के दौरान पीएम मोदी ने यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के साथ क्षेत्रीय सुरक्षा पर भी चर्चा की। प्रधानमंत्री ने यूएई पर हुए हालिया ईरानी हमलों की कड़ी निंदा करते हुए इसे अस्वीकार्य बताया। उन्होंने पश्चिम एशिया में शांति बहाली के लिए भारत की ओर से हर संभव सहयोग देने की प्रतिबद्धता दोहराई। कूटनीतिक प्रोटोकॉल से हटकर, यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान खुद प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत करने हवाई अड्डे पहुंचे, जहां उन्हें 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया गया। पीएम मोदी ने इस गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए अपने 'भाई' नाहयान का आभार व्यक्त किया। यह यात्रा न केवल व्यापार और ऊर्जा बल्कि रक्षा और तकनीक के क्षेत्र में भी दोनों देशों को एक-दूसरे के और करीब ले आएगी।

भूकंप: जापान में 6.3 की तीव्रता से हिली धरती, घरों-दफ्तरों से बाहर भागे लोग; क्या आने वाली है सुनामी?

टोक्यो, एजेंसी। जापान में शुक्रवार को भूकंप के तेज झटकों ने एक बार फिर दहशत फैला दी। रिक्टर स्केल पर इस भूकंप की तीव्रता 6.3 मापी गई है। इस झटके के कारण देश के कई शहरों में लोग अपने घरों और दफ्तरों से बाहर निकल आए। हालांकि राहत की बात यह है कि अभी तक किसी बड़े जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं मिली है और न ही सुनामी की कोई चेतावनी जारी की गई है।

भूकंप का केंद्र और गहराई : जापान मौसम विज्ञान एजेंसी के आंकड़ों के अनुसार, शुक्रवार शाम को आए इस भूकंप का केंद्र उत्तरी जापान के समुद्री क्षेत्र में स्थित था। विशेषज्ञों ने बताया कि भूकंप की गहराई जमीन से करीब 50 किलोमीटर नीचे थी। गहराई अधिक होने के कारण सतह पर इसका प्रभाव कम रहा लेकिन झटके कॉफी दूर तक लगे।

जनजीवन पर पड़ा असर : जैसे ही भूकंप के झटके महसूस हुआ, कई बड़े शहरों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सुरक्षा के लिहाज से प्रशासन ने तुरंत कदम उठाते हुए कई रूटों पर ट्रेन सेवाओं को कुछ समय के लिए स्थगित कर दिया। यात्रियों को किसी भी संभावित दुर्घटना से बचाने के लिए ट्रेनों को स्टेशनों पर ही रोक दिया गया था। जांच के बाद जब पटरियों और बुनियादी ढांचे को सुरक्षित पाया गया, तभी परिचालन फिर से शुरू करने की अनुमति दी गई।

सुनामी का कोई खतरा नहीं : तटीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए सबसे बड़ी चिंता सुनामी को लेकर थी। हालांकि, मौसम विभाग ने स्पष्ट किया है कि वर्तमान परिस्थितियों में सुनामी आने की कोई संभावना नहीं है। अधिकारियों ने यह भी चेतावनी दी है कि अगले कुछ घंटों या दिनों में 'आफ्टरशॉक्स' आ सकते हैं, इसलिए नागरिकों को पूरी तरह सतर्क रहने की जरूरत है।

जापान में बार-बार क्यों आते हैं भूकंप : रिंग ऑफ फायर पर होने के नाते जापान में अधिकांश भूकंप के झटके आते रहते हैं। यहां पर चार प्रमुख टेक्टोनिक प्लेटों के आपस में टकराने और समुद्री प्लेटों के महाद्वीपीय प्लेटों के नीचे धंसने के कारण अत्यधिक भूगर्भीय दबाव बनता है।

हंतावायरस का प्रकोप: क्रूज जहाज के छह यात्री ऑस्ट्रेलिया में तीन सप्ताह के लिए क्वारंटीन, अब तक कितनी मौतें?

वाशिंगटन, एजेंसी। हंतावायरस की मार झेल रहे एक क्रूज जहाज के छह यात्रियों को क्वारंटीन करने का फैसला लिया गया है। शुक्रवार को इन्हें ऑस्ट्रेलिया पहुंचा दिया गया। कम से कम तीन सप्ताह के लिए क्वारंटीन में रखे जाने वाले इन संक्रमितों को किसी से मिलने की अनुमति नहीं होगी। जिस क्रूज जहाज पर हंता वायरस के मामले रिपोर्ट किए गए हैं, इसकी पहचान एमवी होंडियस के रूप में की गई है।

ऑस्ट्रेलिया के स्वास्थ्य मंत्री ने क्या कहा : हंतावायरस के कारण क्वारंटीन किए गए यात्रियों को नीदरलैंड से एक गल्फस्ट्रीम बिजनेस जेट की मदद से ऑस्ट्रेलिया लाया गया। विमान पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के पर्थ के बाहर आरएएएफ बेस पियर्स पर उतरा। यात्रियों, चालक दल और एक डॉक्टर को बस से बुल्सब्रुक क्वारंटीन सुविधा ले जाया गया। ऑस्ट्रेलियाई स्वास्थ्य मंत्री मार्क बटलर ने कहा कि सरकार दुनिया की सबसे मजबूत क्वारंटीन प्रतिक्रियाओं में से एक लागू करेगी। उन्होंने बताया कि अमेरिका और यूरोपीय देशों में लौटने वाले यात्रियों को कुछ दिनों के लिए क्वारंटीन में रखा जाएगा।

संक्रमितों में पांच ऑस्ट्रेलियाई और न्यूजीलैंड के एक नागरिक : गौरतलब है कि हंतावायरस से जुड़े खतरों को देखते हुए ऑस्ट्रेलिया ने वायरस के किसी भी प्रसार के जोखिम को रोकने के लिए कड़ा रुख अपनाया है। पांच ऑस्ट्रेलियाई और न्यूजीलैंड के एक नागरिक को तीन सप्ताह तक क्वारंटीन सेंटर में रखा जाएगा। इस केंद्र का निर्माण साल 2022 में कोविड-19 महामारी के दौरान किया गया था। हंतावायरस से बचाव के लिए किस तरह के एहतियात बरते जाने हैं? इसे लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठनने कहा है कि संक्रमण की पुष्टि होने के बाद 42 दिनों की अवधि सबसे अधिक संवेदनशील है। शेष अवधि के लिए क्या सावधानियां बरतनी हैं, इस पर अभी निर्णय नहीं हुआ है। जिन छह यात्रियों को ऑस्ट्रेलिया में क्वारंटीन किया गया है, इनकी शुरुआती जांच रिपोर्ट निगेटिव आई थी। नीदरलैंड से निकलने से पहले वायरस के संक्रमण की जांच के नतीजे नकारात्मक आए थे। उड़ान के दौरान ही डॉक्टर ने उनका आकलन किया था। अमेरिका में स्वास्थ्य अधिकारियों के निर्देश पर दो यात्रियों को ओमाहा के राष्ट्रीय क्वारंटीन केंद्र में भेजा गया है।

हमास का शीर्ष कमांडर मारा गया? इजरायल ने गाजा पट्टी में किया बड़े मिलिट्री ऑपरेशन का दावा

येरुशलम, एजेंसी। इजरायल ने गाजा पट्टी में एक बहुत ही भयानक हवाई हमला किया है। इस बार इजरायली सेना के निशाने पर हमास का सबसे बड़ा सैन्य कमांडर था। यह गाजा हमला सीधे तौर पर इज्ज अल-दीन अल-हद्दाद को खत्म करने के लिए किया गया। पश्चिम एशिया में इस घटना से एक बार फिर डर और गहरी चिंता का माहौल बन गया है। हालांकि दोनों पक्षों के बीच अभी युद्धविराम लागू है, फिर भी गाजा में हमले जारी हैं। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने खुद इस बड़े हमले की आधिकारिक पुष्टि की है। रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज ने भी इस गाजा हमला के बारे में अपनी तरफ से जानकारी दी है। फिलहाल यह साफ नहीं है कि हद्दाद इस हमले में मारा गया या वह केवल घायल हुआ है।

हमले में कई मासूमों की मौत : गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार शुक्रवार शाम को इजरायल ने कम से कम दो बड़े हवाई हमले किए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक पहला हमला गाजा शहर के रिमाल इलाके में एक रिहायशी इमारत पर किया गया था। इसके तुरंत बाद पास की सड़क पर जा रहे एक वाहन को भी मिसाइल से पूरी तरह उड़ा दिया गया। अस्पताल के रिकॉर्ड के अनुसार इन भयानक हमलों में तीन से सात लोगों की मौत हुई है। इसके अलावा 20 से ज्यादा लोग बुरी तरह घायल हुए हैं जिन्हें शिफा और सराय अस्पताल भेजा गया है। मारे गए लोगों में हद्दाद शामिल है या नहीं, यह अब भी पूरी तरह से एक रहस्य बना हुआ है।

हद्दाद को क्यों बनाया निशाना? : अल-हद्दाद इजरायल के लिए बहुत बड़ा दुश्मन है और 7 अक्तूबर 2023 के हमले का मुख्य साजिशकर्ता था। मई 2025 में मोहम्मद सिनवार की मौत के बाद उसे ही हमास का नया सैन्य प्रमुख बनाया गया था। इजरायल का आरोप है कि वह हजारों इजरायली नागरिकों की हत्या और अपहरण के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार है। प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कहा है कि 7 अक्तूबर के हमले में शामिल किसी भी व्यक्ति को इजरायल कभी छोड़ेगा नहीं। उन्होंने खुली चेतावनी देते हुए कहा कि आज नहीं तो कल, इजरायल तुम तक पहुंच ही जाएगा। हमास की ओर से अभी तक इस गाजा हमला और अपने कमांडर की स्थिति पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

युद्धविराम के बाद गाजा के हालात : अक्तूबर 2025 में इजरायल और हमास के बीच एक कमजोर सा शांति समझौता या युद्धविराम हुआ था। लेकिन जमीन पर इसका कोई खास असर नहीं दिख रहा है और लगातार खूनी हमले हो रहे हैं। दोनों पक्ष लगातार एक-दूसरे पर इस शांति समझौते को तोड़ने का गंभीर आरोप लगाते रहते हैं।गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार युद्धविराम के बाद से 850 से अधिक फलस्तीनी नागरिक मारे जा चुके हैं। युद्ध शुरू होने से लेकर अब तक गाजा में 72,700 से ज्यादा लोगों की दर्दनाक मौत हो चुकी है।

मन की साधना

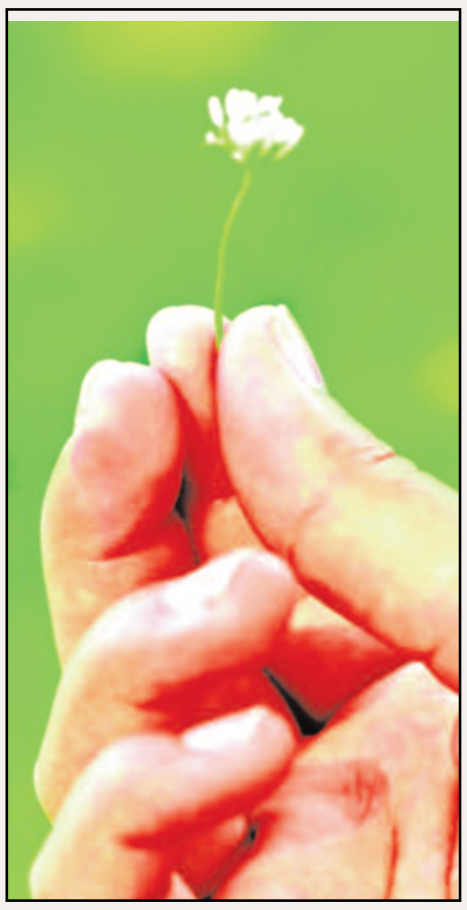

चतुर्मास का समय निकट आया तो भिक्षु सुशांत ने बुद्ध से आग्रह किया प्रभु, मैं नगरवधू सोमलता के सान्निध्य में अपना चतुर्मास व्यतीत करना चाहता हूं। कृपया इसकी आज्ञा प्रदान करें। यह सुनकर बुद्ध मुस्कराए। वह समझ गए कि यह वहां जाकर मन को साधकर सच्चा साधक होना चाहता है, लेकिन अन्य भिक्षुओं ने इस पर आपत्ति जताई। उन्हें संदेह था कि सुशांत कहीं अपने पथ से विचलित न हो जाए, पर बुद्ध ने भिक्षुओं के विरोध के बावजूद उसे आशीर्वाद देते हुए कहा, जाओ और आगे बढ़कर आना। सुशांत सोमलता के पास पहुंचा। वहां सब उसे देखकर आश्चर्यचकित रह गए। लेकिन सुशांत अपने संकल्प पर अडिग था।

इधर सोमलता के घुंघरुओं की आवाज गूंजती और उधर सुशांत अपनी साधना में लीन रहता। सोमलता सुशांत को रिझाने का प्रयास करती, मगर वह निर्लिप्त रहता। एक मास गुजर गया मगर सोमलता सुशांत को डिगा न सकी। हां, उससे थोड़ी सहानुभूति अवश्य होने लगी। उसने दूसरों को भी साधना के क्षणों में शांत रहने को कह दिया। चौथा मास आते-आते सुशांत ने अपने मन पर नियंत्रण पा लिया था। वह सोमलता या अन्य सुंदरियों की ओर आंख उठाकर भी नहीं देखता था। संगीत उसे बुद्ध-वाणी की तरह लगता था और नृत्यालय देवालय की तरह। चार मास पूर्ण हुए और सुशांत अपने मठ की ओर वापस चला तो सबने आश्चर्य से देखा- भिक्षुणी बनी सोमलता उसके पीछे-पीछे अपना सर्वस्व त्याग कर जा रही थी। सोमलता अपने रूप-रंग से सुशांत को रिझा न सकी, मगर सुशांत के तप का प्रभाव सोमलता पर दिख रहा था। सुशांत वास्तव में आगे बढ़ गया था।

भाग्य और पुरुषार्थ

राजा विक्रमादित्य के दरबार में कई ज्योतिषी थे। मगर वह कोई काम शुभ लग्न देख कर या ज्योतिषी की सलाह लेकर नहीं करते थे। एक दिन राज ज्योतिषी उनके पास आए और बोले, महाराज, आप के दरबार में कई ज्योतिषी हैं। आप की तरफ से उन्हें सभी सुविधाएं मिली हुई हैं, पर आप कभी हमारी सेवाएं नहीं लेते। आज मैं आप की हस्तरेखा देख कर यह जानना चाहता हूं कि आप ऐसा क्यों करते हैं?

राजा ने कहा, मेरे पास इतना समय नहीं रहता कि मैं आप लोगों से सलाह ले सकूं। जहां तक हस्तरेखा की बात है तो मैं इसमें विश्वास नहीं रखता। लेकिन आप कह रहे हैं तो देख लीजिए। हाथ देख कर राज ज्योतिषी चक्कर में पड़ गए। उनकी आवाज बंद हो गई। राजा ने पूछा, क्या हुआ। आप इतने परेशान क्यों हैं? राज ज्योतिषी ने कहा, राजन्, आप की हस्तरेखाएं तो कुछ और कहती हैं। ज्योतिष के अनुसार आप को तो दुर्बल और दीनहीन होना चाहिए था। लेकिन आप तो इसके विपरीत हैं। हजारों साल से ज्योतिष विद्या पर विश्वास करने वाले लोग आपकी रेखाएं देख कर भ्रमित हो जाएंगे। समझ में नहीं आ रहा कि ज्योतिष को सच मानूं या आप की रेखाओं को। विक्रमादित्य ने कहा, अभी तो आप ने मेरे बाहरी लक्षणों को ही देखा है, अब आप हमारे अंदर झांक कर देखिए। इतना कह कर राजा ने तलवार की नोक अपने सीने में लगा दी। राज ज्योतिषी घबरा कर बोले, बस महाराज, रहने दीजिए।

राजा ने कहा- ज्योतिषी महाराज, आप परेशान मत हों। ज्योतिष विद्या भी तभी सार्थक सिद्ध होती है, जब मनुष्य में कुछ करने का संकल्प हो। हस्तरेखाएं तो भाग्य नहीं बदल सकतीं, लेकिन मनुष्य में यदि पुरुषार्थ है, अभाग्य से लड़ने की शक्ति है तो उसकी नकारात्मक रेखाएं भी अपने रूप बदल सकती हैं। लगता है मेरे साथ ऐसा ही हुआ है। राज ज्योतिषी अवाक हो गए।

गीता डॉक्टर की भांति है। बस फर्क इतना ही है कि डॉक्टर शरीर के रोगों का इलाज करता है, जबकि गीता मन के रोगों का इलाज करती है और उन्हें दूर करने का मार्ग दिखाती है।

गीता में है जीवन का ज्ञान

गीता का उपदेश जीवन की धारा है। चूंकि गीता में जीवन की सच्चाई छिपी है और इसमें जीवन में आने वाली दुश्वारियों के कारण व निवारण दोनों को ही विस्तार से समझाया गया है। इसलिए गीता के उपदेश विश्व भर में प्रसिद्ध हैं और हर वर्ग को प्रभावित करते हैं।

गीता डॉक्टर की भांति है। बस फर्क इतना ही है कि डॉक्टर शरीर के रोगों का इलाज करता है, जबकि गीता मन के रोगों का इलाज करती है और उन्हें दूर करने का मार्ग दिखाती है। जिस प्रकार डॉक्टर रोगी को रोग के निवारण के साथ-साथ उसके कारण भी बताता है। ठीक उसी प्रकार से गीता का अगर गहनता से अध्ययन किया जाए तो इससे मन के रोगों का कारण और निवारण दोनों का पता चल जाता है। गीता मन के रोगों को दूर करने का एक सशक्त माध्यम है।

गीता ज्ञान से मानव जीवन में मोह को भी आसानी से दूर किया जा सकता है। मोह जीवन लीला को धीरे-धीरे नष्ट कर देता है। जीवन में दुखों का सबसे बड़ा कारण मोह ही है। जीवन को अगर सफल बनाना है और मोह से मुक्ति पानी है तो गीता की शरण में जाना पड़ेगा। गीता से ज्ञान पा कर मानव मोक्ष को प्राप्त कर सकता है।

गीता का ज्ञान मनुष्य को उसकी आत्मा के अमर होने के विषय में बोध करवा कर अपने कर्तव्य कर्म को पूर्ण निष्ठा से करने को प्रेरित करता है। परमात्मा ने मनुष्य को देह केवल भोग के लिए प्रदान नहीं की है, अपितु हमें इसका उपयोग मोक्ष प्राप्ति के लिए करना चाहिए।

साधू व नदी कभी एक स्थान पर नहीं रुकते और निरंतर आगे बढ़ते हुए विभिन्न स्थानों पर जन-जन के हृदयों में अपने ज्ञान व भक्ति के प्रभाव से उन्हें लाभांवित व आनंदित करते हैं। प्रत्येक मानव को पूरी श्रद्धा व निष्ठा से पर-उपकार के लिए तैयार रहना चाहिए और अपने ज्ञान से जगत को प्रकाश मान करने का प्रयास करते रहना चाहिए, असल में यही मानव धर्म है।

अगर श्रीमद्भगवद् गीता का अध्ययन नित्य करें, तो इस बात का आभास सहजता से होता है कि उसमें सिखाया कुछ नहीं गया है, बल्कि समझाया गया कि इस संसार का स्वरूप क्या है? उसमें यह कहीं नहीं कहा गया कि आप इस तरह चलें या उस तरह चलें, बल्कि यह बताया गया है कि किस तरह की चाल से आप किस तरह की छवि बनाएंगे? उसे पढ़कर मनुष्य कोई नया भाव नहीं सीखता, बल्कि संपूर्ण जीवन सहजता से व्यतीत करने के मार्ग पर चल पड़ता है।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उसमें एक वैज्ञानिक सूत्र है कि 'गुण ही गुणों को बरतते हैं।' इसका मतलब यह है कि जैसे संकल्पों, विचारों तथा कर्मों से आदमी बंधा है, वैसा ही वह व्यवहार करेगा। उस पर खाने-पीने और रहने के कारण अच्छे तथा बुरे प्रभाव होंगे। सीधी बात यह है कि अगर आप यह चाहते हैं कि अपने ज्ञान के आईने में आप स्वयं को अच्छे लगें तो अपने संकल्प, विचारों तथा कर्मों में स्वच्छता के साथ अपनी खान-पान की आदतों तथा रहन-सहन के स्थान का चयन करना पड़ेगा।

अगर आप आने अंदर दोष देखते हैं तो विचलित होने की बजाय यह जानने का प्रयास करें कि आखिर वह किसी बुरे पदार्थ के ग्रहण करने या किसी व्यक्ति की संगत के परिणाम से आया है। जैसे ही आप गीता का अध्ययन करेंगे, आपको अपने अंदर भी ढेर सारे दोष दिखाई देंगे और उन्हें दूर करने का मार्ग भी पता लगेगा।

गीता किसी को प्रेम करना, अहिंसा में लिप्त होना नहीं सिखाती, बल्कि प्रेम और अहिंसा का भाव अंदर कैसे पैदा हो, यह समझाती है। सिखाने से प्रेम या अहिंसा का भाव नहीं पैदा होगा, बल्कि वैसे तत्वों से संपर्क रखकर ही ऐसा करना संभव है। कोई दूसरे को प्रेम नहीं सिखा सकता, क्योंकि जिस व्यक्ति का घृणा पैदा करने वाले तत्वों से संबंध है, उसमें प्रेम कहां से पैदा होगा?

श्रीमद्भगवद् गीता में चार प्रकार के भक्त बताए गए हैं। भगवान की भक्ति होती है तो जीव से प्रेम होता है। अतः भक्ति की तरह प्रेम करने वाले भी चार प्रकार के होते हैं-आर्ती, अर्थार्थी, जिज्ञासु तथा ज्ञानी। पहले बाकी तीन का प्रेम क्षणिक होता है जबकि ज्ञान का प्रेम हमेशा ही बना रहता है। अगर आपके पास तत्व ज्ञान है तो आप अपने पास प्रेम व्यक्त करने वालों की पहचान कर सकते हैं, नहीं तो कोई भी आपको हांक कर ले जाएगा और धोखा देगा।

जीवन का आधार है आध्यात्मिक ऊर्जा

ऊर्जा एक ऐसी अदृश्य शक्ति है, जिसे हम देख नहीं सकते, बल्कि उसका अनुभव कर सकते हैं। यही ऊर्जा हमारे जीवन का आधार है।

विज्ञान की भाषा

विज्ञान इन अदृश्य शक्तियों को एनर्जी कहता है। उदाहरण के लिए बिजली से बल्ब जलता है, पंखे चलते हैं, लेकिन हम बिजली को कभी नहीं देख पाते हैं। हम उसका न केवल कार्य, बल्कि परिणाम भी देखते हैं। उसके स्वरूप के बारे में जान पाना कठिन है। ठीक उसी प्रकार प्रत्येक जीव में ऊर्जा मौजूद होती है, जिससे जीव में प्राण-शक्ति का संचार होता रहता है। दूसरे शब्दों में कहें, तो इस प्राण-शक्ति को हम देख नहीं पाते हैं।

संसार के सभी प्राणियों में ऊर्जा मौजूद है। वास्तव में यह ऊर्जा हमारे जीवन का आधार है। इसे हम अणु, परमाणु, एनर्जी आदि नामों से जानते हैं। यानी अपनी सुविधा के अनुसार, हम ऊर्जा को अलग-अलग नाम दे देते हैं। यह एक ऐसी अदृश्य शक्ति है, जिसका हम केवल अनुभव ही कर सकते हैं, देख नहीं सकते। हम अपनी आंखों से तो पृथ्वी पर मौजूद सभी पदार्थों को देख लेते हैं, लेकिन ऊर्जा को देख पाना हमारे लिए संभव ही नहीं हो पाता है। लेकिन उन्हें महसूस जरूर कर सकते हैं। लेकिन फिर भी इन अदृश्य शक्तियों के अस्तित्व को अस्वीकार कर पाना हमारे लिए असंभव होता है।

ऊर्जा और अध्यात्म का संबंध

अध्यात्म की भाषा में ऊर्जा को न केवल प्राण-वायु या आत्मा कहा जाता है, बल्कि जीव को ईश्वर का अंश भी माना जाता है। यह ऊर्जा ही है, जो सभी जीवों को जिंदा रखने में मदद करता है। हम देखते हैं कि अदृश्य शक्ति, यानी ऊर्जा के सहारे हमारे शरीर के सभी अंग सुचारू रूप से काम करते हैं। जैसे ही वह अदृश्य-शक्ति की लोप होती है, हमारे शरीर की सभी क्रियाएं बंद हो जाती हैं। शरीर के सभी अंग-आंख, नाक, कान, यहां तक कि इंद्रियां भी काम करना बंद कर देती हैं और शरीर निष्क्रिय हो जाता है।

हम यह सोचने के लिए मजबूर हो जाते हैं कि आखिर वह कौन सी शक्ति है, जो हमारे अंगों को संचालित करती है? आज का विज्ञान भले ही चांद, तारों और ग्रहों के बारे में हमें जानकारी देता हो, लेकिन आज भी इस अदृश्य-शक्ति को समझने की क्षमता अभी तक विज्ञान के पास नहीं है। शायद इसलिए कहा जाता है कि जहां विज्ञान की सीमा समाप्त हो जाती है, वहीं से महा विज्ञान शुरू हो जाता है। वास्तव में यह महाविज्ञान अध्यात्म है, जीवन दर्शन है। हमारा जीवन-दर्शन न केवल जीवन के अनुभवों के बारे में बताता है, बल्कि जीवन के रहस्यों को भी समझने का प्रयास करता है। यही वजह है कि इसकी पढ़ाई विद्यालयों या महाविद्यालयों में नहीं होती है। ऋषि-मुनियों ने वर्षों पूर्व ऐसे ही रहस्यों को समझने की कोशिश की थी। यदि इस रहस्य को समझने की स्थिति में जीव आ जाता है, तो उसे जीवन-शक्ति का अनुभव भी होने लगता है।

जीवन-शक्ति का अनुभव प्राप्त करने के लिए हमे सबसे पहले ऊर्जा के अदृश्य स्वरूप का अनुभव प्राप्त करना पड़ेगा, क्योंकि जैसा कि हम सभी जानते हैं कि जीवन-शक्ति का केवल अनुभव किया जा सकता है, देखा या परखा नहीं जा सकता है। हमारी आंखें देखती हैं, कान सुनता है, लेकिन इस देखने और सुनने की प्रक्रिया को हम केवल अनुभव कर सकते हैं। यदि हम अपने अनुभवों को न केवल अपने अंतर्मन में उतार लेते हैं, बल्कि इस प्रक्रिया के आदी भी हो जाते हैं, तो इसे ही साधना कहा जाता है। यह साधना ही है, जिसके माध्यम से व्यक्ति अपने जीवन-शक्ति का अनुभव करने लगता है। इसके लिए हमें आत्म-केंद्रित होना अति आवश्यक होता है।

आईपीएल में आज सीएसके को हराकर प्लेऑफ में पहुंचे उतेगी सनराइजर्स

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम सोमवार को यहां आईपीएल के 63 वे लीग मैच में सनराइजर्स हैदराबाद का मुकाबला करेगी। सीएसके का लक्ष्य अपने घरेलू मैदान में ये मैच बड़े अंतर से जीत कर प्लेऑफ के लिए अपनी उम्मीदें बरकरार रखना रहेगा। उसके लिए हालांकि ये आसन नहीं रहेगा क्योंकि सनराइजर्स हैदराबाद का प्रदर्शन अब तक काफी अच्छा रहा है और वह जीत की प्रबल दावेदार है।

सीएसके अगर ये मैच हारी तो वह प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो जाएगी। दूसरी ओर सनराइजर्स इस मैच में जीत के साथ ही प्लेऑफ की ओर बढ़ जाएगी। लीग में सीएसके जहां 12 अंक के साथ छठे स्थान पर है। वहीं सनराइजर्स 14 अंक लिए लेकर तीसरी स्थान पर है। ऐसे में उसका मनोबल बढ़ा रहेगा दूसरी ओर सीएसके पर दबाव रहेगा।

आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो ही टीमों के बीच 24 मैच हुए हैं। इसमें सीएसके ने 16 जबकि सनराइजर्स हैदराबाद ने 08 जीते हैं।

इस मैच में सीएसके के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी के भी खेलने की संभावना है। अगर धोनी इस मैच में खेलते हैं तो इससे सीएसके को मनोवैज्ञानिक लाभ होगा। टीम का मनोबल बढ़ने के साथ ही उसे धोनी से बेहतर मार्गदर्शन भी मिलेगा।

सीएसके की बल्लेबाज जहां कप्तान रुतुराज गायकवाड़ के अलावा संजू सैमसन पर आधारित रहेगी। वहीं सनराइजर्स की बल्लेबाजी अभिषेक शर्मा के अलावा ईशान किशन और हेनरिक क्लासेन पर निर्भर करेगी। सीएसके की गेंदबाजी अंकुल कंबोल और नुर अहमद जबकि सनराइजर्स की ईशान मलिंगा, साकिब हुसैन, प्रफुल्ल हिंगे पर आधारित रहेगी।

टीम इस प्रकार है

चेन्नई सुपर किंग्स : रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), संजू सैमसन (विकेटकीपर), (कप्तान), उर्विल पटेल, कार्तिक शर्मा/एमएस धोनी (विकेटकीपर), डेवाल्ड ब्रेविस, प्रशांत वीर, अंशुल कंबोज, नूर अहमद, स्पेंसर जॉनसन, मुकेश चौधरी, गुरजापनीत सिंह। इम्पैक्ट प्लेयर- शिवम दुबे

सनराइजर्स हैदराबाद: पैट कमिंस (कप्तान), अभिषेक शर्मा, ईशान किशन (विकेटकीपर), हेनरिक क्लासेन, सलिल अरोड़ा, नितीश कुमार रेड्डी, स्मरण रविचंद्रन, शिवांग कुमार, ईशान मलिंगा, साकिब हुसैन, प्रफुल्ल हिंगे, इम्पैक्ट प्लेयर-ट्रैविस हेड

गॉफ को हराकर स्वीटिलोना ने इटेलियन ओपन टेनिस खिताब जीता

रोम (एजेंसी)। यूक्रेन की एलीना एलिना स्वितोलिना ने अमेरिका की कोको गॉफ को हराकर इटेलियन ओपन टेनिस खिताब जीत लिया है। स्वितोलिना ने महिला एकल सेमीफाइनल में गॉफ को एक रोमांचक मुकाबले में 6-4, 6-7 3, 6-2 से हराया। ये मैच लगभग 2 घंटे 49 मिनट तक चला। ये तीसरी बार है जब गॉफ ने ये खिताब जीता है। इससे पहले साल 2017 और 2018 में भी गॉफ ने ये खिताब जीता था।

मैच के पहले सेट में ही गॉफ ने अच्छी शुरुआत करते हुए 4-2 की बढ़त बना ली थी पर आठवें गेम में गॉफ की दो डबल फॉल्ट्स उन्हें भारी पड़ गयी। स्वितोलिना ने इसके बाद ब्रेक हासिल कर वापसी कर ली। इस खिलाड़ी ने नौवें गेम में तीन ब्रेक अंक बचाए और 6-4 से पहला सेट जीत लिया।

वहीं दूसरे सेट में गॉफ की वापसी अच्छी रही। दोनों खिलाड़ियों के बीच कांटे कड़ी टक्कर हुई। गॉफ ने 11वें गेम में ब्रेक हासिल किया पर उनके सर्व करने के दौरान ही स्वितोलिना ने मुकाबला टाइब्रेक तक पहुंचा दिया। टाइब्रेक में गॉफ ने शानदार खेल दिखाया और 7-3 से जीत दर्ज कर मुकाबला बराबरी पर ला दिया।

इसके बाद तीसरे सेट में स्वितोलिना ने जबरदस्त खेल दिखाते हुए पांचवें और सातवें गेम में ब्रेक हासिल कर मैच अपने कब्जे में कर लिया। 'चैंपियनशिप के लिए सर्व करते समय उन्होंने तीन ब्रेक अंक भी बचाए और अपनी जीत तय की। यूक्रेनी खिलाड़ी ने जीत पर खुशी जतायी पर कहा कि उसे इसके लिए काफी संघर्ष करना पड़ा।

सनराइजर्स और टाइटन्स के खिलाफ अंतिम दो लीग मैचों के साथ विदाई लेंगे धोनी ?

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह आईपीएल के इस 19 सत्र में अब तक नहीं उतरे हैं। धोनी फिट नहीं होने के कारण अब तक टीम से बाहर थे पर अब उनके अंतिम लीग मैचों में उतरने की संभावना जतायी जा रही है। अटकलें लगायी जा रही हैं कि धोनी सनराइजर्स हैदराबाद और गुजरात टाइटन्स के खिलाफ मैच खेलकर लीग से विदायी ले लेंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार धोनी अब पूरी तरह से फिट हैं। इसलिए भी टीम प्रशंसकों की खुशी के लिए उन्हें उतारना चाहती है। इस सत्र में प्रशंसक उनका खेल देखने को बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

धोनी लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मैच के लिए भी फिट थे पर इसके बाद भी नहीं उतरे थे क्योंकि वह नहीं चाहते थे कि उनकी वापसी से टीम का संतुलन बिगड़े। इसका कारण ये है कि शुरुआती मैचों में कुछ हार के बाद सीएसके ने अच्छी वापसी की थी और प्लेऑफ की दौड़ में खुद को मजबूती से शामिल कर लिया था। धोनी का मानना था कि ऐसे महत्वपूर्ण समय में टीम के विजेता संयोजन को बदलना ठीक नहीं होगा। लखनऊ के खिलाफ उस मैच में हालांकि सीएसके को करारी हार का सामना करना पड़ा, जिसके बाद अब धोनी की वापसी की संभावना फिर से बढ़ गई है। कहा जा रहा है कि वह अपने अनुभव और नेतृत्व से टीम को मजबूती देने के लिए अंतिम दो लीग मैचों में उतरेंगे।

इस सत्र में सीएसके अपने खिलाड़ियों की चोटों से बुरी तरह प्रभावित रही है। उसके आधे दर्जन से ज्यादा खिलाड़ी चोट के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गये हैं या पूरी तरह से उपलब्ध नहीं हैं। धोनी भी इसी सूची में शामिल थे पर अब लगा रहा है कि वह अपनी चोट से उबर गये हैं और वापसी के लिए तैयार हैं। अंतिम दो मैचों में धोनी के खेलने से टीम का मनोबल बढ़ने की भी संभावना है। इसके अलावा 44 साल के होने जा रहे धोनी आईपीएल से विदायी भी ले सकते हैं क्योंकि सीएसके के प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें नहीं हैं।

अफगानिस्तान सीरीज के लिए ईशान किशन की हो सकती हैं वापसी

– संजू सैमसन की जगह खतरे में

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 के समापन के तुरंत बाद भारतीय क्रिकेट टीम अफगानिस्तान के खिलाफ एक टेस्ट और तीन मैचों की वनडे सीरीज खेलेगी। भारत और अफगानिस्तान के बीच एकमात्र टेस्ट मैच 6 जून से न्यू चंडीगढ़ में शुरू होगा। इसके बाद 14 जून से वनडे सीरीज की शुरुआत होगी। पहला मुकाबला धर्मशाला में खेला जाएगा, दूसरा मैच 17 जून को लखनऊ में और तीसरा मुकाबला 20 जून को चेन्नई में आयोजित किया जाएगा। इस दौरे के लिए टीम चयन को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं और विकेटकीपर बल्लेबाजों की दौड़ सबसे ज्यादा चर्चा में बनी हुई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम मैदान पर उतरेगी, जबकि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आराम दिया जा सकता है। चयनकर्ताओं की पहली पसंद विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में केएल राहुल बताए जा रहे हैं। वहीं, बैकअप विकेटकीपर की भूमिका को लेकर बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। अब तक इस भूमिका में ऋषभ पंत को देखा जा रहा था, लेकिन खराब फॉर्म के कारण उनकी जगह ईशान किशन को मौका मिलने की संभावना जताई जा रही है।

ऐसे में टी20 विश्व कप 2026 में शानदार प्रदर्शन करने वाले और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट बने संजू सैमसन के लिए टीम में जगह बनाना मुश्किल माना जा रहा है। आईपीएल 2026 में भी संजू सैमसन ने कई अहम पारियां खेली हैं और वनडे क्रिकेट में उनका रिकॉर्ड भी प्रभावशाली रहा है। इसके बावजूद चयनकर्ता उन्हें नजरअंदाज कर सकते हैं, जिससे क्रिकेट प्रशंसकों के बीच हैरानी देखी जा रही है। दूसरी ओर, ईशान किशन लंबे समय बाद वनडे टीम में वापसी करते नजर आ सकते हैं। उन्होंने अपना आखिरी वनडे मुकाबला दो साल पहले खेला था। हालांकि घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छे प्रदर्शन के बाद उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज और फिर टी20 विश्व कप टीम में मौका मिला। अब माना जा रहा है कि उसी प्रदर्शन का फायदा उन्हें वनडे टीम में भी मिलेगा।

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि 19 मई को अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट और वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम की घोषणा हो सकती है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने संभावित टेस्ट खिलाड़ियों को तैयारी शुरू करने के निर्देश भी दे दिए हैं। टीम प्रबंधन का मुख्य लक्ष्य विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में जगह बनाना और साथ ही 2027 वनडे विश्व कप की तैयारियों को मजबूत करना बताया जा रहा है।

चेन्नई सुपर किंग्स के लिए अब हर मुकाबला फाइनल जैसा – माइकल हसी

लखनऊ। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में लखनऊ सुपर जायंट्स से मिली हार के बाद चेन्नई सुपर किंग्स की प्लेऑफ की राह मुश्किल जरूर हो गई है, लेकिन टीम ने अभी उम्मीद नहीं छोड़ी है। चेन्नई सुपर किंग्स के बल्लेबाजी कोच माइकल हसी का कहना है कि अब टीम के लिए बचे हुए दोनों मुकाबले फाइनल जैसे हैं और खिलाड़ी इसी मानसिकता के साथ मैदान पर उतरेंगे। उनका मानना है कि आईपीएल का यही रोमांच इसे दुनिया की सबसे बड़ी क्रिकेट लीग बनाता है। लखनऊ सुपर जायंट्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को सात विकेट से हराकर उसके समीकरण बिगाड़ दिए। पहले बल्लेबाजी करते हुए चेन्नई ने निर्धारित 20 ओवर में 187 रन बनाए थे। टीम की ओर से कार्तिक शर्मा ने शानदार 71 रन की पारी खेली, जबकि शिवम दुबे और डेवाल्ड ब्रेविस ने भी उपयोगी योगदान दिया। इसके जवाब में लखनऊ ने मिचेल मार्श की तूफानी बल्लेबाजी के दम पर लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया। मार्श ने सिर्फ 38 गेंदों में 90 रन ठोकते हुए मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया। उनके अलावा जोश इंग्लिस और निकोलस पूरन ने भी तेज बल्लेबाजी की। इस हार के बाद चेन्नई सुपर किंग्स के 12 मैचों में 12 अंक रह गए हैं। अब टीम को प्लेऑफ में पहुंचने के लिए अपने बाकी दोनों मुकाबले जीतने होंगे। इसके साथ ही उसे अन्य टीमों के नतीजों पर भी निर्भर रहना पड़ेगा। माइकल हसी ने मैच के बाद कहा कि उन्होंने अंक तालिका का बहुत गहराई से अध्ययन नहीं किया है, लेकिन इतना साफ है कि शीर्ष चार स्थानों के लिए कई टीमें कड़ी टक्कर दे रही हैं। उन्होंने कहा कि टीम को फिलहाल सिर्फ अपने प्रदर्शन पर ध्यान देना चाहिए। माइकल हसी ने कहा कि टूर्नामेंट के अंतिम चरण में दबाव काफी बढ़ जाता है और इसी दौरान कई अप्रत्याशित परिणाम भी सामने आते हैं। उनके मुताबिक आईपीएल की यही सबसे बड़ी खासियत है कि आखिरी समय तक अधिकतर टीमें प्लेऑफ की दौड़ में बनी रहती हैं। उन्होंने कहा कि अभी भी चेन्नई सुपर किंग्स के पास मौका है और खिलाड़ी पूरी मेहनत के साथ आगे बढ़ेंगे। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ने आईपीएल की तारीफ करते हुए कहा कि यह दुनिया के सबसे बेहतरीन टूर्नामेंटों में से एक है।

आईपीएल को सीमित स्थलों पर बिना दर्शकों के आयोजित करने की मांग उठी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को बिना दर्शकों के सीमित स्थल पर आयोजित किये जाने की मांग जोर पकड़ रही है। इस सत्र में आईपीएल मुकाबले अलग-अलग शहरों में खेले जा रहे हैं। इसके कारण हवाई यात्राओं का खर्च बढ़ रहा है। इसके अलावा हजारों दर्शकों के स्टेडिमय पहुंचने के कारण भी प्रेट्रोल और डीजल की जमकर खपत हो रही है। ऐसे में सत्र में टीमों द्वारा की जा रही लगातार हवाई यात्राओं और भारी ईंधन खपत को लेकर केंद्रीय खेलमंत्री मनसुख मांडविया से इस मामले को देखने की अपील की गयी है। चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री ने केंद्रीय खेल मंत्री मांडविया से आईपीएल के शेष मैचों के लिए नया कार्यक्रम जारी करने और उन्हें सीमित मैदानों पर बिना दर्शकों के आयोजित करने की मांग की है। यह मांग ऐसे समय में उठी है जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर देश भर के सरकारी विभाग, राजनेता, अधिकारी और आम नागरिक अनावश्यक खर्चों से बचने का प्रयास कर रहे हैं। वहीं 28 मार्च से शुरू हुए इस आईपीएल में टीमों को अपने निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार देश के विभिन्न शहरों में यात्रा करनी पड़ रही है। अनुमान है कि अब तक टीमें हवाई और सड़क मार्ग से लाखों किलोमीटर का सफर तय कर चुकी होंगी। मौजूदा परिस्थितियों में, ये हवाई यात्राएं केंद्र सरकार और देश के संसाधनों पर अतिरिक्त दबाव डाल रही हैं। चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री के चेयरमैन बृजेश गोयल ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि इस मुश्किल वक्त में, जब हर क्षेत्र में कटौती और मितव्ययिता पर जोर दिया जा रहा है, आईपीएल ही एक ऐसा बड़ा आयोजन है जिसमें कोई संकट नहीं दिख रहा। इसी मुद्दे पर गोयल ने मांडविया को एक विस्तृत पत्र लिखा है। इस पत्र में उन्होंने दो प्रमुख मांगें रखी हैं। पहला, हवाई यात्रा में कटौती करते हुए लीग के बचे हुए मैचों के लिए एक नया और संशोधित शेड्यूल जारी किया जाए।

सुपरस्टार बनने के लिए प्रदर्शन जरूरी, गौतम गंभीर की सोच पर बोले राहुल द्रविड़

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने टीम इंडिया में सुपरस्टार कल्चर को लेकर मौजूदा हेड कोच गौतम गंभीर के बयान पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। द्रविड़ का मानना है कि कोई भी खिलाड़ी बिना प्रदर्शन के सुपरस्टार नहीं बन सकता और भारत जैसे क्रिकेट प्रेमी देश में पहचान हासिल करने के लिए लगातार अच्छा खेल दिखाना जरूरी होता है। दरअसल, टीम इंडिया के मुख्य कोच बनने के बाद गौतम गंभीर ने कहा था कि भारतीय टीम में व्यक्तिगत उपलब्धियों से ज्यादा टीम की जीत और ट्रॉफी को महत्व दिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा था कि जब तक वह कोच हैं, तब तक टीम में सुपरस्टार संस्कृति को बढ़ावा नहीं दिया जाएगा। अब एक पॉडकास्ट में इस मुद्दे पर बात करते हुए राहुल द्रविड़ ने कहा कि हर खेल को अपने नायकों की जरूरत होती है। उनके अनुसार भारत में कोई भी खिलाड़ी सिर्फ लोकप्रियता के दम पर सुपरस्टार नहीं बनता, बल्कि उसके पीछे लगातार शानदार प्रदर्शन और टीम की सफलता में योगदान होता है। द्रविड़ ने कहा कि भारत जैसे देश में खिलाड़ियों पर काफी दबाव और निगरानी रहती है, इसलिए यहां स्टार खिलाड़ी बनने का मतलब है कि उस खिलाड़ी ने लंबे समय तक बेहतरीन प्रदर्शन किया है। पूर्व कप्तान ने कहा कि भारतीय क्रिकेट टीम पिछले कई वर्षों से लगातार दुनिया की शीर्ष टीमों में शामिल रही है। उन्होंने बताया कि भले ही 2011 विश्व कप के बाद कुछ समय तक टीम ज्यादा आईसीसी ट्रॉफियां नहीं जीत सकी, लेकिन भारतीय टीम लगातार बड़े टूर्नामेंटों के सेमीफाइनल और फाइनल तक पहुंचती रही। उनके मुताबिक अब भारतीय क्रिकेट से लोगों की उम्मीदें काफी बढ़ चुकी हैं और हर मैच में टीम से जीत की अपेक्षा की जाती है। राहुल द्रविड़ ने भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि भारत और उपमहाद्वीप के फैंस ने विश्व क्रिकेट को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में बड़ी भूमिका निभाई है। उनके अनुसार भारतीय दर्शकों का खेल के प्रति जुनून और समर्थन क्रिकेट की सबसे बड़ी ताकतों में से एक है। द्रविड़ ने यह भी कहा कि मौजूदा भारतीय टीम की सफलता के पीछे वर्षों की मेहनत, बेहतर योजना, मजबूत ढांचा और संसाधनों का बड़ा योगदान है। उन्होंने माना कि भारतीय क्रिकेट ने पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह का विकास किया है, वह काफी सकारात्मक और प्रेरणादायक है।

सात्विक-चिराग थाईलैंड ओपन में उप-विजेता रहे, फाइनल में इंडोनेशिया से करना पड़ा हार का सामना

पटुमवान (थाईलैंड) (एजेंसी)। भारत की शीर्ष पुरुष जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी थाईलैंड ओपन में रनर-अप रहे, उन्हें इंडोनेशिया के लियो रोली कार्नांडो और डेनियल मार्टिन से 53 मिनट में 21-12, 25-23 से हार का सामना करना पड़ा। शुरुआती गेम में सात्विक और चिराग को मोमेंटम पाने के लिए संघर्ष करना पड़ा, जिसमें इंडोनेशियाई जोड़ी ने 21-12 से जीत हासिल की।

भारतीय जोड़ी ने दूसरे गेम में वापसी की, जोरदार वापसी की और गेम को आखिर तक खींचा, जहां लगातार पांच चैंपियनशिप पॉइंट बचाने के बाद, वे आखिरकार 25-23 से हार गए। 2026 बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सीज़न के अपने पहले फाइनल में हिस्सा ले रहे टॉप सीडेड भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी, बिना सीड वाली इंडोनेशियाई जोड़ी से 53 मिनट में हार गए। लियो रोली कार्नांडो और डेनियल मार्टिन के खिलाफ सात्विक और चिराग की यह पांच आमने-सामने की मुलाकातों में पहली हार थी।

सात्विक-चिराग ने आखिरी बार दो साल पहले बीडब्ल्यूएफ़ टाइटल जीता था। इत्तेफाक से, उनकी आखिरी जीत 2024 थाईलैंड ओपन में हुई थी। भारतीय जोड़ी ने 2019 में भी यह टूर्नामेंट जीता था। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पिछले साल चाइना मास्टर्स और हांगकांग ओपन के फाइनल में भी पहुंचे थे, लेकिन खिताब नहीं जीत पाए थे। बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 टूर्नामेंट के फाइनल के शुरुआती गेम में, चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी 4-1 से पीछे हो गए और वापसी नहीं कर पाए।

दूसरा गेम काफी करीबी मुकाबला था। शुरुआत में 5-2 से पीछे रहने के बाद, सात्विक और चिराग ने वापसी करते हुए बराबरी कर ली और चार मैच पॉइंट बचाए। हालांकि, इंडोनेशियाई जोड़ी ने अपने पांचवें मैच पॉइंट का फायदा उठाकर उन्हें हरा दिया। सेमीफाइनल में, सात्विक और चिराग ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए तीसरी सीडेड मलेशियाई जोड़ी को 19-21, 22-20, 21-16 से हराया और उससे पहले क्वार्टर फाइनल में जापान के ताकुमी नोमुरा और युइची शिमोगामी को 21-12, 21-13 से हराया।

लक्ष्य सेन और पीवी सिंधु की हार के साथ सिंगल्स इवेंट्स में भारत की चुनौती क्वार्टर फाइनल में खत्म हो गई। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी अगले हफ्ते मलेशिया मास्टर्स बीडब्ल्यूएफ सुपर 500 टूर्नामेंट में खेलते हुए दिखाई देंगे।

18 करोड़ में पाथिराना को खरीदकर पछता रही होगी केकेआर

कोलकाता। आईपीएल के इस सत्र में कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के सबसे महंगे खिलाड़ी श्रीलंकाई पेसर मथीसा पाथिराना टीम के लिए घाटे का सौदा साबित हुए हैं। टीम ने काफी उम्मीदों के साथ इस तेज गेंदबाज को 18 करोड़ रुपये में खरीदा था पर उसे इसका लाभ नहीं मिला। ये तेज गेंदबाज फिट नहीं होने के कारण शुरुआती मैचों से से भी बाहर रहा था। लंबे इंतजार के बाद गुजरात टाइटंस के खिलाफ गत दिवस हुए मैच में फिट होने के कारण केकेआर ने उसे उतारा पर फायदा कुछ नहीं हुआ। पाथिराना इस मैच में 1.2 ओवर के बाद ही हैमस्ट्रिंग इंजरी के कारण फिर चोटिल हो गये। ये केकेआर के लिए दोहरी झटका रहा क्योंकि टीम लंबे समय से पाथिराना की फिटनेस का इंतजार कर रही थी। जब आखिरकार वह फिट हुए और खेलने के लिए तैयार दिखे, तो अपने पहले ही मैच में उन्हें फिर से चोटिल होकर बाहर बैठना पड़ा। इससे सोशल मीडिया पर पाथिराना और केकेआर दोनों पर ही प्रशंसकों ने सवाल उठाये हैं। प्रशंसकों ने टीम के खराब प्रबंधन और खिलाड़ी की फिटनेस पर सवाल उठाये हैं। चेन्नई सुपरकिंग्स के रिलीज करने के बाद पाथिराना को इस सत्र के लिए केकेआर ने 18 करोड़ रुपए में खरीदा था। केकेआर को श्रीलंका के इस युवा तेज गेंदबाज से काफी उम्मीदें थीं, खासकर उसकी धारदार यॉर्कर और डेथ ओवरों की गेंदबाजी को लेकर पर उनके चोटिल होने से सभी पर पानी फिर गया। मैच में मुश्किल क्षणों में टीम ने उन्हें उतारा था पर लाभ नहीं हुआ।

आईपीएल में 'चिट सेलिब्रेशन' का नया ट्रेंड, खिलाड़ियों की अनोखी जश्न शैली ने खींचा ध्यान

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में इन दिनों खिलाड़ियों के बीच एक नया और अनोखा जश्न मनाने का तरीका तेजी से लोकप्रिय हो रहा है, जिसे फैंस 'चिट सेलिब्रेशन' के नाम से जान रहे हैं। इस ट्रेंड में खिलाड़ी अर्धशतक, शतक या विकेट लेने के बाद अपनी जेब से एक छोटी पर्ची निकालते हैं और उसे कैमरों की ओर दिखाते हैं। शुरुआत में दर्शक इस संदेश को नहीं पढ़ पाते, लेकिन बाद में कैमरा क्लोजअप और सोशल मीडिया के जरिए इन चिट्स में लिखे संदेश वायरल हो जाते हैं। इस अनोखे अंदाज ने मैदान पर रोमांच के साथ-साथ नई चर्चा भी पैदा कर दी है। 15 मई को लखनऊ सुपर जायंट्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच खेले गए मुकाबले में भी यह ट्रेंड देखने को मिला। लखनऊ के गेंदबाज आकाश सिंह ने चेन्नई के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ को आउट करने के बाद पहली बार इस तरह का इशारा किया। इसके बाद उन्होंने संजू सैमसन और उर्विल पटेल को भी आउट करने के बाद पर्ची निकालकर जश्न मनाया। इससे पहले भी इसी तरह के सेलिब्रेशन में उर्विल पटेल और मुंबई इंडियंस के रघु शर्मा का नाम सामने आ चुका है। मैच के बाद क्रिकेट विशेषज्ञों के बीच इस

नए ट्रेंड को लेकर अलग-अलग राय देखने को मिली। कुछ लोगों का मानना है कि यह खिलाड़ियों की भावनाओं और आत्मविश्वास को व्यक्त करने का एक नया तरीका है, जबकि कुछ इसे सिर्फ मनोरंजन का हिस्सा मान रहे हैं। लेकिन पूर्व भारतीय क्रिकेटर अंबाती रायडू ने इस पर कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने खासतौर पर आकाश सिंह के सेलिब्रेशन की आलोचना करते हुए कहा कि इस तरह की चीजों को आईपीएल में जगह नहीं मिलनी चाहिए। आकाश सिंह की पर्ची पर लिखा संदेश भी चर्चा में रहा, जिसमें उनकी गेंदबाजी की तारीफ करते हुए आत्मविश्वास झलक रहा था। अंबाती रायडू ने एक स्पोर्ट्स शो में कहा कि यह तरीका भले ही कुछ लोगों को मजेदार लगे, लेकिन यह खेल की गंभीरता को प्रभावित कर सकता है। उन्होंने यहां तक कहा कि इस तरह की पर्चियों पर प्रतिबंध लगना चाहिए, क्योंकि क्रिकेट एक प्रोफेशनल खेल है और इसमें इस तरह के 'स्टंट' की जरूरत नहीं है। हालांकि, कुछ युवा खिलाड़ी इस ट्रेंड को आधुनिक क्रिकेट का हिस्सा मानते हैं और इसे अपनी व्यक्तिगत अभिव्यक्ति का माध्यम बताते हैं। सोशल मीडिया पर भी इस नए सेलिब्रेशन को लेकर लगातार बहस जारी है, जिससे साफ है कि यह ट्रेंड आने वाले समय में और ज्यादा चर्चा में रहने वाला है।

मैच फिक्सिंग के दौर में ऐसे संभाली थी टीम इंडिया, सौरव गांगुली ने सुनाया मुश्किल दिनों का किस्सा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के इतिहास में साल 2000 को सबसे चुनौतीपूर्ण दौरों में गिना जाता है। उस समय क्रिकेट की दुनिया मैच फिक्सिंग के गंभीर आरोपों से घिरी हुई थी और खेल की विश्वसनीयता पर सवाल उठ रहे थे। प्रशंसकों का भरोसा टूट चुका था और भारतीय क्रिकेट मुश्किल दौर से गुजर रहा था। ऐसे समय में टीम इंडिया की कमान सौरव गांगुली के हाथों में आई। हाल ही में एक पॉडकास्ट में गांगुली ने उस दौर की यादें साझा करते हुए बताया कि कैसे उन्होंने टीम को संभाला और भारतीय क्रिकेट को फिर से नई दिशा देने का प्रयास किया। सौरव गांगुली ने बताया कि जब उन्हें कप्तानी सौंपी गई, तब उनकी उम्र केवल 27 साल थी। देशभर में मैच फिक्सिंग को लेकर हंगामा मचा हुआ था, लेकिन उन्हें इस बात का अंदाजा नहीं था कि यह सब किस तरह होता है। उन्होंने खुलासा किया कि उस समय वह अपने सीनियर खिलाड़ियों से अक्सर पूछा करते थे कि क्या वास्तव में किसी खिलाड़ी को फिक्सिंग के लिए संपर्क किया जाता है।

गांगुली ने बताया कि उन्होंने सीधे सचिन तेंदुलकर से पूछा था कि क्या कभी किसी ने उन्हें इस तरह के काम के लिए संपर्क किया है। सचिन का जवाब साफ तौर पर ÷नहीं÷ था। इसके बाद उन्होंने अनिल कुंबले और राहुल द्रविड़ से भी यही सवाल किया और सभी ने ऐसी किसी घटना से इनकार किया। गांगुली ने कहा कि यह उनके लिए राहत की बात थी कि टीम के मुख्य खिलाड़ी इन विवादों से पूरी तरह दूर थे। उन्होंने यह भी बताया कि कप्तानी संभालना उनके लिए आसान नहीं था, क्योंकि टीम में ऐसे दिग्गज खिलाड़ी मौजूद थे जिनकी कप्तानी में वह खुद खेल चुके थे। मोहम्मद अजहरुद्दीन और सचिन तेंदुलकर जैसे वरिष्ठ खिलाड़ियों के सामने पहली टीम मीटिंग लेने से पहले वह काफी घबराए हुए थे। उन्होंने अपनी पत्नी डोना से भी इस चिंता का जिक्र किया था कि वह इतने बड़े खिलाड़ियों को कैसे निर्देश देंगे।

गांगुली ने बताया कि कोच्चि में अपने पहले मैच से पहले उन्होंने टीम मीटिंग को केवल 15 मिनट में खत्म कर दिया ताकि माहौल सहज बना रहे। उनकी कप्तानी का असर जल्द ही मैदान पर दिखने लगा। भारत ने पहला मैच जीता और अगले मुकाबले में गांगुली ने खुद शतक जड़ा। यहीं से भारतीय क्रिकेट में ÷दादा युग÷ की शुरुआत मानी जाती है। गांगुली ने अपनी कप्तानी के दौरान कई युवा खिलाड़ियों को मौका दिया, जिनमें युवराज सिंह, मोहम्मद कैफ, हरभजन सिंह और वीरेंद्र सहवाग जैसे नाम शामिल रहे। उनके नेतृत्व में भारतीय टीम ने विदेशों में जीत दर्ज करना सीखा और 2003 विश्व कप फाइनल तक का सफर तय किया। क्रिकेट विशेषज्ञ मानते हैं कि गांगुली ने उस दौर में भारतीय क्रिकेट को नई पहचान और आत्मविश्वास दिया।

केकेआर को प्लेऑफ के लिए बड़े अंतर से जीतने होंगे बचे हुए मैच

कोलकाकता। आईपीएल के 19 वें सत्र में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का प्रदर्शन मिला-जुला रहा है। शुरुआती मैचों में लगातार हार के बाद टीम ने बाद के 6 में से पांच मैचों में जीत के साथ वापसी की है। उसके एक मैच का परिणाम नहीं निकला। अब उसके 11 अंक है और अगर वह अगले दो मैचों को बड़े अंतर से लगातार जीत हासिल करती तो उसके 15 अंक हो जाएंगे, ऐसे में उसके प्लेऑफ की संभावननाएं बनी रहेंगी पर इसके लिए उसे अन्य मैचों के परिणामों के भी उसके अनुसार आने की उम्मीद करनी होगी। केकेआर का अगला मैच मुंबई इंडियंस के खिलाफ 20 मई को है, इसके बाद उसे दिल्ली कैपिटल्स से 24 मई को खेलना है। अभी केकेआर के अलावा गुजरात टाइटंस, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, सनराइजर्स हैदराबाद, पंजाब किंग्स, राजस्थान रॉयल्स, चेन्नई सुपर किंग्स प्लेऑफ की की दौड़ में हैं। दिल्ली की संभावनाएं तकरीबन समाप्त हो गयी हैं।